शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 246 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 5 अप्रैल, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

संदेशखाली की घटना बेहद शर्मनाक, हर नागरिक की सुरक्षा जरूरी... पेज 2
कांग्रेस अभी पुराने नोट की तरह : मुख्यमंत्री पेज 3
राम आए हैं, कृष्ण भी आएंगे : योगी आदित्यनाथ पेज 5
रोनाल्डो ने 72 घंटे में ली दूसरी हैट्रिक, अल नासेर ने अभा पर 8-0 से दर्ज की जीत पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

छात्राओं को शिक्षित करने की पूरी जिम्मेदारी लेगी राज्य सरकार : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को वादा किया कि राज्य में भाजपा सरकार छात्राओं को स्नातकोत्तर स्तर तक शिक्षा देने की जिम्मेदारी लेगी, और राशन कार्ड वाले परिवारों को सरकार द्वारा भुगतान किया गया जीवन बीमा मिलेगा। सीएम ने कहा कि वर्तमान में, कक्षा 10 की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली सभी लड़कियों को एक साइकिल या स्कूटर दिया जाता है, लेकिन इस वर्ष से कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाओं के लिए पढ़ाई के दौरान उनके बैंक खातों में दो साल तक 10,000 रुपए की राशि जमा की जाएगी। वह 26 अप्रैल को दूसरे चरण के मतदान के लिए नगांव और दरंग-उदालगुड़ी निर्वाचन क्षेत्रों के लिए भाजपा उम्मीदवारों द्वारा नामांकन दाखिल करने से पहले सार्वजनिक रैलियों में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि लड़कियों को 12वीं कक्षा पास करने के बाद कॉलेज में दाखिला लेने के लिए 12,500 रुपए दिए जाएंगे, जबकि स्नातकोत्तर की पढ़ाई के लिए जाने वालों को 25,000 रुपए दिए जाएंगे। शर्मा ने कहा कि *बेटाक मां बाप पोरहाबो, बेटिक मामा पोरहाबो* (माता-पिता अपने बेटों को शिक्षित करेंगे। लेकिन मामा, जैसा कि उन्हें राज्य में युवा बुलाते हैं, लड़कियों को पढ़ाएंगे)। जबकि राशन कार्ड वाले परिवारों को चुनाव के बाद पहले से ही 5 किलो मुफ्त चावल, उज्जला गैस कनेक्शन और आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड मिल रहा है। शर्मा ने कहा कि परिवार के मुखिया को जीवन बीमा मिलेगा जिसका प्रीमियम राज्य सरकार द्वारा भुगतान किया जाएगा और एक महिला सदस्य को *ओरुनोदोई* योजना का लाभ मिलेगा। शर्मा ने कहा कि चूंकि चुनाव आचार संहिता लागू है, इसलिए वह वित्तीय घोषणाएं नहीं कर सकते, लेकिन चुनाव प्रचार के दौरान किए गए वादों को चुनाव के बाद लागू किया जाएगा। शर्मा ने उदालगुड़ी जैसे पहले से परेशान क्षेत्रों में शांति और समृद्धि लाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया। उन्होंने रोजगार सृजन के भाजपा सरकार के ट्रैक रिकॉर्ड पर प्रकाश डाला गया और चुनाव के बाद 50,000 और नौकरियों की घोषणा करने का वादा किया गया। शर्मा ने मतदाताओं को आश्वासन दिया कि केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर भाजपा का शासन क्षेत्र के विकास को आगे बढ़ाएगा। असम में, *यह मामा* की वारंटी के साथ-साथ मोदी की -शेष पृष्ठ दो पर

सभी राशन कार्ड धारकों को अरुणोदय की सुविधा मिलेगी : सीएम

शोणितपुर (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि जिस किसी परिवार के पास राशन कार्ड है उन सभी के परिवारों में अरुणोदय योजना की सुविधा दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अरुणोदय के तहत प्रत्येक महीने की 10 तारीख को 1,250 रुपए महिलाओं के खाते में भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिनका नाम इसमें शामिल नहीं हुआ है उन्हें जल्दी शामिल कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री आज तेजपुर लोकसभा सीट से एनडीए तथा भाजपा के उम्मीदवार रंजीत दत्त के समर्थन में ढेकियाजुली में एक विजय संकल्प रैली को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी पहली बार 2014 में चुनाव जीतकर देश के प्रधानमंत्री बने। उसके बाद दूसरी बार 2019 में जीते। प्रधानमंत्री के 10 वर्षों के कार्यकाल में राम मंदिर से लेकर कई महत्वपूर्ण -शेष पृष्ठ दो पर

हिल रही मुख्यमंत्री की कुर्सी : कांग्रेस अध्यक्ष

नगांव (हि.स.)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की कुर्सी हिल रही है इसीलिए वह आजकल मुझे (भूपेन बोरा) मुख्यमंत्री की कुर्सी देने की बात कह रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि 2014 से 16 तक हिमंत विश्व शर्मा तत्कालीन मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के पीछे छूरी लेकर घूम रहे थे। मुख्यमंत्री बनने के लिए उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी थी। ऐसा एक व्यक्ति मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़कर जिसको-तिसको मुख्यमंत्री की कुर्सी दे देगा यह कहने में ही सब कुछ पता चल जाता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव के मौके पर ही या चुनाव समाप्त होते-होते भाजपा ही उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी से हटा देगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कर्नाटक, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ आदि में मुख्यमंत्री बदल दिए गए, इसी प्रकार से असम में भी बदल दिए जाएंगे।

सीएम की फर्जी हस्ताक्षर के खिलाफ भाजपा ने दर्ज कराई शिकायत

गुवाहाटी। वशिष्ठ पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी को संबोधित एक पत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के अनधिकृत हस्ताक्षर के माध्यम से कथित तौर पर गलत सूचना के प्रसार और प्रचार पर गंभीर चिंता जताई है। भाजपा के असम प्रदेश के कानूनी सेल के समन्वयक जयंत कुमार गोस्वामी द्वारा हस्ताक्षरित पत्र, भाजपा कार्यकर्ताओं, निर्वाचित प्रतिनिधियों और मतदाताओं के बारे में गलत सूचना फैलाने के लिए प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

राज्यतंत्र को ही नीतिशास्त्र कहते हैं।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

अदालत ने गिरफ्तार छात्र की पुलिस हिरासत पांच दिन बढ़ाई

गुवाहाटी। गुवाहाटी की एक अदालत ने आतंकवादी संगठन *आईएसआईएस* के प्रति कथित तौर पर निष्ठा रखने के आरोप में गिरफ्तार आईआईटी-गुवाहाटी के छात्र की पुलिस हिरासत बुधवार को पांच दिन के लिए बढ़ा दी। बीटेक के चौथे वर्ष के छात्र आरोपी तौसीफ अली फारूकी को नौ दिन की पुलिस हिरासत की अवधि बुधवार को समाप्त होने के बाद कामरूप (मेट्रो) जिला एवं सत्र -शेष पृष्ठ दो पर

बीएसएफ और तस्करों के बीच मुठभेड़, एक की मौत, एक घायल

सिपाहीजला। त्रिपुरा में सेपाहिजाला के सोनामुरा उपमंडल में बुधवार रात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों और तस्करों के बीच हुई गोलीबारी में एक संदिग्ध तस्कर की मौत हो गई। वहीं, इस मुठभेड़ में एक अन्य तस्कर घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। बीएसएफ ने बताया कि मृतक की पहचान शाहिद मिया के रूप में की गई है। वहीं, घायल व्यक्ति की पहचान -शेष पृष्ठ दो पर

एसआई जुनमोनी राभा की मां ने वापस ले लिया मामला

गुवाहाटी। असम के दिवंगत एसआई जुनमोनी राभा की मां सुमित्रा राभा ने जाखलाबांधा थाने में केस संख्या 87/23 को आगे बढ़ाने में असमर्थता जताते हुए दर्ज कराया मामला वापस ले लिया है। यह घटनाक्रम कालियाबोर अदालत कक्ष में हुआ, जहां उनके साथ सीबीआई अधिकारी भी थे, जो राभा की मौत के मामले में एक महत्वपूर्ण मोड़ का संकेत देता है। कानूनी परिदृश्य तब और जटिल हो गया जब पूर्व प्रभारी पुलिस अधिकारी पवन कलिता ने एक दुर्घटना से संबंधित केस संख्या 84/23 को वापस लेने का -शेष पृष्ठ दो पर

गुलाम कश्मीर पर भारत का रुख किसी एक पक्ष का नहीं : विदेश मंत्री

तिरुवनंतपुरम (केरल)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत के रुख की पुष्टि करते हुए कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला *गुलाम कश्मीर* भारत का अभिन्न अंग है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि गुलाम कश्मीर पर भारत का यह रुख किसी एक पक्ष का नहीं बल्कि पूरे देश का है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान को लेकर मुख्य चिंता आतंकवाद को लेकर है, और अगर कुछ भी अनियंत्रित हुआ तो उसका कड़ा जवाब दिया जाएगा। जयशंकर ने गुरुवार को तिरुवनंतपुरम में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि गुलाम कश्मीर के मुद्दे पर एक राष्ट्रीय स्थिति है न कि पार्टी की स्थिति। भारत की संसद ने एकजुट रुख अपनाया है और देश के हर राजनीतिक दल ने उस रुख का समर्थन किया है। हम यह कभी स्वीकार नहीं करेंगे कि गुलाम कश्मीर इसका हिस्सा नहीं है। भारत का यह एकजुट रुख है, यह हमारा रुख है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के लिए केंद्रीय मुद्दा आतंकवाद है और आतंकवाद के मुद्दे पर हम एक -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान का हिस्सा नहीं पीओके, संविधान में उल्लेख : आरिफ चौधरी

मीरपुर। जम्मू-कश्मीर का पाकिस्तान के कब्जे वाला भाग (पीओके) संवैधानिक रूप से उसका नहीं है। यह बात अवामी एक्शन कमेटी, मीरपुर के प्रमुख नेता आरिफ चौधरी ने कही है। मीरपुर गुलाम कश्मीर का प्रमुख शहर है। मीरपुर प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में चौधरी ने कहा कि पाकिस्तानी प्रशासन पीओके के लोगों के साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं करता और न ही उनकी आवश्यकताओं को पूरा -शेष पृष्ठ दो पर

सांप पर भरोसा किया जा सकता है, लेकिन भाजपा पर नहीं : ममता

कूचबिहार। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लोकसभा चुनाव के लिए लागू आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का पालन नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जहरीले सांप पर भरोसा किया जा सकता है, लेकिन भाजपा पर नहीं। कूचबिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय जांच एजेंसियां, बीएसएफ और सीआईएसएफ भाजपा के इशारे पर काम कर रही हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग से इस पर गौर करने और सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप एक जहरीले सांप पर भरोसा कर सकते हैं, आप इसे पाल भी सकते हैं, लेकिन -शेष पृष्ठ दो पर

दो लोगों की हत्या : खासी-जैन्तिया पहाड़ियों पर हाई अलर्ट, धारा 144 लागू

शिलांग। हाल ही में दो लोगों की हत्या से उत्पन्न *अस्थिर स्थिति* के मद्देनजर मेघालय में खासी और जैन्तिया पहाड़ियों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। इसकी जानकारी अधिकारियों ने दी। पिछले हफ्ते, खासी छात्र संघ (केएसयू) ने सीमावर्ती शहर में सीएए के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था, जिसके बाद पूर्वी खासी हिल्स जिले में भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास इचामती इलाके में दो व्यक्ति मृत पाए गए थे। एसपी ऋतुराज रवि ने कहा कि मंगलवार को केएसयू के दो सदस्यों को सोहरा शहर में उनके घरों -शेष पृष्ठ दो पर

चुनावों को गंभीरता से लें पदाधिकारी जमीनी स्तर पर करें काम : नड्डा

इंदौर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि चुनाव को लेकर मुगालता न पालें, उसे गंभीरता से लें और जमीनी स्तर पर काम करें। रैली-जुलूसों से कुछ नहीं होगा। लोगों से सीधा संपर्क करें, उनकी समस्याएं जाने और हल करने की कोशिश करें। सरकारी योजनाओं का कितना लाभ मिला है, संपर्क अभियान के दौरान लोगों से इसका फीडबैंक लें। उन्हें यह भी बताएं कि राष्ट्रवाद को लेकर कौन सा दल समर्पित है। भाजपा अध्यक्ष नड्डा बुधवार को इंदौर में मालवा निमाड़ की पांच लोकसभा सीटों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। करीब डेढ़ घंटे चली बैठक के दौरान उन्होंने चुनाव प्रभारियों से सीधे -शेष पृष्ठ दो पर

सोनिया गांधी, अश्विनी वैष्णव सहित 14 सांसद बने रास सदस्य

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव समेत 14 सांसदों ने गुरुवार को राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने नए संसद भवन में उन्हें शपथ दिलाई। सोनिया गांधी ने राजस्थान से उच्च सदन के सदस्य के रूप में शपथ ली जबकि वैष्णव ने ओडिशा से राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। कर्नाटक से कांग्रेस नेता अजय -शेष पृष्ठ दो पर

वेज थाली ने बढ़ाई आरबीआई की परेशानी

नई दिल्ली। शुक्रवार को 5 मार्च को आरबीआई एमपीसी की बैठक का आखिरी दिन है और इसी दिन ब्याज दरों का एलान होना है। लेकिन उससे एक दिन पहले ही *वेज थाली* की कीमतों ने आरबीआई परेशानी को बढ़ा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार मार्च के महीने में वेज थाली के दाम में 7 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है। इसका मतलब है कि सब्जियों की कीमतों में इजाफा होने के कारण वेज थाली के दाम बढ़ गए हैं। 5 अप्रैल को आरबीआई एमपीसी की दिमाग में रेपो रेट पर किसी तरह का फैसला लेने से पहले ये कीमतें ध्यान में रह सकती हैं। वहीं दूसरी ओर नॉन वेज थाली की कीमतों में 7 फीसदी गिरावट देखने को मिली है। आईए आपको भी बताते हैं कि आखिर मार्च के महीने में वेज और नॉज वेज थाली की कीमतें कितनी हो गई हैं। मार्च महीने में प्याज, टमाटर और आलू की कीमतें बढ़ने से वेज थाली सालाना आधार पर 7 फीसदी तक महंगी हो गई। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की एक इकाई ने गुरुवार को यह सर्वे जारी किया। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस ने अपनी मासिक रोटी चावल दर रिपोर्ट में कहा कि पॉल्ट्री की कीमतें घटने से पिछले महीने नॉन थाली की कॉस्ट में 7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। शाकाहारी थाली में रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद आता है। इस थाली की कीमत मार्च -शेष पृष्ठ दो पर

जहाज में लगी भीषण आग बचने के लिए समुद्र में कूदे लोग

बैंकॉक। थाईलैंड की खाड़ी में गुरुवार तड़के एक जहाज में लगी भीषण आग से बचने के लिए घबराए यात्री समुद्र में कूद गए। हालांकि सभी 108 लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं। सूरत थानी प्रांत से रात भर चलने वाला जहाज थाईलैंड के तट से दूर एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल कोह ताओ पहुंचने ही वाला था कि तभी यात्रियों में से एक ने अचानक एक जोरदार आवाज सुनी और धुएं की गंध महसूस की। मैत्री प्रोमजम्पा ने बताया कि उन्होंने पहले धुंआ और पांच मिनट से भी कम -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

NAME CHANGE

By swearing an affidavit before the Notary Public at Nagaon on 03/04/2024 my correct name is Sushila. But formerly known as Sushila Devi instead of Sushila.
Sushila
W/o. Sajjan Kumar Deora
PO & PS Haibargaon
Dist. - Nagaon, Assam
Pin - 782002
Mob. No. 8638239523

संदेशखाली की घटना बेहद शर्मनाक, हर नागरिक की सुरक्षा जरूरी : कलकत्ता एचसी

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को ममता सरकार को फटकार लगाते हुए कहा है कि संदेशखाली की घटना बेहद शर्मनाक है। कोर्ट ने कहा कि यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि हर नागरिक को सुरक्षा प्रदान की जाए। साथ ही कोर्ट ने नसीहत देते हुए कहा कि संदेशखाली मामले में जिला प्रशासन और बंगाल सरकार को नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए। बता दें कि संदेशखाली में अनेक टीएमसी नेताओं पर स्थानीय लोगों की जमीन हड़पने व महिलाओं के यौन शोषण के आरोप लगे हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम और न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य की खंडपीठ ने इस दिन संदेशखाली की घटना पर दायर कुल पांच जनहित याचिकाओं पर सुनवाई की। एक याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट से पूरी घटना की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराने की मांग की। एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाना चाहिए और राज्य के बाहर के एक अधिकारी को प्रभारी रखा जाना चाहिए। मणिपुर की तरह एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में जांच समिति बनाई जानी चाहिए। पीड़ितों को मुआवजा मिलना चाहिए। एक अन्य जनहित याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इस मामले में गवाहों को सुरक्षा प्रदान की जाए। उन्होंने दावा किया कि सुरक्षा कारणों से कोई भी महिला अदालत में गवाही देने के लिए आगे नहीं आई।

एक अन्य याचिकाकर्ता की वकील प्रियंका टिबरेवाल ने कहा कि उनके पास अनेक महिलाओं ने यौन उत्पीड़न की शिकायत की है। ये लोग कह रहे हैं कि अगर महिलाओं ने बयान दिया तो उनके पति-बच्चों का सिर काटकर फुटबाल खेलेंगे। राज्य की ओर से वकालत करते हुए महाधिवक्ता (एजी) ने कहा कि हमें देखना होगा कि संदेशखाली में क्या हुआ। लेकिन मुझे कहना होगा कि सीबीआई ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। सुप्रीम कोर्ट ने भी सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता कहा था। सभी पक्षों की बातें सुनने के बाद मुख्य न्यायाधीश ने शाहजहां के वकील से सख्त लहजे में कहा कि आप एक आरोपित की ओर से सवाल पूछ रहे हैं। सबसे पहले अपने आस-पास की परछाइयों से छुटकारा पाएं। इसके बाद दूसरे लोगों की शिकायतों के बारे में बात करें। अगर हलफनामे में एक भी आरोप सच है तो वह भी शर्मनाक है। सरकार कहती है कि यहां महिलाएं सुरक्षित हैं। यदि हलफनामे में कोई आरोप साबित हो जाता है, तो ऐसे सभी दावे झूठे होंगे। हालांकि, सुनवाई पूरी होने के बाद भी हाईकोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया।

ईडी ने फ्रीज किया शेख शाहजहां का अकाउंट

कोलकाता (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने निलंबित तृणमूल कांग्रेस नेता शेख शाहजहां के व्यक्तिगत बैंक खातों के साथ-साथ उसके स्वामित्व वाले व्यवसायों से जुड़े खातों को फ्रीज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ईडी के एक सूत्र ने बताया कि प्रक्रिया दो बैंक खातों से शुरू हुई है, एक व्यक्तिगत रूप से शाहजहां के नाम पर है और दूसरा मछली निर्यात इकाई *मेसर्स शेख सबीना फिश सप्लाई ऑनली* का खाता है, जो शाहजहां की बेटी शेख सबीना के नाम पर पंजीकृत है। ईडी के अधिकारियों ने संबंधित बैंकों के अधिकारियों को इन दोनों खातों में पैसों के लेनदेन पर तुरंत रोक लगाने के लिए लिखा है। साथ ही शाहजहां, उसके परिवार के सदस्यों और करीबी सहयोगियों से जुड़े कुछ अन्य बैंक खातों में लेनदेन के विवरण के बारे में कुछ बैंक अधिकारियों से भी पूछताछ की गई है। सूत्रों ने कहा कि कुल 15 ऐसे बैंक खाते और इन खातों के माध्यम से 137 करोड़ रुपए के लेनदेन वर्तमान में ईडी अधिकारियों की जांच के दायरे में हैं। ईडी के अधिकारियों ने पहले ही इस बारे में निश्चित सुराग हासिल कर लिया है कि कैसे शाहजहां ने अपने मछली निर्यात व्यवसाय का इस्तेमाल भारी मुनाफा कमाने के साथ-साथ राशन वितरण घोटाला तथा अन्य घोटालों से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग की आय को ठिकाने लगाने के लिए किया था। केंद्रीय एजेंसी ने पांच जनवरी को संदेशखाली में ईडी और सीएपीएफ कर्मियों पर हमले के पीछे के आरोपित मास्टरमाइंड शाहजहां के खिलाफ पहले ही दो अलग-अलग प्रवर्तन मामले की सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की है। पहली ईसीआईआर राशन वितरण में उसकी संलिप्तता और दूसरी उसके मछली निर्यात व्यवसाय का उपयोग मनी लॉन्ड्रिंग के लिए करने से संबंधित है। शाहजहां पर संदेशखाली में स्थानीय किसानों से जबरन कृषि भूमि हड़पने और फिर उसमें खारा पानी बहाकर अवैध रूप से मछली पालन के खेतों में परिवर्तित करने का भी आरोप है। उस पर अन्य मछली पालन फर्म मालिकों पर दबाव डालने का भी आरोप है कि वे अपने खेतों में उत्पादित झींगा को मामूली लाभ पर उसकी निर्यात कंपनी को बेचें, जिसे वह काफी ऊंचे मुनाफे के साथ विदेशों में निर्यात करता था।

बांग्लादेश में थर्मल पॉवर प्लांट में हमला, पांच सुरक्षा कर्मचारी घायल

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश में बुधवार रात करीब 11:30 बजे पचास से ज्यादा हथियारबंद हमलावरों ने रामपाल थर्मल पॉवर प्लांट में धावा बोला। इस दौरान किए गए हमले में पांच सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। यह हमला प्लांट परिसर में टावर नंबर 3 के पास यार्ड नंबर 5 पर हुआ। घटना की पुष्टि प्लांट के उप महाप्रबंधक अनवारुल अजीम ने की है। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार, हथियारबंद व्यक्तियों ने प्लांट के आवासीय क्षेत्रों में घुसपैठ करने का प्रयास किया। गार्डों ने हमलावरों के प्रवेश को विफल करने की कोशिश की तो उनपर हमला किया गया। घायलों में से दो को तत्काल खुलना मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। शेष तीन का इलाज रामपाल उपजिला स्वास्थ्य परिसर में किया गया। रामपाल थाना प्रभारी सोमेन दास ने कहा कि अपराधियों को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। एहतियात के तौर पर प्लांट और उसके आसपास के क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार और बुधवार को बंदरबन के रूमा और थांची उपजिलों में बैंक डकैतियों के बाद लोग दहशत में हैं।

केजरीवाल को सीएम पद से हटाने की मांग वाली याचिका से एचसी ने किया इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को शराब नीति मामले में गिरफ्तारी के बाद तिहाड़ जेल में बंद अरविंद केजरीवाल को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता को संवैधानिक प्राधिकारियों से संपर्क करने को कहा. हाई कोर्ट ने कहा कि कभी-कभी, व्यक्तिगत हित को राष्ट्रीय हित के अधीन करना पड़ता है। पीठ ने कहा कि हम कानून की अदालत हैं... क्या आपके पास कोई उदाहरण है कि अदालत द्वारा राष्ट्रपति शासन या राज्यपाल शासन लगाया गया हो? यह याचिका सामाजिक कार्यकर्ता और हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने दायर की थी। गुप्ता ने बाद में अपनी याचिका वापस ले ली और कहा कि वह उपराज्यपाल के समक्ष प्रस्तुति देंगे। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि 21 मार्च को केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद राष्ट्रीय राजधानी में *सरकार की कमी* हो गई है।

शिलांग के डीसी ने की अतिरिक्त सुरक्षा बलों के तैनाती की मांग

शिलांग (हिंस)। पूर्वी खासी हिल्स के जिला उपायुक्त ने चुनाव के सुचारू रूप से संचालन के लिए शिलांग तथा जिले के अन्य हिस्सों में सीएपीएफ की अतिरिक्त कंपनियों की तैनाती की मांग की है। पूर्वी खासी हिल्स के डीसी एससी साधू शिलांग संसदीय सीट के रिटर्निंग ऑफिसर भी हैं। उन्होंने जिले में हाल की उग्रवादी घटनाओं को देखते हुए यह अनुरोध किया है।

प. बंगाल में लेफ्ट-कांग्रेस और तृणमूल लड़ते हैं, दिल्ली में एक ही थाली में खाते हैं : मोदी

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के कूचबिहार से चुनावी प्रचार का आगाज करने वाले भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुन चुन कर कांग्रेस और तृणमूल पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तृणमूल और कांग्रेस के इंडी गठबंधन ने नामशूद्र और मतुआ लोगों की कभी परवाह नहीं की। अब ये अफवाह फैला रहे हैं। हर परिवार को नागरिकता देना मोदी की गारंटी है। ये लेफ्ट, तृणमूल और कांग्रेस वाले आपको डराएंगे, लेकिन आपने मेरा काम देखा है। इंडी गठबंधन अपने आप में झूठ और भ्रम का प्रत्यक्ष उदाहरण है। यहां लेफ्ट, तृणमूल और कांग्रेस वाले लड़ते दिखते हैं लेकिन दिल्ली में एक ही थाली में खाना खाते हैं। कूचबिहार की चुनावी जनसभा में मोदी ने संदेशखाली मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दोषियों को सजा दिलवाए बगैर छोड़ूंगा नहीं। उनकी पूरी जिंदगी जेल में कट जाएगी। इसके अलावा उन्होंने सभा की अनुमति में बाधा नहीं डालने के लिए ममता बनर्जी की सरकार को धन्यवाद दिया और कांग्रेस तथा वाम दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि संदेशखाली के दोषियों को मोदी सजा दिलवाकर ही रहेगा। उनकी बाकी जिंदगी जेल में ही कटेगी। मोदी ने कहा कि आपका सपना ही मोदी का संकल्प है। मोदी ने गरीब को हक दिया और गरीबों को लूटने वालों के खिलाफ बड़े फैसले लिए, ताकि देश भ्रष्टाचार मुक्त हो। मोदी ने बड़े फैसले लिए, ताकि देश आतंकवाद से मुक्त हो। मोदी ने बड़े फैसले लिए, ताकि 140 करोड़ भारतीयों को मौके मिले। आज हमारे यहां जैसा आधुनिक नेटवर्क दुनिया के विकसित देशों में नहीं है। मोदी ने बड़े फैसले लिए, ताकि महिलाओं को जीवन आसान हो। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस तो गरीबी हटाओ का नारा देती रही।

पृष्ठ एक का शेष

छात्राओं को शिक्षित...

गारंटी होगी जो राज्य को विकास की ओर ले जाएगी। उन्होंने कहा कि अगर मोदी प्रधानमंत्री हैं तो असम निश्चित रूप से शांति और विकास की दिशा में आगे बढ़कर देश का अग्रणी राज्य बनेगा और इसके लिए लोगों को भाजपा उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करनी होगी। नगांव में, शर्मा पार्टी उम्मीदवार सुरेश बोरा द्वारा नामांकन पत्र दाखिल करने में शामिल हुए और दरंग-उदालगुड़ी में वह तब मौजूद थे जब मौजूदा भाजपा सांसद दिलीप सैकिया ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नगांव और दरंग-उदालगुड़ी के अलावा, दूसरे चरण में चुनाव होंगे करीमगंज, सिलचर (एससी) और डीफू (एसटी)। कांग्रेस का जिक्र करते हुए शर्मा ने कहा कि विपक्षी पार्टी के बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि यह पुराने नोट की तरह है जिसका बाजार में कोई मूल्य नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी को वोट देने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि वह लोगों के लिए कुछ नहीं कर सकती।

सभी राशन कार्ड ...

कार्य संपन्न हुए। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर नरेंद्र मोदी बाकी अधूरे कार्यों को पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में सड़कों की हालत अच्छी हुई। लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने लगा। सभी को शांतिपूर्ण जीवन जीने की सुविधा मिली। कहीं से कोई दंगा फसाद नहीं हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों को आश्वस्त कराया कि जिनके पास राशन कार्ड नहीं है या जिनका नाम अरुणोदय में शामिल नहीं किया गया है, उन सभी को चुनाव के बाद इसमें शामिल कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह बिहूगुड़ी तथा रंगापाड़ा में भी चुनावी सभाओं को संबोधित करने जाएंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ भाजपा उम्मीदवार रंजीत दत्त, मंत्री अशोक सिंघल समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता, मंत्री, विधायक आदि मौजूद थे। ज्ञात हो कि लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन आज भाजपा प्रत्याशी दिलीप सैकिया ने दरंग-उदालगुड़ी सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। उदालगुड़ी आयुक्त कार्यालय में पहुंचकर दिलीप सैकिया ने अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा भी उनके साथ मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने आज दरंग-उदालगुड़ी क्षेत्र के नामांकन दाखिल कार्यक्रम में शामिल होने के बाद ढेकियाजुली में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित किया। नामांकन प्रक्रिया में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री ढेकियाजुलि के लिए रवाना हुए थे।

सीएम की फर्जी ...

दुरुपयोग पर प्रकाश डालता है। भाजपा के पत्र में दावा किया गया है कि हिमंत विश्व शर्मा के हस्ताक्षर वाली एआई-जनित सामग्री के माध्यम से व्यक्तियों पर मतदान में अनियमितता का झूठा आरोप लगाया जा रहा है। इस तरह की कार्रवाइयां न केवल व्यक्तियों की प्रतिष्ठा को खराब करती हैं, बल्कि वर्तमान सरकारी अधिकारियों के कर्तव्यों में बाधा डालकर और भविष्य के चुनावी प्रतिभागियों के अधिकारों का उल्लंघन करके चुनावी प्रक्रिया के लिए खतरा भी पैदा करती हैं। भाजपा के अनुसार, ये गतिविधियां चुनाव आचरण नियमों का स्पष्ट उल्लंघन करती हैं और पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग करती हैं। वशिष्ठ पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी से जिम्मेदार पक्षों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह करते हुए, पत्र में चुनावी प्रक्रिया की अखंडता की रक्षा करने और निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला गया है।

एसआई जुनमोनी राभा ...

प्रयास किया। हालांकि कोर्ट ने अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) न होने के कारण इस अर्जी को खारिज कर दिया। राभा की मां को जखलाबंधा पुलिस स्टेशन में दर्ज दोनों मामलों, संख्या 84/23 और 87/23 से संबंधित कानूनी मामलों से निपटते देखा गया। *लेडी सिंघम* या *दबंग कॉप* के नाम से मशहूर जुनमोनी राभा तब सुर्खियों में आई थीं, जब उन्होंने सड़क दुर्घटना में अपनी दुखद मौत से पहले अपने मंगेतर को धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया था।

गुलाम कश्मीर पर भारत ...

पार्टी और सरकार के रूप में बहुत स्पष्ट हैं कि हम आतंकवाद को नजरअंदाज नहीं करेंगे और जब आतंकवाद होगा तो नजरें नहीं फेरेंगे। अगर कुछ होता है तो हम करेंगे। इससे निपटेंगे, हम जवाब देंगे और यह हमारा रिकॉर्ड रहा है। चीन के साथ संबंधों के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्री ने स्वीकार किया कि संबंध चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन पुष्टि की कि भारत प्रतिस्पर्धी तरीके से प्रतिस्पर्धा करेगा। जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ हमारे चुनौतीपूर्ण रिश्ते हैं। लेकिन, यह एक ऐसा देश है जो आत्मविश्वासी है, जो प्रतिस्पर्धी तरीके से अपने हितों को आगे बढ़ाने और उनकी रक्षा करने में सक्षम है और हम प्रतिस्पर्धा करेंगे। जयशंकर ने अपने पड़ोसियों के साथ भारत के संबंधों के बारे में किसी भी संदेह से इनकार किया, और कहा कि भारत के अंदर और *पड़ोस में ताकतें* हो सकती हैं जो समस्याएं पैदा करना चाहती हैं। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान और चीन को छोड़कर पड़ोस के साथ भारत के रिश्ते लंबे समय से काफी बेहतर हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि अगर हम पड़ोसियों के बारे में बात करते हैं, तो कृपया बांग्लादेश और श्रीलंका जाएं और लोगों से पूछें कि वे क्या सोचते हैं। उनके सबसे गहरे आर्थिक संकट के दौरान कौन खड़ा था? नेपाल जाएं और उनसे पूछें कि आपको टीके कहां मिलते हैं, आपको उर्वरक और ईंधन किसने दिया जब यूक्रेन में समस्या हुई तो, मैं इस बात से सहमत नहीं होऊंगा कि हमारा पड़ोस हमारे पक्ष में नहीं है। पड़ोस में ऐसी ताकतें हो सकती हैं और *बलों के पीछे ताकतें* हो सकती हैं जो समस्याएं पैदा करती हैं... भारत में ऐसे लोग हो सकते हैं जो ऐसा करना चाहते हैं इस समस्या का समाधान करें। उन्होंने आगे कहा कि जैसा कि मैंने कहा कि चीन के साथ हमारे संबंध बहुत असामान्य हैं। पाकिस्तान के साथ आप सभी जानते हैं कि वर्तमान संबंधों की स्थिति क्या है। लेकिन, उन दोनों को छोड़कर पड़ोस के साथ हमारे संबंध पहले की तुलना में लंबे समय तक बहुत बेहतर रहे हैं।

पाकिस्तान का हिस्सा...

करता है। इलाके के लोग दशकों से उत्पीड़न, अनदेखी और मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। हमें लूटा जा रहा है और जबरन विस्थापित किया जा रहा है। चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 257 का उल्लेख करते हुए कहा कि पीओके (गुलाम कश्मीर) पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है। संयुक्त राष्ट्र के संकल्प के आलोक में इस भूभाग को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच समझौता हुआ था। इसके तहत 26 मामलों में निर्णय के अधिकार पीओके के लोगों को दिए गए थे। लेकिन लोग अभी तक इन अधिकारों से वंचित हैं।

दो लोगों की हत्या...

से उठाया गया और बाद में हत्याओं में उनकी कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए, केएसयू के नेतृत्व में एक बड़ी भीड़ ने बुधवार को स्थानीय पुलिस स्टेशन के सामने प्रदर्शन किया और मांग की कि उसके कैडर को *आतंकवादियों की तरह शिकार* नहीं किया जाए। घटनाओं को देखते हुए, पुलिस उप महानिरीक्षक डीएनआर मराक ने पूर्वी रेंज के सात जिलों के एसपी को अलर्ट जारी किया, जिसमें राज्य की राजधानी शिलांग भी शामिल है। मराक ने आदेश में कहा, इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि एनजीओ अधिक आंदोलनों का सहारा ले सकते हैं और पुलिस स्टेशनों/पुलिस वाहनों, सरकारी संपत्तियों/इमारतों और वाहनों को निशाना बना सकते हैं और गैर-आदिवासियों को भी निशाना बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावशाली केएसयू 4 अप्रैल को *खासी जागृति दिवस* के रूप में मना रहा है, लेकिन पूर्वी जैंतिया हिल्स जिले के खलीहरियाट में इसके लिए अनुमति देने से इनकार कर दिया गया है। एसपी से सीआरपीसी की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा जारी करने के लिए उपायुक्तों को सलाह देने जैसे एहतियाती कदम उठाने के लिए कहते हुए, मराक ने कहा कि गैर सरकारी संगठन गुरुवार को किसी भी जिला मुख्यालय में अचानक आंदोलन का सहारा ले सकते हैं। उन्होंने कहा, इसलिए आपको आपराधिक तत्वों को दिन का फायदा उठाने और हाल की घटनाओं से रोकने के लिए सभी आवश्यक सावधानी बरतने का निर्देश दिया जाता है, जिससे वे आपके अधिकार क्षेत्र के तहत सरकारी प्रतिष्ठानों और गैर-आदिवासियों को निशाना बनाने का प्रयास कर सकते हैं।

चुनावों को गंभीरता ...

संवाद किया और अब तक हुई तैयारियों से जुड़े सवाल पूछे। भाजपा अध्यक्ष नड्डा मध्य प्रदेश के अपने दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन बुधवार को पहले उज्जैन पहुंचे और अपने परिवार के साथ भगवान महाकाल का पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद शाम को वे इंदौर पहुंचे, जहां पार्टी पदाधिकारियों की बैठक ली। दो घंटे देरी से शुरू हुई इंदौर क्लस्टर की बैठक में नड्डा ने धार, झाबुआ, इंदौर, खरगोन और खंडवा के भाजपा उम्मीदवार, चुनाव प्रभारी, मंत्रियों से कहा कि मैं भाषण देना नहीं चाहता। आप से संवाद करना है। इसके बाद उन्होंने प्रभारियों से पूछा कि लोकसभा चुनाव के लिए कितनी बैठकें हो चुकी है और क्या कार्ययोजना तैयार की गई है। उन्होंने यह भी पूछा कि लोकसभा क्षेत्रों में कितने चुनाव कार्यालय खुल चुके हैं और विधानसभा स्तर पर कितनी बैठकें हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में जिन बूथों पर हम कमजोर रहे हैं, उसका चिंतन होना चाहिए और कमियों को दूर करें। प्रत्याशियों से उन्होंने कहा कि बूथ को मजबूत करने पर फोकस रखें। हमारा बूथ मजबूत होगा, तभी 400 सीटों का लक्ष्य हासिल कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक भी सीट हमें नहीं गंवाना है। पूरी 29 सीटों पर इस बार जीत हासिल होना चाहिए। भाजपा अध्यक्ष ने बैठक में कहा कि इस बार के चुनाव में प्रतिद्वंदी दल नजर नहीं आ रहा है। जनता भी कह रही है कि मोदी लहर है लेकिन कार्यकर्ता अति-आत्मविश्वास में न रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 घंटे काम करते हैं। सवा माह तक हम अपने बूथों पर 15-16 घंटे काम कर लेंगे तो वोट बढ़ाने के लिए तय लक्ष्य को हम पा लेंगे। कलस्टर के बाद नड्डा ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव, संगठन मंत्री हितानंद शर्मा, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। बाद में अलग से मुरैना के पदाधिकारियों को भी बैठक में बुलाया गया और उनसे चर्चा की। बैठक समाप्त होने के बाद नड्डा मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ एयरपोर्ट पहुंचे और वहां से वे दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

सोनिया गांधी, अश्विनी ...

माकन और सैयद नासिर हुसैन, उत्तर प्रदेश से भाजपा नेता आरपीएन सिंह और पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समिक भट्टाचार्य उन 14 नेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। जनता दल (यूनाइटेड) के टिकट पर बिहार से निर्वाचित संजय कुमार झा, ओडिशा की सत्तारूढ़ बीजू जनता दल से सुभाशीष खूंटिया और देबाशीष सामंत्रे जबकि राजस्थान से भाजपा के टिकट पर निर्वाचित मदन राठौड़ ने भी उच्च सदन की सदस्यता की शपथ ली। आंध्र प्रदेश से वाईएसआरसीपी नेता गोला बाबू राव, मेधा रघुनाथ रेड्डी और येरम वेंकट सुब्बा रेड्डी ने भी राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। सभी ने बाद में राज्यसभा सभापति के साथ सामूहिक फोटो खिंचवाई। राज्यसभा सचिवालय ने बताया कि ओडिशा और राजस्थान से शपथ लेने वाले सदस्यों का कार्यकाल गुरुवार से आरंभ हुआ जबकि आज शपथ लेने वाले सदस्यों का कार्यकाल बुधवार से आरंभ माना जाएगा। सोनिया गांधी पहली बार राज्यसभा की सदस्य बनी हैं। उन्होंने सदन के नेता पीयूष गोयल और कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे की मौजूदगी में शपथ ली। शपथ ग्रहण के दौरान उनकी बेटी प्रियंका गांधी वाद्रा भी मौजूद थीं। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और महासचिव पी सी मोदी भी इस मौके पर मौजूद थे।

सांप पर भरोसा किया ...

आप भाजपा पर कभी भरोसा नहीं कर सकते... भाजपा देश को बर्बाद कर रही है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी टीएमसी केंद्रीय एजेंसियों की धमकी के आगे नहीं झुकेगी। बनर्जी ने कूबिहार में महिलाओं से आग्रह किया कि अगर 19 अप्रैल को होने वाले चुनावों से पहले बीएसएफ द्वारा स्थानीय लोगों पर अत्याचार करने की घटनाएं होती हैं तो वे पुलिस में शिकायत दर्ज कराएं। टीएमसी प्रमुख ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसियां एनआईए, आयकर विभाग, बीएसएफ और सीआईएसएफ भाजपा के लिए काम कर रही हैं। हम विनम्रतापूर्वक निर्वाचन आयोग से सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने का अनुरोध करेंगे। बनर्जी ने कहा कि भाजपा केवल एक राष्ट्र, एक पार्टी के सिद्धांत का पालन करती है। उन्होंने निसिथ प्रमाणिक के संदर्भ में कहा कि यह शर्म की बात है कि जिस व्यक्ति के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं, उसे गृह राज्य मंत्री बनाया गया।

वेज थाली ने बढ़ाई ...

में बढ़कर 27.3 रुपए प्रति प्लेट हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 25.5 रुपए थी। हालांकि, फरवरी के 27.4 रुपए की तुलना में मार्च में शाकाहारी थाली की कीमत घटी है। रिपोर्ट कहती है कि आवक कम होने और कम आधार दर के कारण प्याज का दाम सालाना आधार पर 40 फीसदी, टमाटर का दाम 36 फीसदी और आलू का दाम 22 फीसदी बढ़ने से शाकाहारी थाली महंगी हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, कम आवक के कारण एक साल पहले की तुलना में चावल का दाम भी 14 फीसदी और दालों की कीमतें 22 फीसदी बढ़ गई हैं। वहीं मांसाहारी थाली की कीमत एक साल पहले की समान अवधि में 59.2 रुपए थी जो पिछले महीने घटकर 54.9 रुपए रह गई। लेकिन फरवरी के 54 रुपए प्रति थाली की तुलना में इसकी कीमत अब भी अधिक है। दरअसल ब्रॉयलर मुर्गे की कीमतों में 16 प्रतिशत की गिरावट आने से सालाना आधार पर मांसाहारी थाली की लागत घटी। मांसाहारी थाली में ब्रॉयलर का भारांक 50 प्रतिशत होता है। हालांकि, फरवरी की तुलना में मार्च में रमजान के पवित्र महीने की शुरुआत होने और अधिक मांग आने से ब्रॉयलर की कीमतें पांच प्रतिशत बढ़ गई। इस रिपोर्ट के आने के बाद आरबीआई की परेशानी में इजाफा होता दिखाई दे रहा है। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि बीते एक साल में प्याज आलू और टमाटर की कीमतों में इजाफा देखने को मिला है। जबकि बीते एक साल में आरबीआई ने रेपो दरों में कोई बदलाव नहीं किया। जिसकी वजह से आम लोगों की ईएमआई कम नहीं होंगी। मुमकिन है कि आरबीआई ब्याज दरों में कोई बदलाव ना करे। लेकिन आम लोगों के लिए सबसे बड़ी परेशानी ये है कि ईएमआई पहले से ही अपने पीक पर है।

जहाज में लगी ...

समय में आग लगते हुए देखी और तभी लोगों ने चिल्लाना शुरू कर दिया और अलार्म बजा दिया। उन्होंने द एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि हम बमुश्किल से ही जीवनरक्षक जैकेट प्राप्त कर सके। अफरा-तफरी मच गयी। लोग चिल्ला रहे थे, मेरे भी आंसू आ गए। सूरत थानी अधिकारियों ने फेसबुक पर बताया कि जहाज पर सवार 108 लोगों में से 97 यात्री थे। प्रांत के जन संपर्क विभाग ने बताया कि सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। वीडियो में दिख रहा है कि लोग लाइफ जैकेट पहनकर जहाज के केबिन से तेजी से बाहर निकल रहे हैं। जहाज पर काला धुआं फैलते हुए देखा जा सकता है। बाद में जहाज से आग की लपटों को निकलते हुए देखा जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया। आग जहाज के इंजन में लगी थी। इसके कारण की जांच की जा रही है।

अदालत ने गिरफ्तार ...

न्यायाधीश रक्तिम दुआरा के समक्ष पेश किया गया। फारूकी को 24 मार्च को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया था। अभियोजन पक्ष ने बुधवार को फारूकी की हिरासत को पांच दिन और बढ़ाने का अनुरोध किया, जिसे आरोपी के खिलाफ यूएपीए के तहत दो और धाराएं जोड़ने के अनुरोध के साथ मंजूर कर लिया गया। ये दो नयी धाराएं एक गैरकानूनी संघ का सदस्य होने और एक आतंकवादी संगठन को समर्थन देने के अपराध से संबंधित हैं। आरोपी को 23 मार्च को कामरूप जिले के हाजो में हिरासत में लिया गया और अगले दिन गिरफ्तार कर लिया गया। असम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के महानिरीक्षक पार्थसारथी महंत ने बताया था कि फारूकी से पूछताछ के बाद पुलिस को आईएसआईएस के साथ उसके संबंधों के पुख्ता सबूत मिले और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

बीएसएफ और तस्करो...

काबिल मिया के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि घायल को अगरतला के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिपाहीहाला के पुलिस अधीक्षक बीजे रेड्डी ने बताया कि रात नौ से साढ़े नौ बजे के बीच एनसी नगर सीमा चौकी के आसपास बीएसएफ की एक गश्ती टीम ने तस्करों की संदिग्ध गतिविधियों को देखा। इसके बाद, बीएसएफ के जवानों ने तस्करों का पीछा किया, जिसके बाद दोनों के बीच पहले तो हाथापाई हुई। उन्होंने बताया कि सिपाहियों ने आत्मरक्षा में तस्करों पर गोलियां चलाईं, जिससे दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने आगे बताया कि घायल काबिल मिया अब खतरे से बाहर है।

रंगिया : मतदाता जागरूकता के लिए साइकिल रैली का आयोजन

रंगिया (विभास)। रंगिया निर्वाचन जिले का शुभंकर अनावरण समारोह 5 अप्रैल, 2024, बृहस्पतिवार को प्रात: 7 बजे आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर रंगिया निर्वाचन जिले की ओर से मतदाता जागरूकता के लिए एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया है। रैली को रंगिया के ऐतिहासिक हरदत्त, बीरदत्त भवन प्रांगण से विधिवत फ्लैग ऑफ कर रवाना किया जाएगा और यह निर्धारित मार्गो से होती हुई पुन: हरदत्त -बीरदत्त भवन प्रांगण पहुंचेगी। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला आयुक्त तथा रंगिया के महकमाधिपति (सिविल) व जिला निर्वाचन अधिकारी देवाशीष गोस्वामी तथा अन्य सरकारी अधिकारी उपस्थित रहेंगे। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए 18 वर्ष के युवाओं या उससे अधिक आयु के लोगों की भागीदारी की कामना की गई है।

कांग्रेस अभी पुराने नोट की तरह : मुख्यमंत्री

नगांव (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी अभी पुराने नोट की तरह हो गई है, जिसका बाजार में कोई काम नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि देश को आगे ले जाना है तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनना होगा। मुख्यमंत्री आज नगांव में एनडीए तथा भाजपा के प्रत्याशी सुरेश बोरा के नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले वहां एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि फिलहाल सुरेश बोरा ही नरेंद्र मोदी के रूप में आपके सामने आए हैं। सुरेश बोरा को वोट देने से ही नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ राहुल गांधी की कोई तुलना नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

के नेतृत्व में भारत विश्वगुरू बनने की राह पर चल पड़ा है। वहीं, आर्थिक क्षेत्र में भारत को दुनिया में सबसे आगे ले जाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्य कर रहे हैं। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा विकास तथा जनकल्याण से संबंधित किए गए कई कार्यो की चर्चा की। इस दौरान उन्होंने बसुंधरा योजना के तहत लोगों को भूमि का पट्टा देने तथा अरुणोदय जैसी योजनाओं की भी चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ मंच पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता, भाजपा उम्मीदवार सुरेश बोरा, मंत्री जयंत मल्लबरुवा, पीयूष हजारिका समेत कई गण्यमान्य व्यक्ति मौजूद थे। कार्यक्रम स्थल से सभी नेताओं के साथ मुख्यमंत्री नगांव के जिला आयुक्त कार्यालय में पहुंचकर सुरेश बोरा के साथ नामांकन पत्र दाखिल करने में शामिल हुए। ज्ञात हो कि राज्य में 26 अप्रैल को होने वाले दूसरे चरण के मतदान के लिए आज नगांव में भाजपा उम्मीदवार सुरेश बोरा तथा कांग्रेस प्रत्याशी प्रद्युत बरदलै ने अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए।

बरपेटा लोकसभा सीट के लिए बीपीएफ ने शमशुद्दीन को बनाया उम्मीदवार

कोकराझाड़ (हिंस/विभास)। बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने बरपेटा लोकसभा सीट के लिए आज उम्मीदवार की घोषणा की। पार्टी प्रमुख हाग्रामा मोहालरी ने कोकराझाड़ में पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बरपेटा लोकसभा सीट के लिए पार्टी के उम्मीदवार के नाम की घोषणा की। कोकराझाड़ से खम्फा बरगियारी, दरंग-उदालगुड़ी से दुर्गा दास बोड़ो, शोणितपुर से राजू देवरी को उम्मीदवार घोषित करने के बाद आज बीपीएफ ने बरपेटा निर्वाचन क्षेत्र से शमशुद्दीन को उम्मीदवार घोषित किया गया। हग्रामा ने कहा कि गुवाहाटी लोकसभा सीट के उम्मीदवार के नाम की घोषणा भी जल्द की जाएगी। हग्रामा ने हाल के लोकसभा चुनावों में कुल

पांच निर्वाचन क्षेत्रों में अपने दम पर उम्मीदवार उतारने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि दरंग-उदालगुड़ी और कोकराझाड़ निर्वाचन क्षेत्रों में बीपीएफ की जीत की पुष्टि हो चुकी है। बरपेटा निर्वाचन क्षेत्र भी बुरा नहीं है। इसी बीच टिकट मिलने के बाद प्रत्याशी शमशुद्दीन ने हग्राम का शुक्रिया अदा किया। एक सवाल के जवाब में हग्रामा ने कहा कि चुनावों में हेलीकॉप्टरों के इस्तेमाल के लिए जिस हेलीकॉप्टर पॉयलट से बीपीएफ ने बात की थी, वह अब बदल गया है। हग्रामा ने बीपीएफ की केंद्रीय चुनाव प्रबंधन समिति के कार्यालय का उद्घाटन करते हुए बरपेटा निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार के नाम की घोषणा की।

नगांव लोकसभा सीट के लिए दिग्गज नेतओं ने दाखिल किए पर्चे

नगांव (निसं)। दूसरे चरण के लिए 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए 9 नंबर नगांव संसदीय सीट के लिए आज दो दिग्गज उम्मीदवारो ने अपने अपने पर्चे रिटर्निगं अधिकारी नरेंद्र कुमार साह के पास जमा किए। भारतीय जनता पार्टी के 9 नंबर नगांव संसदीय सीट के उम्मीदवार सुरेश बोरा के साथ राज्य के मुख्य मंत्री हिमंत विश्व शर्मा, नगांव सदर विधायक रुपक शर्मा की मौजुदगी में नामांकन पत्र दाखिल किया जबकी कांग्रेस के उम्मीदवार व वर्तमान संसद प्रद्युत बरदोलई ने अपने गद्दावर नेता रकिबुल हुसैन, प्रदीप कुमार अग्रवाल व अन्य की

उपस्थिती में अपना नामांकन पत्र दाखिल किए। इससे पहले दोनो प्रत्याशियो ने अपना दम खम दिखाते हुए शहर में एक रैली के माध्यम से पर्चे दाखिल करने रिटर्निग अधिकारी के कार्यालय पहुंचे। भाजपा की एक रैली शहर के दर्शन फिल्ड में नामांकन पत्र दाखिल से पूर्व हुई जिसमे मुख्य मंत्री हिमंत विश्व शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री केशव मंहत, मंत्री पियूष हजारिका, विधायक रूपक शर्मा व अन्य नेता गण मौजूद थे। रैली में काफी संख्या में समर्थक मौजूद थे। मुख्य मंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भाजपा के पक्ष में मतदान करने का आह्वान करते हुए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किये गये जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख किया और सारगर्भित भाषण प्रदान किया। इधर कांग्रेस के उम्मीदवार के साथ भी काफी संख्या में समर्थक मौजूद थे। राजीव भवन से रैली कर नामांकन पत्र दाखिल करने पहुंचे कांग्रेस उम्मीदवार ने अपनी जीत सुनिश्चित बताई। उनके साथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा, विरोधी दलपति देवव्रत सैकिया, रकिबुल हुसैन, पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन सिंह घटवार के अलावा राइजोर दल के नेता व विधायक अखिल गोगोई सहित अन्य नेतागण भी मौजूद थे। रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में जाते वक्त कुछ नेताओ के साथ प्रवेश पाने हेतू कहा सुनी हो गई। जिससे माहौल कुछ गर्मा गया। शेष में सब सामान्य हो गया और कांग्रेस उम्मीदवार ने नामांकन पत्र दाखिल कर दिया ।उल्लेखनीय है कि 9 नंबर नगांव संसदीय सीट पर कुल सात पर्चे दाखिल हुए है ।

अल्पसंख्यकों के दुश्मन है रकिबुल : जावेद इस्लाम

नगरबेड़ा (विभास)। जैसे-जैसे चुनाव का दिन करीब आ रहा है, हर राजनीतिक दल के नेता और कार्यकर्ता अपनी-अपनी पार्टियों का जनाधार मजबूत करने में लगे हुए हैं। धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र में एजीपी, भाजपा और यूपीपीएल के गठबंधन उम्मीदवार जावेद इस्लाम भी पीछे नहीं हैं। एजीपी कार्यकर्ता शमसुल हक सिकदार की अध्यक्षता में पुथिमारी खोलाबंधा जनप्रिय बाजार परिसर और बाघमारा चर बाजार परिसर में शुकुर अली की अध्यक्षता में आयोजित सभा में उमीदवार जावेद इस्लाम ने कहा कि कांग्रेस के शासन के दौरान कोकराझाड़ में अल्पसंख्यकों की हत्या की गई। उस वक्त कैबिनेट में मंत्री रहते हुए भी रकीबुल हुसैन ने कोई जवाब नहीं दिया था। आज रकीबुल हुसैन विभिन्न बैठक समितियों के माध्यम से अब्दुल खालिक पर शोर मचा रहे हैं और धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस का टिकट हासिल कर रहे हैं और चिल्ला रहे हैं कि वह अल्पसंख्यक उम्मीदवार हैं। जावेद इस्लाम ने कहा कि रकीबुल हुसैन अल्पसंख्यक

लोगों का दुश्मन है। मैं धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र का स्थानीय व्यक्ति हूं। रकीबुल हुसैन और बदरुद्दीन अजमल चलानी। इसलिए मेरे जन्म स्थान पर, मुझे डेढ़ लाख से अधिक वोट मिलेंगे। जावेद इस्लाम, बदरुद्दीन अजमल बूढ़े हो चुके हैं, उनके पास अब कोई काम नहीं है। बदरुद्दीन अजमल इस बार सांसद बन सकते हैं और कभी भी धुबड़ी नहीं आएंगे। मैं हमेशा आपके साथ रहूंगा और धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र के विकास के बारे में सोचूंगा।

काजीरंगा लोकसभा सीट पर कांग्रेस ने भी शुरू किया प्रचार अभियान

काजीरंगा (हिंस)। काजीरंगा लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत कलियाबोर में कांग्रेस उम्मीदवार रोजलिना तिर्की ने आज चुनाव प्रचार शुरू किया। रोजलिना तिर्की ने कलियाबोर निर्वाचन क्षेत्र के मिसा में एक चुनाव कार्यालय का शुभारंभ करने के साथ ही मिसामुख, हलवागांव, शिलघाट, केलिडेन टी एस्टेट, शालना आदि क्षेत्रों में भी रोजलिना ने चुनाव प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम भाजपा की तरह विज्ञापनों का प्रचार नहीं करते, हम आम जनता के बीच आए हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी तरफ भाजपा के नेता कांग्रेस की आलोचना कर केवल प्रचार कर रहे हैं, लेकिन अपने शासन के दौरान उन्होंने क्या किए, अपने विकास के बारे में लोगों को जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। ज्ञात हो कि परिसीमन के बाद काजीरंगा लोकसभा चुनाव क्षेत्र का सीमाई इलाका बदल गया है। इस बार यहां से भाजपा के राज्यसभा सांसद कामाख्या प्रसाद तासा चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि इसी क्षेत्र से पिछली बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतने वाले गौरव गोगोई इस बार जोरहाट लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। इस सीट पर मुख्य रूप से मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही माना जा रहा है। कांग्रेस भी काजीरंगा लोस सीट पर चुनाव प्रचार में पूरा जोर लगा रही हैं, वहीं राज्य की सत्ताधारी पार्टी भाजपा लगभग एक महीने से अपना चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। भाजपा के सभी बड़े नेता प्रचार में पूरा जोर लगा रहे हैं।

बालिसत्र आंचलिक सांस्कृतिक सुरक्षा मंच का बिहू ढोल कार्यशाला आयोजित

रंगिया (विभास)। असम में बिहू कब शुरू हुआ, यह ठीक तरह से कहना संभव नहीं है। इसलिए बिहू को बापोति साहोन कहा जाता है। सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका बिहू को असम की जीवन रेखा कहा है- यह बात असम साहित्य सभा के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ सूर्यकांत हजारिका कही। मंगलवार को वह आज शाम पश्चिम बोरीगोग मौजा के बालिसत्र में, बालिसत्रा क्षेत्रीय संस्कृति सुरक्षा मंच के सौजन्य से गोपीनाथ बरदलै संघ मैदान में आयोजित चौथे वार्षिक जमुनाबाला डेका मेमोरियल बिहू नृत्य और बिहू ढोल कार्यशाला के उद्घाटन

पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि असम की बिहू संस्कृति ने दुनिया के विभिन्न देशों में अपना स्थान बनाया है। बिहू नाम असमिया साहित्य में संलिष्ट है। बिहू से कई युवा पीढ़ी को सीखना बाकी हैं। बिहू संस्कृति के जरिए असमिया संस्कृति को विश्व पटल में एक स्थान मिला है। उन्होंने कहा कि यह हमारी जाती के लिए एक अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा कि सभी स्तरों पर लोगों को असमिया संस्कृति के बारे में जानने की जरूरत है। बिहू के व्याकरणिक पहलुओं को भी समझने की जरूरत है। मंगलवार से आगामी सात अप्रैल तक चलने वाली बिहूनृत्य कार्यशाला का उद्घाटन करने के पहले बिहू कार्यशाला के द्वार का उन्मोचन किया नॉर्थ ईस्ट कैंसर इंस्टीट्यूट के संचालक गणेश तामुली ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में तामुली ने कहा कि बिहू असमिया लोगों के जीवन का अभिन्न अंग है। अंग्रेजों ने एक बार इस बिहू को रोकने की कोशिश की थी लेकिन वे सफल नहीं हो सके। कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता पिंकेश्वर कलिता ने किया। कार्यशाला का उद्घाटन कार्यक्रम में बालिसात्रा संस्कृति सुरक्षा मंच के सचिव सुशील चंद्र डेका ने उद्देश्य की व्याख्या की। करीब डेढ़ सौ प्रशिक्षार्थियों की उपस्थिति वाली इस बिहू कार्यशाला में असम साहित्य सभा के सदस्यों और कामरूप जिला साहित्य सभा के कई सदस्य उपस्थित थे। कार्यशाला से पहले साहित्य एवं संस्कृति से जुड़ी दिवंगत हस्तियों को श्रद्धांजलि दी गई।

बीओआई का *फेस्टिव एडिशन* प्रदर्शनी शुरू

गुवाहाटी। खानापाड़ा स्थित होटल विवांता में वृहस्पतिवार से बुटीक्स ऑफ इंडिया (बीओआई) के तत्वावधान में 37वां *फेस्टिव एडिशन* नामक एग्जिबिशन का शुभारंभ हुआ। इस प्रदर्शनी सह बिक्री का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में फिक्की नॉर्थईस्ट चैप्टर की चेयरपर्सन श्वेता जिंदल व विशिष्ट अतिथि के रूप में लीडरशिप ट्रेनर तिनत अतीफा मसूद ने श्रीमती मीरा देवी अग्रवाल, बीओआई के संस्थापक तथा सीईओ संजय अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में किया गया। इस मौके पर श्री अग्रवाल ने कहा कि आगामी गणगौर तीज, रंगली बिहू व ईद के मद्देनजर एक्सक्लूसिव कलेक्शन उपलब्ध हैं। इन त्योहारों के के लिए आयोजित इस फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जिबिशंस में युवती एवं महिलाओं को लेटेस्ट ट्रेंड के फैशनेबल कपड़ों से लेकर आभूषण व एसोसरिज एक छत तले उपलब्ध हैं। बुटीक्स ऑफ इंडिया के इस फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जिबिशन में देश के विभिन्न हिस्सों से 50 से अधिक स्टाल लगाए गए हैं। देश की कई नामी गिरामी डिजाइनरों द्वारा तैयार किए गए परिधान, आभूषण सहित घरेलू साज- सज्जा की वस्तुएं उपलब्ध हैं। देश भर के प्रीमियम ब्रांडों के साथ फैशन में स्थानीय स्वाद को ध्यान में रखते हुए इस बार एग्जिबिशंस में फेस्टिव कलेक्शन के साथ पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि बीओआई की इस दो दिवसीय प्रदर्शनी सह बिक्री में युवतियों एवं महिलाओं के लिए लेटेस्ट ट्रेंड के कलेक्शन की भरमार हैं। उनका मानना है कि बीओआई न केवल खरीदारी करने की जगह है, बल्कि कई छोटे नवोदित उद्यमियों के लिए एक व्यापार मंच भी है, जो जीवन में कुछ बड़ा करने का सपना देखते हैं। उल्लेखनीय है की लेडीज सर्कल इंडिया 158 गुवाहाटी के सहयोग से बीओआई समय-समय पर विभिन्न सामाजिक कार्यों में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते आ रहा है। दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रवेश पूरी तरह से नि:शुल्क है तथा इसका समापन शुक्रवार को होगा।

रंगिया में प्रेसाइडिंग अधिकारियों और पोलिंगकर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

रंगिया (विभास)। आगामी लोकसभा चुनाव, 2024 के पूर्व मौके पर आम चुनाव को सुचारू रूप से संचालन को सुनिश्चित करने के लिए रंगिया निर्वाचन जिले ने कमर कस ली है। जिला निर्वाचन क्षेत्र में बृहस्पतिवार को सुबह 10.30 बजे से रंगिया स्थित बालिका उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय और रंगिया उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय में प्रेसाइडिंग अधिकारियों और प्रथम पोलिंग कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया। इस मौके पर बहुत से प्रशासनिक अधिकारियों सहित जिला क्षेत्र के आगामी निर्वाचन से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

असमिया फिल्म लव डॉट कॉम का महुरत संपन्न

गुवाहाटी। एंजेल फिल्म्स और हाइव स्टूडियो द्वारा निर्मित नई असमिया फिल्म लव डॉट कॉम का महुरत गुरुवार को गुवाहाटी प्रेस क्लब में आयोजित किया गया। असमिया और हिंदी में निर्मित द्विभाषी ये फिल्म का निर्देशन लोकप्रिय निर्देशक लॉर्ड दास हैं। एस. चौधरी और डॉ. इंदर सिंह द्वारा निर्मित इस फिल्म का सह-निर्माता आत्मा चौधरी, डॉ. प्रवीण यादव और सुजीत पाठक हैं। फिल्म की संगीत मुंबई स्थित रटना और प्रसिद्ध बांसुरी वादक दीपक शर्मा ने की है। संगत संगीत दीपक शर्मा का है। फिल्म का छायाकार मुंबई के सरबाब सैयद और अभि दास ने किया है। सजावट लविका कलिता। फिल्म में मुंबई और दिल्ली के कई अभिनेता और अभिनेत्रियां अभिनय करेंगे। लर्ड दास की मेजबानी ने कीया गया इस

कार्यक्रम में बांसुरी वादक दीपक शर्मा, गुवाहाटी जिला जेल अधीक्षक (संयुक्त रूप से) परिणीता बोरा, डॉ. चंदन मुदक, अवनी रंजन पाठक, डॉ. निखिलेश बरुवा, पत्रकार मोंटू शैकिया, उत्पल मेना, डॉ. बिनीता देवी के साथ कई अन्य लोग भी शामिल हुए। दिल्ली, मुंबई और असम के भिन लोकेशन में शूटिंग होनेवाली इस फिल्म में अभिनय करेंगे मुंबई के ताहिर कमाल खान, ब्रजेश दास, कल्याणजी, दिल्ली के राहुल कमांडू, विगवांस ख्यात लकी कैम्बोज असम के हिमज्योति मेधी, भार्गव कटकी, डॉ. निखिलेश बरुवा, अमित चौधुरी, जिमली तालुकदार, संगीता कैरी।

एसएसबी की 24वीं बटालियन ने रंगिया में जब्त की अवैध लकड़ियां

रंगिया (विभास)। सशस्त्र सीमा बल की 24वीं वाहिनी, रंगिया के अंतर्गत सीमा चौकी राजागढ़ व सीमा चौकी गुआबाड़ी द्वारा बृहस्पतिवार को प्राप्त सुचना के आधार पर वन विभाग, तामुलपुर के साथ मिलकर भारत-भूटान सीमा पर एक संयुक्त अभियान चलाया गया, जिसमें गांव- सोवागपुर, थाना- गोरेश्वर जिला- तामुलपुर (असम), सीमा स्तंभ संख्या 251/2 से लगभग 14 कि.मी. भारतीय सीमा में एक अवैध आरा मशीन, जनरेटर सेट व लकड़ी जब्त किया। वहीं कागजी कार्रवाई के उपरांत उपरोक्त जब्त समान को वन विभाग तामुलपुर (असम) को सुपुर्द कर दिए जाने की जानकारी दी गई है। बताया गया है कि 24वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भारत-भूटान सीमा की सुरक्षा के लिए निरंतर इस प्रकार के अभियान चला रही है। 24वीं वाहिनी एसएसबी रंगिया द्वारा स्थानीय नागरिकों के सहयोग से उनके साथ निरंतर बैठक कर उन्हें किसी भी प्रकार की अपराधिक गतिविधि या अवैध तस्करी के देखे जाने पर इसकी सूचना नजदीकी एसएसबी सीमा चौकी या वाहिनी मुख्यालय को सूचित करने हेतु अपील की गई है।

योग और प्राकृतिक चिकित्सा के वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर राज्यस्तरीय कार्यशाला आयोजित

गुवाहाटी। श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त भारतीय योग संस्कृति और योग चिकित्सा केंद्र ने राज्य सरकार के खेल और युवा कल्याण विभाग के सहयोग से मालीगांव स्थित पूर्वांचल योगतीर्थ केंद्र में योग और प्राकृतिक चिकित्सा के वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर तीन दिवसीय राज्य स्तर पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खेल और युवा कल्याण विभाग के निदेशक, असम सिविल सेवा अधिकारी प्रदीप तिमुंग ने उपस्थित थे। भारतीय योग संस्कृति और योग चिकित्सा केंद्र के संस्थापक अध्यक्ष योगाचार्य

शुभाशीष कर की ओर से संचालित कार्याक्रम में श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्यालय के योग विज्ञान और प्राकृतिक चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. उज्ज्वल अरुण मास्के, पांडू महाविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. शांतनु रॉय चौधर भी उपस्थित थे। कार्यशाला में राज्य के विभिन्न हिस्सों से 120 योग शिक्षकों ने भाग लिया। पूर्वांचल योग महाविद्यालय के योगी प्रफुल्ल बर्मन, श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. धनीरुंग रियांग, योगी दिब्यज्योति डेका, अनिल हजारिका और अंकिता बरठाकुर और बेंगलुरु के स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान की डॉ. अरुंधति कर ने योग व्यायाम और प्राकृतिक चिकित्सा पर अपनी वैज्ञानिक और व्यावहारिक चर्चा की कार्यशाला में योग को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट भूमिका निभाने वाली 20 महिलाओं को *महिला सशक्तिकरण पुरस्कार* भी प्रदान किए गए।

युवक की मौत के बाद थाना घेराव कर लोगों ने किया विरोध-प्रदर्शन

नगांव (हिंस)। मवेशी चोरों द्वारा पिटाई की जाने के बाद युवक की मौत को लेकर स्थानीय लोगों ने नगांव जिले के रुपहीहाट थाने का घेराव कर बुधवार रात को जमकर विरोध प्रदर्शन किया। मिली जानकारी के अनुसार बीते शनिवार को गोरोकी गांव के रुहुल अमीन को मवेशी चोरों द्वारा बुरी तरह पीटे जाने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पांच दिन बाद रूहुल की मौत के बाद स्थानीय लोगों ने रुपहीहाट थाने का बीती रात घेराव कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि घटना के दिन ही एक मवेशी चोर को स्थानीय लोगों द्वारा पड़कर पुलिस को सौंपा गया था। लेकिन पुलिस ने मवेशी चोर को छोड़ दिया। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि घटना में शामिल मक्सीदुल इस्लाम और उसके साथियों को जल्द से जल्द पकड़ कर कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। घटना में शामिल सभी लोगों को जल्द से जल्द पकड़ कर कड़ी से कड़ी सजा दिए जाने का आश्वासन पुलिस द्वारा दिए जाने के बाद स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन समाप्त किया।

संपादकीय

सांसद को जमानत

दिल्ली के शराब घोटाले में आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को जमानत मिलना उनकी बेगुनाही का प्रमाण-पत्र नहीं है। जमानत का वैधानिक, तकनीकी आधार भी है और न्यायाधीशों के विवेक का विशेषाधिकार भी है। संजय सिंह अब भी आरोपित हैं। मुकदमा जारी रहेगा और देश को अंतिम निष्कर्ष की प्रतीक्षा रहेगी, लेकिन धनशोधन निरोधक अधिनियम में 181 दिन के बाद ही जमानत मिलना आश्चर्य भी है। आश्चर्य यह नहीं है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जमानत का विरोध क्यों नहीं किया? बल्कि जमानत के लिए अपनी सहमति भी क्यों दी? जिन्होंने अदालत की कार्यवाही नहीं देखी अथवा कानून की परिधियों से वाकिफ नहीं हैं, वे ऊल-जलूल टिप्पणियां कर रहे हैं और ईडी की पराजय आंक रहे हैं। दरअसल सर्वोच्च अदालत के तीन न्यायाधीशों की खंडपीठ ने ईडी की मर्यादा और गरिमा का ख्याल रखा और आरोपित संजय सिंह के मानवाधिकारों का भी सम्मान किया। 'आप' सांसद बीती 4 अक्तूबर से ईडी की हिरासत और बाद में तिहाड़ जेल में बंद थे। उन पर कई आरोप हैं, लिहाजा उनकी जमानत याचिकाएं खारिज भी की गईं, लेकिन इस पूरे अंतराल में रिश्वत का कोई पैसा बरामद नहीं हुआ। कुछ जब्ती बगैरह भी नहीं की गई। मनी ट्रेल भी साबित नहीं की जा सकी, लिहाजा इस बार संजय सिंह ने याचिका दाखिल की, तो कमोबेश जस्टिस संजीव खन्ना ने कुछ सवाल किए। पीठ में जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस पीबी वराले भी शामिल थे। बहरहाल सवाल किया गया कि यदि कोई रिश्वत लेता है, तो क्या पीएमएलए में आपराधिक कार्यवाही शुरू करने से पहले रिश्वत की राशि कुर्क होनी चाहिए? न्यायिक पीठ की निर्णायक टिप्पणी यह थी कि याचिकाकर्ता लगभग 6 महीने से जेल में है। तथ्य यह है कि दिनेश अरोड़ा के पहले 9 बयानों में कुछ नहीं है। क्या अब भी संजय सिंह की हिरासत की जरूरत है? यदि केस की मेरिट पर जाएं, तो यदि हमें लगता है कि निर्देशों की आवश्यकता है, तो हम जरूर देंगे, लेकिन ध्यान रखें कि हमें कानून की धारा 45 के अनुसार याची के पक्ष में निरीक्षण करना है। इसके निहितार्थ को समझें। यह सुनवाई का ऐसा मोड़ था, जहां पीठ ने ईडी को चेतावनी दी थी। उसके बाद लंच का समय हो गया। दरअसल अदालत ने कहा था कि यदि ईडी जमानत का विरोध करता है, तो वह पीएमएलए के तहत अर्जी पर विचार करेगी। ऐसे में यदि अदालत जमानत देती है, तो शराब नीति का पूरा केस कमजोर हो जाता है। लिहाजा लंच के बाद ईडी के वकील एसवी राजू ने मेरिट पर गए बिना ही कह दिया कि संजय सिंह को जमानत देने में ईडी को कोई आपत्ति नहीं है। न्यायिक पीठ ने भी जमानत दे दी, लेकिन यह भी कहा कि यह आदेश 'मिसाल' के तौर पर नहीं है। चूंकि संजय सिंह राजनीति से जुड़े व्यक्ति हैं, लिहाजा वह अपनी राजनीतिक गतिविधियां जारी रख सकते हैं, लेकिन इस केस से जुड़ा बयान न दें। बहरहाल 'आप' जश्न के मूड में है और इस न्यायिक फैसले को 'सत्य की जीत' करार दे रही है। संजय सिंह उस वक्त जेल से बाहर आए हैं, जब दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन तिहाड़ जेल में कैद हैं। वे सभी 'आप' के संस्थापक और शीर्ष नेताओं में शामिल हैं। अब संजय सिंह जेल से मुक्त हुए हैं, तो कहा जा सकता है कि पार्टी पर एक बड़े नेता का साया और संरक्षण रहेगा। यह महत्वाकांक्षा भी जाग सकती है कि संजय खुद को पार्टी के 'नंबर दो' नेता के तौर पर स्थापित करे। 'आप' में सत्ता-संघर्ष भी छिड़ सकता है। संजय सिंह खुद को लोकसभा चुनाव का 'स्टार प्रचारक' भी घोषित कर सकते हैं। फिलहाल मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दिल्ली उच्च न्यायालय में ईडी को चुनौती दी है और अपनी गिरफ्तारी को गलत करार दिया है। फैसला बुधवार को ही आना था। मनीष सिसोदिया की याचिका पर भी 6 अप्रैल को अदालत में सुनवाई है।

> सांसद संजय सिंह को जमानत मिलना उनकी बेगुनाही का प्रमाण-पत्र नहीं है। जमानत का वैधानिक, तकनीकी आधार भी है और न्यायाधीशों के विवेक का विशेषाधिकार भी है। संजय सिंह अब भी आरोपित हैं। मुकदमा जारी रहेगा और देश को अंतिम निष्कर्ष की प्रतीक्षा रहेगी, लेकिन धनशोधन निरोधक अधिनियम में 181 दिन के बाद ही जमानत मिलना आश्चर्य भी है। आश्चर्य यह नहीं है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जमानत का विरोध क्यों नहीं किया? बल्कि जमानत के लिए अपनी सहमति भी क्यों दी? जिन्होंने अदालत की कार्यवाही नहीं देखी अथवा कानून की परिधियों से वाकिफ नहीं हैं, वे ऊल-जलूल टिप्पणियां कर रहे हैं और ईडी की पराजय आंक रहे हैं। दरअसल सर्वोच्च अदालत के तीन न्यायाधीशों की खंडपीठ ने ईडी की मर्यादा और गरिमा का ख्याल रखा और आरोपित संजय सिंह के मानवाधिकारों का भी सम्मान किया। 'आप' सांसद बीती 4 अक्तूबर से ईडी की हिरासत और बाद में तिहाड़ जेल में बंद थे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ की जा रही कार्रवाई को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए इसी के इर्दगिर्द ही अपनी बातें रखीं

इंडिया की लोकतंत्र बचाओ महारैली के बेसुरे स्वर

ललित गर्ग

> विपक्षी गठबंधन इंडिया की लोकतंत्र बचाओं महारैली में जुटे 28 दलों के नेता आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि से कोई प्रभावी संदेश देने में नाकाम रहे हैं। भले ही चुनाव के ठीक पहले विपक्षी दलों ने इसके जरिए अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने में कामयाबी हासिल की हो। लेकिन यह एकजुटता भ्रष्ट नेताओं को बचाने की एक मुहिम ही बनकर सामने आयी है। इसमें स्पष्ट रूप से केन्द्र सरकार की भ्रष्टाचार पर गई कार्रवाई की बौखलाहट झलक रही थी। इस रैली में सभी दलों के नेताओं ने देश विकास के मुद्दों, सिद्धान्तों एवं नैतिक तकाजे की बजाय मोटे तौर पर सत्ता पक्ष की भ्रष्टाचार के खिलाफ की जा रही कार्रवाई को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए इसी के इर्दगिर्द ही अपनी बातें रखीं।

दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन इंडिया की लोकतंत्र बचाओं महारैली में जुटे 28 दलों के नेता आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि से कोई प्रभावी संदेश देने में नाकाम रहे हैं। भले ही चुनाव के ठीक पहले विपक्षी दलों ने इसके जरिए अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने में कामयाबी हासिल की हो। लेकिन यह एकजुटता भ्रष्ट नेताओं को बचाने की एक मुहिम ही बनकर सामने आयी है। इसमें स्पष्ट रूप से केन्द्र सरकार की भ्रष्टाचार पर गई कार्रवाई की बौखलाहट झलक रही थी। इस रैली में सभी दलों के नेताओं ने देश विकास के मुद्दों, सिद्धान्तों एवं नैतिक तकाजे की बजाय मोटे तौर पर सत्ता पक्ष की भ्रष्टाचार के खिलाफ की जा रही कार्रवाई को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए इसी के इर्दगिर्द ही अपनी बातें रखीं। लोकतंत्र बचाओ रैली से उपजे विचारों ने किन्हीं पवित्र उद्देश्यों के बजाय सत्ता हासिल करने की लालसा को ही उजागर किया, यह निराश करने वाली रैली किसी बड़े बदलाव की वाहक बनती हुई नजर नहीं आयी। इस रैली में भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शानदार जीत की संभावना से बौखलाए नेताओं की खींच ही ज्यादा सामने आयी है। यही कारण है कि रैली में जो मुद्दा जोरशोर से उठा, वह यह रहा कि यदि भाजपा फिर से सत्ता में आ गई तो लोकतंत्र भी खत्म हो जाएगा और संविधान भी। यह समझना कठिन है कि कोई दल लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करता है तो उससे लोकतंत्र और संविधान कैसे खत्म हो जाएगा। आम जनता के मतों से जीत हासिल करने वाला दल किस तरह से लोकतंत्र को ध्वस्त करने वाला हो सकता है। विपक्षी एकता का यह महाकुंभ मोदी को कोसने की बजाय किन्हीं ठोस मुद्दों के सहारे कोई प्रभावशाली विमर्श खड़ा करने की कोशिश करता तो वह आम जनता को आकर्षित करता और यही स्वस्थ राजनीतिक परिपक्वता का परिचायक होता। लेकिन ऐसा न होना समूचे देश के विपक्षी दलों की नाकामी, उद्देश्यहीनता एवं राजनीतिक अपरिपक्वता का द्योतक हैं। इस रैली में अनेक मुद्दे

उठे, जिनमें प्रमुख रहा केंद्रीय एजेंसियों का कथित दुरुपयोग और राजनीतिक भ्रष्टाचार। प्रियंका गांधी ने इस रैली में सरकार के सामने पाँच माँगें रखीं। इनमें प्रमुख दो हैं जिनमें चुनाव आयोग से माँग की गई है कि विपक्षी नेताओं पर छापों की कार्रवाई रोकी जाए। दूसरी और महत्वपूर्ण माँग ये है कि गिरफ्तार हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल को तुरंत रिहा किया जाए। इस रिहाई की माँग के पीछे कांग्रेस का उद्देश्य बचे-खुचे संगठनों या पार्टियों को इंडिया गठबंधन से जोड़े रखना है। नीतीश कुमार और ममता बनर्जी जैसे मज़बूत खम्भे पहले ही उखड़ चुके हैं इसलिए जो कुछ बचा है उसे कांग्रेस समेटे रखना चाहती है, यही उसकी विवशता है। वैसे, इंडिया गठबंधन के घटक दलों के आपसी अंतर्विरोध की छाया भी इस रैली दिखी। कांग्रेस की तरफ से कहा गया कि विरोध किसी खास व्यक्ति से जुड़ा नहीं बल्कि मौजूदा सरकार की तानाशाही के खिलाफ केंद्रित है। जबकि इस रैली का मकसद आम आदमी पार्टी की तरफ से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध करना बताया गया। यहां आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस के बीच के अन्तर्विरोध को सहज ही समझा जा सकता है। यह रैली भले ही अठाइस दलों का जमावड़ा बनी, इसे विपक्षी दलों की एकजुटता का प्रदर्शन भी कहा गया है। लेकिन जबसे इंडिया गठबंधन बना है, तब से उसमें टूट एवं बिखराव के स्वर सुनाई दे रहे हैं। विचारभेद के साथ मनभेद भी सामने आये हैं। महाराष्ट्र से लेकर बिहार तक तमाम राज्यों में टिकट बंटवारे के सवाल पर इंडिया गठबंधन से जुड़े दलों की आपसी खटपट की खबरें भी आ रही थीं। भले ही ये विवाद गिनी-चुनी सीटों को लेकर थे, लेकिन संदेश स्पष्ट था कि चुनाव सिर पर आने के बाद भी इंडिया गठबंधन से जुड़े दल एकजुट नहीं हो पा रहे। रामलीला मैदान की रैली के जरिए इन दलों ने यह संदेश देने का प्रयास किया है कि मोदी विरोध एवं भाजपा को सत्ता से दूर करने के मुद्दों पर वे एक स्वर में बोल सकते हैं और लगातार बोलते भी रहे हैं, फिर उसके लिये इस महारैली की क्या जरूरत? निश्चित ही एकजुटता के ये स्वर बेसूरे, असहज एवं बनावटी है, इंडिया गठबंधन के राजनैतिक क्षितिज पर जो वरिष्ठ राजनेता हैं उनकी आवाज व किरदार भारतीय जीवन को प्रभावित नहीं कर रहा है। इंडिया गठबंधन से जुडे.दलों की केन्द्र एवं प्रांतों की सरकारों के शासन-काल में तो अपराध, भ्रष्टाचार और साम्प्रदायिकता के जबड़े फैलाए, आतंकवाद, प्रांतवाद, जातिवाद की जीभ निकाले, मगरमच्छ सब कुछ निगलता रहा है। सब अपनी जातियों और ग्रुपों को मजबूत करते रहे हैं-- देश को नहीं। प्रथम पंक्ति का नेता ही नहीं है जिसे मोदी के मुकाबले में खड़ा किया जा सके। भारत के लोग केवल बुराइयों से लड़ते नहीं रह सकते, वे व्यक्तिगत एवं सामूहिक, निश्चित सकारात्मक लक्ष्य के साथ जीना चाहते हैं। अन्यथा जीवन की सार्थकता नष्ट हो जाएगी। दो तरह के नेता होते हैं- एक वे जो कुछ करना चाहते हैं, दूसरे वे जो कुछ होना चाहते हैं। असली नेता को सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी होकर, प्रासंगिक और अप्रासंगिक के बीच भेदरेखा बनानी होती है। संयुक्त रूप से कार्य करें तो आज भी वे भारत को विकास की नई ऊंचाइयां दे सकते हैं। लेकिन उन्होंने सहचिन्तन को शायद कमजोरी मान रखा है। नेतृत्व के नीचे शून्य तो सदैव खतरनाक होता ही है पर यहां तो ऊपर-नीचे शून्य ही शून्य है। इंडिया गठबंधन की चोटी से लेकर प्रांत स्तर पर, समाज स्तर पर तेजस्वी और खरे नेतृत्व का नितान्त अभाव है।

दृष्टि कोण

प्रदेश में भी बने भारत मंडपम

लगभग 150 एकड़ क्षेत्र में निर्मित प्रगति मैदान भारत के सबसे बड़े प्रदर्शनी केंद्रों में से एक है और दिल्ली में प्रदर्शनियों और सम्मेलनों के लिए महत्वपूर्ण स्थल है। भारत ने जी-20 के आयोजन के दृष्टिगत वास्तुशिल्प की अनूठी उपलब्धि को जोड़ते हुए प्रगति मैदान, नई दिल्ली में एक नए कन्वेंशन सेंटर भारत मंडपम का निर्माण करवाया है जो आधुनिकता का परिचायक भी है। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मंडपम, आर्कोप एसोसिएट्स और एडास सिंगापुर द्वारा पुनः डिजाइन किया गया एक प्रतिष्ठित भवन है जो देश की वास्तुकला को परिभाषित करता है और उभरती हुई वैश्विक महाशक्ति और ज्ञान केंद्र के रूप में भारत की प्रतिष्ठा को मजबूत करता है। यहां बड़े प्रदर्शनी स्थल और सहायक बुनियादी ढांचे के साथ 4800 यात्री कार इकाइयों (पीसीयू) की पार्किंग सहित अन्य संबंधित सुविधाएं स्थापित की गई हैं। इसी के साथ इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (आईआईसीसी) एक अत्याधुनिक, विश्वस्तरीय प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर बनाने की दृष्टि से भारत सरकार की एक प्रमुख परियोजना है जो आकार और गुणवत्ता में, अंतरराष्ट्रीय और साथ ही राष्ट्रीय बैठकों, सम्मेलनों, प्रदर्शनियों और व्यापार शो के लिए एक कुशल और गुणवत्तापूर्ण आयोजन स्थल की पेशकश करता है। 25703 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से यह परियोजना सेक्टर-25, द्वारका में विकसित की जा रही है और इसे लगभग 303000 वर्ग मीटर के साथ केंद्रीय व्यापार जिले (सीबीडी) के पैमाने पर बनाने की कल्पना की गई है। प्रदर्शनी स्थल का क्षेत्रफल 60000 वर्ग मीटर है, जबकि सम्मेलन क्षेत्र का क्षेत्रफल 50000 वर्ग मीटर है। यहां बहुउद्देश्यीय क्षेत्र के साथ-साथ खुदरा, वाणिज्यिक कार्यालयों, आतिथ्य उपयोगकर्ताओं के लिए मनोरंजन और जीवन शैली को दर्शाने वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त स्थान है। यह सुविधा देश में अपनी तरह की पहली होगी जिसमें प्रदर्शनी हॉल में बड़े कॉलम मुक्त स्थान होंगे और बड़े पैमाने पर रक्षा और एयरोस्पेस प्रदर्शनियों की मेजबानी करने की क्षमता होगी। कन्वेंशन सेंटर परिसर में 11000 प्रतिनिधियों के बैठने की क्षमता होगी और 6000 लोगों की क्षमता वाला एक विश्वस्तरीय हॉल होगा। आज आवश्यकता है कि केंद्र सरकार छोटे स्तर पर पर ही सही, भारत मंडपम की तर्ज पर प्रत्येक राज्य के दो-तीन महत्वपूर्ण शहरों में आधुनिक एवं सुविधाओं से परिपूर्ण प्रदर्शनी स्थलों का निर्माण करवाए, ताकि नई दिल्ली में आयोजित होने वाली प्रदर्शनियों की तरह के आयोजनों को राज्यों के नागरिक भी निकटता से देख सकें। पिछले दिनों 7 मार्च से 11 मार्च 2024 तक भारत की एक महत्वपूर्ण प्रदर्शनी 'आहार मेले' का आयोजन प्रगति मैदान, नई दिल्ली में किया गया। आहार खाद्य और आतिथ्य में एशिया का सबसे प्रसिद्ध ब्रांड है। मैं स्वयं इस प्रदर्शनी को देखने के लिए दिल्ली में मौजूद था। हर वर्ष की तरह इस मेले में पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा भीड़ देखने को मिल रही है। इस आहार मेले में देश-विदेश के 1800 से ज्यादा एग्जीबिटर्स हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे। आहार प्रदर्शनी में रोजमर्रा की जिंदगी से लेकर बिजनेस की कई महत्वपूर्ण जानकारियां वहां आने वाले लोगों को मिलीं। अलग तरह के चॉकलेट बॉक्सेस से लेकर घर के पर्दे, किचन हैक्स का सामान और विदेशी खानपान भी चखने को मिले। पिज्जा, चाइनीज ड्राइफ्रूट्स, डिजाइनर क्रॉकरी और फूड इंडस्ट्री में इस्तेमाल की जाने वाली अत्याधुनिक मशीनों का भी वहां प्रदर्शित किया गया। कई स्टॉलों में लोगों को कई स्वादिष्ट डिश भी चखने को दी गईं। जिन लोगों को ऐसे इवेंट्स में जाना पसंद हो और समयाभाव के कारण बड़े शहरों का रुख नहीं कर पाते हैं, उनकी सुविधा के लिए छोटे राज्यों में भी प्रगति मैदान की तर्ज पर कम से कम 2-3 हॉल वाले प्रदर्शनी स्थलों का निर्माण आज के दौर की मांग है और वैसे भी दिल्ली जैसे बड़े एवं महंगे महानगर में रहना आम आदमी के बलबूते से बाहर की बात है। यह सर्वविदित है कि सूरजकुंड और दिल्ली हाट जैसे मेला आयोजन स्थलों में भी लाखों की संख्या में लोगों की भागीदारी रहती है। दो वर्ष पूर्व मंडी में एफएसएसएआई द्वारा एक दिवसीय 'ईट राइट' मेले का आयोजन इंदिरा मार्केट की खुली छत पर किया गया था। जाहिर है कि हिमाचल के नित बदलते मौसम के दृष्टिगत खुली जगहों में ऐसे आयोजन में भाग लेने वाले व्यापारियों के साथ-साथ दर्शकों को भी असुविधा होती है। इस मेले में मंडी जिला के विभिन्न स्थानों से आए महिला मंडलों, स्वयं सहायता समूहों ने लोकल खाद्य उत्पादों के स्टॉल लगाए थे और इसके साथ ही विभागीय प्रदर्शनियों को भी लोगों की जानकारी के लिए लगाया गया। इनके जरिए लोगों को अच्छे भोजन के बारे में जागरूक और पौष्टिक भोजन की आदत बारे प्रेरित किया गया। हिमाचल सरकार शिमला में हिमाचल हाट बनाने जा रही है। हिमाचल हाट बनने से शिमला में पर्यटकों और स्थानीय लोगों को प्रदेश के हर जिला का पारंपरिक भोजन हर समय उपलब्ध रहेगा और वह कभी भी इसका आनंद ले पाएंगे। इसी प्रकार हर जिला मुख्यालय पर जगह उपलब्ध करवाने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि वह अपने उत्पादों की वहां बिक्री कर आत्मनिर्भर बन सकें। इसके अतिरिक्त हिमाचली धाम और अन्य पारंपरिक व्यंजनों के पेटेंट के संबंध में भी गंभीरता से विचार किया जा रहा है। वर्तमान दौर में अब भारतीय बड़ी संख्या में भारत के अन्य राज्यों में पर्यटन हेतु आ-जा रहे हैं और विदेशी भी भारत घूमने आ रहे हैं, लिहाजा ऐसे भव्य मंडपों का निर्माण और एक छत के ही नीचे सभी जानकारियों का प्रदर्शन न केवल राज्यों की प्राचीन संस्कृति, इतिहास एवं शिल्पकला आदि को रेखांकित करेगा, अपितु स्थानीय लोगों को भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे बदलावों से अवश्य ही अवगत और अद्यतन रखेगा।

कुछ अलग

ढाई आखर प्रेम का

हमारे संतों, ऋषियों, मुनियों, मनीषियों ने सीख दी है कि मनुष्यों से ही नहीं, सभी जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों तक से प्रेम करो। इस सृष्टि की हर वस्तु से प्रेम और पूर्ण समर्पण और विश्वास के साथ भक्ति, अध्यात्म की महत्वपूर्ण सीढियां हैं। गुरू नानक देव जी, संत कबीर, संत रविदास, भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, योगी राज प्रभु राम लाल जी, गुरुदेव ओम स्वामी जी आदि की शिक्षाओं का सार भी यही है। ये सब दिव्य आत्माएं हमारी प्रेरणा के स्रोत हैं। यह एक कड़वा सच है कि बहुत बार अपने ज्ञान के अभिमान में विशेषज्ञों का नजरिया संकुचित हो जाता है और वे अपनी किताबी सीख से आगे नहीं जा पाते, और जीवन की कई सच्चाइयों को अस्वीकार करके उनसे अनभिज्ञ रह जाते हैं। विज्ञान की बात तो छोड़िए, विभिन्न धर्मों में भी गहरे मतभेद हैं। कोई धर्म जन्म-जन्मांतर की बात करता है तो कोई पुनर्जन्म को ही नहीं मानता। धर्म फिर एक शारीरिक चीज है, कर्मकांड है, अध्यात्म उससे कहीं आगे की बात है। यही कारण है कि ऋषियों मुनियों ने धर्म की नहीं बल्कि अध्यात्म की बात की है। पुनर्जन्म की ही बात करें तो बहुत से धर्म इस विचार को पूरी तरह से नकारते हैं, लेकिन सच यह भी है कि पुनर्जन्म के बहुत से साक्ष्य दुनिया भर में उपलब्ध हैं और उन पर कोई विवाद नहीं है। यही हाल विज्ञान का भी है। यही कारण है कि एक सीमा के बाद विज्ञान आगे नहीं बढ़ पाता, तो फिर हमें अध्यात्म का सहारा लेना पड़ता है। अध्यात्म बहुत सहज है, बहुत सरल है, उसे समझना भी कठिन नहीं है, परंतु आधुनिकता के चक्कर वाले व्यक्ति के लिए उसकी थाह पाना कठिन है। प्रतियोगिता के युग में जी रहा व्यक्ति समझ ही नहीं पाता कि पूजा सिर्फ तभी पूजा है जब हम प्रेममय हो जाते हैं, देश, धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र की बात छोडक़र हर व्यक्ति से प्रेम करने लगते हैं, बिना कारण प्रेम करने लगते हैं, और व्यक्ति से ही नहीं, हर वस्तु से प्रेम करने लगते हैं, हर जड़-चेतन जीवन का सम्मान करने लगते हैं, बिना कारण, बिना लालच, बिना किसी डर के। यह जीवनशैली अपना लें तो मन हमेशा प्रसन्न-प्रफुल्लित रहता है। जब हम प्रेममय हो जाते हैं तो शिकायतें खत्म हो जाती हैं, किसी बात का गिला नहीं रह जाता, क्रोध नहीं रह जाता, पछतावा नहीं रह जाता, इन सबकी जगह कृतज्ञता का भाव आ जाता है, समर्पण का भाव आ जाता है, सेवा का भाव आ जाता है। इस तरह हम अध्यात्म की कई सीढियां चढ़ जाते हैं। हम आध्यात्मिक होते हैं तो ब्रह्मांड से जुड़ जाते हैं, परमात्मा से जुड़ जाते हैं। बस हमें यह समझना जरूरी है कि आध्यात्मिक होने के लिए, बोध पाने के लिए घर, निर्वाण के लिए या परमात्मा को पाने के लिए घर, परिवार, दुनिया छोड़ कर संत बन एकमात्र रास्ता नहीं है। यह कोई नहीं कहता कि संत बन जाना गलत है। यह कोई नहीं कहता कि कर्मकांड गलत है। यह कोई नहीं कहता कि दुनिया छोड़ कर हिमालय पर कठिन तपस्या करना गलत है। पर सच यही है कि बुद्ध हो जाने के बहुत से रास्तों में से यह भी एक रास्ता है। चूंकि बोधिसत्व प्राप्त करने के कई रास्ते हैं, इसलिए किसी अन्य मत की आलोचना नहीं होनी चाहिए। परमात्मा एक है, पर परमात्मा तक पहुंचने के रास्ते कई हैं। 'सहज संन्यास मिशन' के अनुगामी के रूप में मेरा मानना है कि दुनिया माया नहीं है, जीवन सपना नहीं है। हम जीवित हैं, हमें एक शरीर मिला है और हम इस दुनिया में हैं, तो यह भी एक सच है, और इसे झुठलाया नहीं जाना चाहिए। दुनिया में रहकर दुनिया वालों से प्रेम करना, उनकी सेवा करना हमारा उद्देश्य होना चाहिए। जीवन का पाठ यही है। सहज संन्यास के अनुयायियों की एक और मान्यता यह है कि हर व्यक्ति की स्थितियां अलग हैं।

देश दुनीया से

कोचिंग राष्ट्र बनने की दिशा में देश

> भारत के 14 से 18 वर्ष की आयु के युवाओं के बीच शिक्षा के निराशाजनक परिदृश्य पर रोशनी डालती है। पढ़ने के कौशल में आठवीं कक्षा के 30 फीसदी ग्रामीण छात्र दूसरी कक्षा के मानक पाठ नहीं पढ़ सकते। इसी तरह अंकगणित कौशल में आठवीं कक्षा के 55 फीसदी ग्रामीण छात्र बुनियादी भाग करने में असमर्थ थे। जबकि अंग्रेजी समझ एवं कौशल में, आठवीं कक्षा के आधे ग्रामीण छात्र आसान वाक्यों को पढ़ने में असमर्थ थे और जो पढ़ सकते थे, उनमें से लगभग एक तिहाई छात्र अर्थ बताने में असमर्थ थे। स्कूली शिक्षा में सीखने के अपर्याप्त परिणामों को देखते हुए समकालीन भारत में कोचिंग संस्थानों का विस्तार होना स्वाभाविक है।

शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट 2023, ग्रामीण भारत के 14 से 18 वर्ष की आयु के युवाओं के बीच शिक्षा के निराशाजनक परिदृश्य पर रोशनी डालती है। पढ़ने के कौशल में आठवीं कक्षा के 30 फीसदी ग्रामीण छात्र दूसरी कक्षा के मानक पाठ नहीं पढ़ सकते। इसी तरह अंकगणित कौशल में आठवीं कक्षा के 55 फीसदी ग्रामीण छात्र बुनियादी भाग करने में असमर्थ थे। जबकि अंग्रेजी समझ एवं कौशल में, आठवीं कक्षा के आधे ग्रामीण छात्र आसान वाक्यों को पढ़ने में असमर्थ थे और जो पढ़ सकते थे, उनमें से लगभग एक तिहाई छात्र अर्थ बताने में असमर्थ थे। स्कूली शिक्षा में सीखने के अपर्याप्त परिणामों को देखते हुए समकालीन भारत में कोचिंग संस्थानों का विस्तार होना स्वाभाविक है। शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट 2022 ने बताया कि कक्षा एक से आठवीं तक के 30.5 फीसदी ग्रामीण छात्र सशुल्क निजी कोचिंग कक्षाएं ले रहे थे। स्कूली शिक्षा में मूलभूत कौशल और गहन सोच कौशल की कमी के कारण निजी कोचिंग पर निर्भरता जरूरी हो गई है। जैसे-जैसे छात्र उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, कोचिंग पर निर्भरता बढ़ती जाती है। भारत एक कोचिंग राष्ट्र में बदल गया है, न केवल महानगरीय शहरों में, बल्कि छोटे शहरों में भी। सरकारी नौकरियों की इच्छा, जो सामाजिक सुरक्षा के साथ आती है, शायद ग्रामीण छात्रों को आगे बढ़ने के लिए यही एकमात्र रास्ता हो। भारत के 91 फीसदी कार्यबल अनौपचारिक रोजगार में है, जिसे सामाजिक बीमा के बिना रोजगार के रूप में परिभाषित किया गया है, अर्थात वृद्धावस्था पेंशन, मृत्यु/विकलांगता बीमा, स्वास्थ्य और मातृत्व लाभ इत्यादि से वंचित रोजगार। वर्ष 2022-23 में स्नातकों के लिए बेरोजगारी दर 13.4 फीसदी और स्नातकोत्तर और उससे ऊपर के लोगों के लिए 12.1 फीसदी रही, जो राष्ट्रीय औसत बेरोजगारी दर 3.2 फीसदी (15 वर्ष और उससे अधिक आयु) से लगभग चार गुना है। भारत में बेरोजगारी की स्थिति एक प्रमुख सामाजिक मुद्दा बनी हुई है। अगर नौकरियां नहीं मिलेंगी, तो छात्र कहां जाएंगे? वर्ष 2017-18 से 2022-23 की अवधि में कृषि क्षेत्र में छह करोड़ श्रमिकों की वृद्धि हुई है! आखिरी पीएलएफएस जुलाई, 2022 और जून, 2023 के बीच भी 80 लाख श्रमिकों को कृषि में जोड़ा गया था। निजी नौकरियों में रोजगार की अनिश्चितता को देखते हुए यह उनकी मजबूरी ही थी। अधिकांश सरकारी नौकरियों के लिए भी परीक्षा में अंग्रेजी कौशल मुख्य घटकों में से एक है। जबकि आबादी की मुख्य भाषा और स्कूली शिक्षा का माध्यम हिंदी बनी हुई है। प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए अंग्रेजी कौशल की आवश्यकता होती है, जिसके लिए कोचिंग अपरिहार्य हो जाती है। माता-पिता की उम्मीदें ऊंची बनी हुई हैं और उम्मीदवारों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग लेने के लिए प्रेरित किया जाता है। सफलता और विफलता को परिभाषित करने में कोचिंग एक महत्वपूर्ण कारक साबित हो सकती है। सभ्य गैर-कृषि रोजगार की अनुपलब्धता, रुकी हुई सरकारी नौकरियां और सीमित सरकारी नौकरियों के साथ-साथ उच्च शिक्षा के लिए युवाओं के बीच अभूतपूर्व प्रतिस्पर्धा है, जिसने छात्रों को ट्यूशन और कोचिंग में धकेल दिया है। कुल मिलाकर, शिक्षा का मौलिक अधिकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अधिकार में तब्दील नहीं हुआ है, इसलिए निजी ट्यूशन और कोचिंग संस्थान तेजी से बढ़ रहे हैं।

कोचिंग संस्थान लंबे समय तक एक अनियमित बाजार बने रहे, और कई शिकायतों और छात्रों की आत्महत्याओं के बाद ही सरकार कोचिंग सेंटरों को संचालित करने के लिए दिशा-निर्देश लेकर आई है। 'कोचिंग सेंटर का पंजीकरण और विनियमन, 2024' दिशा-निर्देश कोचिंग सेंटरों को भ्रामक वादे करने या सफलता की गारंटी देने से रोकते हैं। हालांकि, इसका उपाय स्कूली शिक्षा, उच्च अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं की नींव में सीखने के परिणामों में सुधार करना है। इसके अलावा, हर कोई कोचिंग का खर्च नहीं उठा सकता और सरकारी नौकरी की आकांक्षा नहीं कर सकता। गैर-औद्योगिकीकरण और संरचनात्मक परिवर्तन के उलट होने की स्थिति में जो कुछ बचा है, वह है गिग इकनॉमी, जो बिना किसी सामाजिक सुरक्षा जाल के कार्यबल को केवल निर्वाह प्रदान करती है। इस प्रकार, समकालीन भारत में नौकरियों को पुनर्जीवित करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

आप का नजरीया

कुछ जलवे, कुछ शिकार

हिमाचल में लोकसभा चुनाव के साथ नत्थी विधानसभा उपचुनाव की तासीर में या तो जलवे करेंगे कमाल या अति महत्त्वाकांक्षा हो जाएगी शिकार। पहले जलवों का जिक्र करें, तो भाजपा की रणनीति में केंद्रीय ताकत का एहसास, आत्मविश्वास और अपनी संगठनात्मक मशीनरी का प्रदर्शन है। पार्टी कांग्रेस से कहीं आगे संगठन के साथ साज बजा रही है। उसके अधिकांश उम्मीदवार मैदान में उतर चुके हैं। कांग्रेस से आए पूर्व विधायक अपने साथ जो सामान लाए हैं, उसका प्रदर्शन परिचय दे रहा है। धर्मशाला में सुधीर शर्मा का परिचय सम्मेलन अपनी धाक में कांग्रेस की खोपड़ी में प्रश्न पैदा जरूर कर रहा है, क्योंकि पार्टी की हर तह में अब कोई न कोई उम्मीदवार टर्रा रहा है। सदमें में भाजपा के भी कई तीर हैं, लेकिन चुनावी योजना में यह पार्टी जलवों का शृंगार करने में माहिर है। हम इसी आधार पर राजेंद्र राणा के मार्फत सुजानपुर के दुर्ग में हलचल देख सकते हैं। यह दीगर है कि भाजपा के कई गवाह अब कांग्रेस में गोटियां फिट कर रहे, तो यह भी देखा जाएगा कि किस क्षेत्र में कौन अपने जलवे का हल जोत रहा है। बहरहाल जलवे से उम्मीदवारों का चयन संभव है, तो मंडी से भाजपा की उम्मीदवार कंगना रनौत में यह खासियत राष्ट्रीय चर्चा का विषय है। उम्मीदवार घोषित होने से पहले ही कंगना के बयान-कंगना के विवाद, इतने अधीर तो रहे ही हैं कि भाजपा के नाम पर कहीं भी पत्थरबाजी हो जाए। शायद इसलिए बयानों-विवादों का एक मुकाबला उनके और सुक्खू सरकार के लोकनिर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह के बीच शुरू हो चुका है। जलवा इसी लोकसभा क्षेत्र में वीरभद्र सिंह के परिवार का भी रहा है, लेकिन अब यहां धीरे-धीरे कंगना बनाम प्रतिभा सिंह के बीच पार्टियों के संघर्ष से कहीं अधिक दोनों नेत्रियों के व्यक्तित्व व कृतित्व पर आकर टिकेगा, तो सारी परिपार्टियां फिर से लिखी जाएंगी। कंगना का बड़बोलापन और हाजिरजवाबी पर मतदाता फिदा होता है या वीरभद्र सिंह के परिवार की गरिमा चुनाव के सिर पर सवार रहती है, यह देखना रोचक होगा। कांगड़ा से लोकसभा चुनाव में भले ही कांग्रेस ने पत्ते नहीं खोले, लेकिन भाजपा की ओर से डा. राजीव भारद्वाज की पेशकश में वयोवृद्ध नेता शांता कुमार का जलवा जरूर देखा जा रहा है। यह दीगर है कि अब तक जलवा दिखा चुके त्रिलोक कपूर की दावेदारी पर विराम लगाकर, उनके सदा नजदीक रहे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा नए अवतरण में हैं। प्रदेश के सामथ्य में राजनीतिक जलवे का स्वाभाविक पुरुषार्थ मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से आशावान है और अगर वह इन चुनावों में पचास फीसदी भी सफलता हासिल कर पाते हैं, तो कांग्रेस की अग्रिम पंक्ति में भविष्य की अगवाई करते हुए देखे जाएंगे। इन चुनावों में हिमाचल के असली शिकारी का भी पता चलेगा। विधायकों के इस्तीफों के माध्यम से कौन किसका शिकार कर गया, इसका पता भी चुनाव की सारी कसरतें बताएंगी। शिकार की टोह में हिमाचल की राजनीति आज भी जहां खड़ी है, वहां कई चाबुक व तलवार लटके हैं।

राम आए हैं, कृष्ण भी आएंगे : योगी आदित्यनाथ

ब्रज का विकास भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार में हुआ है : मुख्यमंत्री

मथुरा (हिंस)। लोकसभा प्रत्याशी और एक्ट्रेस हेमा मालिनी ने गुरुवार को नामांकन किया। नामांकन के बाद हेमा मालिनी के समर्थन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विजय संकल्प नामांकन जनसभा की। योगी ने कहा अयोध्या, मथुरा और काशी में सबसे पहले चुनाव मथुरा में हो रहा है, तो संदेश यहीं से जाना चाहिए। अयोध्या में रामलला विराजमान हो गए हैं। काशी का भी काम हो गया है। अब मथुरा इंतजार कर रही है कि राम आए हैं, कृष्ण भी आएंगे। योगी ने भगवान श्रीकृष्ण की धरा से राधे-राधे बिहारी लाल की जय के स्वरों से अपने संबोधन की शुरूआत की। सीएम योगी ने कहा हेमा मालिनी ने इस क्षेत्र को नई पहचान दी है। मथुरा से हेमा मालिनी को तीसरी बार नामांकन करने की बधाई। उन्होंने आगे- कहा नामांकन की प्रक्रिया पूरी होने पर हर दल का प्रत्याशी आएगा। किसी भी दल में प्रत्याशी ढूंढे नहीं मिल रहा है। उधार में प्रत्याशी ला रहे हैं। उन्होंने आगे कहा- कन्हैया के बारे में कहा जाता है, उन्होंने 16 कला के साथ अवतार लिया। आज कला जगत की हेमा मालिनी मैदान में हैं। मैं कुछ दिन पहले यहां आया था। आज फिर आया हूं। उन्होंने कहा कि जनता ने कांग्रेस

और सपा को भी अवसर दिया। बसपा को भी अवसर दिया। मगर, सभी पार्टियों ने जनता को ठगा। ब्रज का विकास भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार में हुआ है। अयोध्या के लिए 500 वर्षों का इंतजार किया, मगर संघर्ष से कभी पीछे नहीं हटे। मथुरा का मामला भी कोर्ट में है, निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। राम आए हैं, कृष्ण भी आएंगे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में पहले मथुरा-वृंदावन की तरह कुंज गलियां थीं। आज वहां पर फोरलेन और सिक्सलेन के हाईवे हैं। अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद वहां हर वर्ग खुश है। वहां समृद्धि आई है। रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। कई गुना लोगों की आमदनी बढ़ गई है। भाजपा ने पहले ही कहा था कि काशी और अयोध्या में जो कार्य करना है, उसको लाइनअप किया है। कहा कि अब लोगों को पूरा फोकस ब्रज भूमि पर करना है। यमुना मैय्या की शुद्धिकरण से लेकर मथुरा-वृंदावन के कुंडो के संरक्षण का काम भाजपा सरकार करेगी। हेमा मालिनी तीसरी बार रिकार्ड मतों से जीत कर संसद में जाएंगी। कहा कि अयोध्या, काशी, मथुरा में सबसे पहले चुनाव मथुरा में हो रहा है। यहीं से संदेश भी जाना चाहिए। मथुरा का संदेश पूरे उत्तर प्रदेश के लिए स्पष्ट होना चाहिए कि काशी का काम हो गया है, अयोध्या में रामलला विराजमान हो गए हैं, अब मथुरा की बारी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस विकसित भारत की संकल्पना को लोगों के सामने रखा है। उसे विकसित भारत के लिए विकसित उत्तर प्रदेश और उसे विकसित उत्तर प्रदेश के लिए विकसित मथुरा का होना बहुत जरूरी है। सरकार के पास जो संभावना होगी, उसी में विकास कराया जाएगा। कहा कि स्पिरिचुअल टूरिज्म को विकसित किया जाएगा। यमुना शुद्धिकरण के लिए जो कार्य करने होंगे, वह किए जाएंगे। रंगोत्सव, कृष्ण उत्सव के कार्यक्रम कराकर मथुरा की पहचान को आगे बढ़ने का काम भाजपा सरकार ने किया है। नमामि गंगे परियोजना की तर्ज पर यमुना मैय्या को भी शुद्धिकरण से जोड़ने का काम किया जाएगा।

यूपी एटीएस ने सोनौली बार्डर से दो पाकिस्तानी सहित तीन आतंकियों को दबोचा

एक आतंकी ने हिज्ब-उल-मुजाहिद्दीन से लिया है जेहादी प्रशिक्षण

गोरखपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश एटीएस की गोरखपुर इकाई ने भारत नेपाल (सोनौली बार्डर) से दो पाकिस्तान के नागरिकों सहित तीन आतंकियों को बुधवार शाम गिरफ्तार किया है। टीम ने तीनों के पास से दो मोबाइल फोन, एक मेमोरी कार्ड, दो पाकिस्तानी और एक भारतीय पासपोर्ट, तीन आधार कार्ड, दो विमान का टिकट, पाकिस्तानी डीएल, दो पाकिस्तानी पहचान पत्र, विदेशी मुद्रा (इसमें भारतीय, बांग्लादेश, यूएस, नेपाल का मुद्रा) है। गिरफ्तार आतंकियों में एक आईएसआई की मदद से हिज्ब-उल-मुजाहिद्दीन से जेहादी प्रशिक्षण भी लिया है। एटीएस के अफसरों के अनुसार उन्हें सूचना मिल रही थी कि कुछ पाकिस्तानी नागरिक, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद से नेपाल के रास्ते भारत में प्रवेश करने वाले हैं। ये लोग भारत में आतंकी घटनाओं को अंजाम दे सकते हैं। इस सूचना पर सक्रिय हुई गोरखपुर इकाई ने सर्विलांस और अन्य तरीकों से पता किया कि दो पाकिस्तानी भारत नेपाल सीमा के तटवर्ती गांव शेख फरेंदा होते हुए भारत में प्रवेश करने वाले हैं। टीम ने त्वरित गति से घेराबंदी कर तीन आतंकियों को दबोच लिया। इसमें रावलपिंडी पाकिस्तान निवासी मोहम्मद अलताफ भट, इस्लामाबाद पाकिस्तान निवासी सैयद गजनफर, नासिर अली निवासी जम्मू कश्मीर भारत है। एटीएस टीम ने कड़ाई से पूछताछ की तो मोहम्मद अलताफ ने बताया कि उसका जन्म कश्मीर में हुआ है। कारगिल युद्ध के बाद वह हिजबुल मुजाहिद्दीन के एक आतंकी के साथ जिहाद की ट्रेनिंग लेने पाकिस्तान चला गया। पाकिस्तान में आईएसआई के देखरेख में हिजबुल मुजाहिद्दीन के मुजफ्फराबाद कैंप में प्रशिक्षण लिया। अलताफ के अनुसार आईएसआई कश्मीर स्थित आतंकी संगठन हिजबुल के साथ भारत में आतंक फैलाने के लिए भारतीय लोगों को अपने तंजीम से जोड़ रही है। हिजबुल का साहित्य पढ़कर अन्य जेहादी संगठनों के उस्ताद और अमीरों की तकरीर सुनकर वह आतंकी संगठन से प्रभावित हुआ। अलताफ के अनुसार उसने आतंकी कैंप में असलहों की ट्रेनिंग लेने के साथ वहां के कमांडरों के देखरेख में काम किया। अलताफ को हिजबुल के मुजाहिदों से हिदायत मिली थी कि खुफिया तौर पर नेपाल के रास्ते जम्मू-कश्मीर पहुंचे। वहां पहुंचने पर आगे की योजना बताई जाएगी। अलताफ को नेपाल में ही नासिर अली मिला। उसने उसे और सैयद गजनफर को फेक भारतीय आधारकार्ड उपलब्ध कराया। नासिर उसे सोनौली बार्डर के जरिए भारत ला रहा था। एटीएस के अफसरों के अनुसार तीनों के खिलाफ विधिक कार्रवाई हो रही है।

आग से दस घर जलकर राख, लाखों की क्षति

पूर्वी चंपारण (हिंस)। जिले के संग्रामपुर प्रखंड के पश्चिमी मधुबनी पंचायत वार्ड 6 दरियापुर गांव में गुरुवार को दोपहर अचानक लगी आग से दस लोगों का घर जल कर राख हो गया। आग से घर में रखे फर्नीचर, अलमीरा, फ्रिज, बिछावन, कपड़ा, खाधान्न, आभूषण सहित लगभग आठ लाख की सम्पत्ति जलकर राख हो गई। आग लगने की कारणो का खुलासा नही हो सका है। ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाने के कोशिश के बीच सूचना पर पहुंची फायरब्रिगेड की गाड़ी ने घंटो प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। पीड़ितों में सकील खां, भिखारी खां, कलीमुद्दीन खां वसीम खां, जवरुद्दीन खां, नसीम खां, अजहरुद्दीन खां समीउल्लाह खां, तबरेज खां शाहन्सा खां शामिल हैं। पीड़ितों ने बताया कि अचानक लगी आग में सबकुछ बर्बाद हो गया।

सुशील मोदी के स्वास्थ्य लाभ के लिए की गई पूजा-अर्चना

भागलपुर (हिंस)। भागलपुर के बूढ़ानाथ महादेव मंदिर में गुरुवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता सह बिहार सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी के स्वास्थ्य लाभ के लिए विशेष पूजा-अर्चना भाजपा के द्वारा जिला अध्यक्ष संतोष कुमार के नेतृत्व में किया गया। भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष कुमार ने पूजा अर्चना कर कहा कि सुशील मोदी हमारे रत्न हैं। उनका मार्गदर्शन हमारे लिए बेहद जरूरी है। जिनकी कार्यकुशलता और व्यवहार के सभी लोग प्रशंसक रहे हैं। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे शीघ्र स्वस्थ होकर लौटें। बिहार का हर एक कार्यकर्ता उनके सकुशल होने की प्रार्थना कर रहा है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप जैन कहा कि वे जल्द पूर्णत: स्वस्थ और सक्रिय हों, ताकि उनके अनुभव, समाज और शासन को लेकर उनकी गहरी समझ का लाभ मुझ जैसे पार्टी के अनगिनत कार्यकर्ताओं को सदैव मिलता रहे। भाजपा के वरिष्ठ नेता निरंजन साह ने कहा कि सुशील मोदी दृढ़ इच्छाशक्ति के प्रतिमान हैं। आपकी जिजीविषा, धैर्य एवं आत्मबल से कैंसर रोग शीघ्र ही पराजित होगा। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी प्राणिक वाजपेयी ने कहा कि बचपन से उन्हें हवाओं का रुख मोड़ते हुए देखा है। युद्ध करना आता है। उन्हें पुन: एक बार युद्ध जीत कर स्वस्थ होकर जरूर लौटेंगे। इस अवसर पर जिला महामंत्री योगेश पांडेय, विनोद सिन्हा, लोकसभा विस्तारक सतीश चंद्रा, विजयमित्रा मंडल अध्यक्ष निरंजन चंद्रवंशी, अनूप लाल शाह, दीपक कुमार सिंह, हेमंत शर्मा, प्रीति पांडे, संजीव कुमार, गौरव सिंगला ने उनके जल्द स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना किया।

सड़कों पर अदा नहीं की जाएगी अलविदा और ईद की नमाज

डीएम ने कहा, परंपरागत और पूरे हर्षोल्लास के साथ सभी त्यौहार मनाएं जनपदवासी

बलिया (हिंस)। पवित्र रमजान माह की अलविदा की नमाज सड़क पर नहीं पड़ी जाएगी। अलविदा की नमाज और ईद के दिन की नमाज सम्मानजनक तरीके से मस्जिद या ईदगाह के अंदर पढ़ी जाएगी। यह संदेश डीएम रवीन्द्र कुमार ने गुरूवार को जनपदीय शांति समिति की बैठक में दिया। अपनी अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी रवींद्र कुमार ने एक-एक कर सभी शांति समिति के सदस्यों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनी और पूरी जिम्मेदारी के साथ समाधान कराने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी ने कहा कि रमजान का महीना चल रहा है और कल अलविदा की नमाज अदा की जाएगी। इसके बाद नौ अप्रैल को चैत्र मास नवरात्रि की शुरुआत हो जाएगी। 10 या 11 अप्रैल को ईद का त्यौहार, 14 अप्रैल को अम्बेडकर जयंती और 17 अप्रैल को रामनवमी का त्यौहार मनाया जाना है। जिलाधिकारी ने

कहा कि पिछले सभी त्यौहार सकुशल और अच्छे वातावरण में संपन्न हुए हैं। कहा कि सभी जनपदवासी आगामी ईद के त्यौहार सहित अन्य त्यौहारों को भी परम्परागत, पूरे हर्षोल्लास व शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं। साफ सन्देश दिया कि जिले में कोई नई परंपरा की शुरुआत नहीं होगी। कहा कि कोई ऐसा कार्य न किया जाए, जिससे किसी की भावना को ठेस पहुंचे। उन्होंने शांति समिति के सदस्यों से कहा कि सड़क पर कोई भी नमाज नहीं पढेगा। उन्होंने अधिकारियों से चैत्र नवरात्रि और रामनवमी के दृष्टिगत मंदिरों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीएम रवीन्द्र कुमार ने जनपद की सभी मस्जिदों और ईदगाहों के बाहर बेहतर साफ सफाई के इंतजाम के लिए नगरपालिका व नगर पंचायतों के ईओ को नगरीय क्षेत्रों में और ग्रामीण क्षेत्रो में डीपीआरओ को निर्देशित किया। साथ ही पीने के पानी की उपलब्धता को सुनिश्चित कराने का भी निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि विभिन्न स्थानों पर जर्जर खम्भे व केबल एवं लटके तार ना हों। उन्होंने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों को अभियान चलाकर नकली खोया, मिठाई, मेवा और पनीर जैसे खाद्य पदार्थों का सैंपल लेकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। एसपी देव रंजन वर्मा ने कहा कि गरिमा के अनुरूप और शांतिपूर्ण ढंग से ही सभी त्यौहार मनाया जाए। उन्होंने सभी शांति समिति के सदस्यों से कहा कि कोई भी फर्जी या भ्रामक खबर की सूचना मिलने पर उसकी तत्काल सूचना जिला प्रशासन या अपने पास के थाने में अवश्य दें। उन्होंने थानों में होने वाली शांति समिति की बैठकों में पिछले वर्षों के चिन्हित स्थानों के बारे में सावधानी बरतने का निर्देश दिया। कहा कि यदि कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ हुआ तो कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में सीडीओ ओजस्वी राज, एडीएम डीपी सिंह, एएसपी दुर्गा प्रसाद तिवारी, अनिल कुमार झा, सिटी मजिस्ट्रेट इंद्रकांत द्विवेदी, बब्लू मास्टर, राजू गुप्ता, कृष्णकांत पांडे, जलालुद्दीन, असगर अली आदि मौजूद थे।

कांग्रेस झूठ और लूट की जननी, कांग्रेसियों का राम ही निकल गया : मुख्यमंत्री

भीलवाड़ा (हिंस)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस झूठ और लूट की जननी है और 70 सालों में कांग्रेस ने भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है। कांग्रेसियों से तो रामजी ही निकल गए, अब समय बदल गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि विकसित राष्ट्र के लिए भाजपा को ही जिताएं। शर्मा गुरुवार को भीलवाड़ा में भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल के समर्थन में आयोजित नामांकन सभा को संबोधित कर रहे थे। अग्रवाल का नामांकन पत्र दाखिल करते समय मुख्यमंत्री मौजूद रहे। उन्होंने आजाद चौक में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2004 से 2014 तक देश की स्थिति क्या थी। हर तरफ भ्रष्टाचार का बोलबाला था, आए दिन भ्रष्टाचार और घोटाले हुआ करते थे। जमीन पर भी घोटाला, आसमान पर भी घोटाला और पाताल में भी घोटाले की खबरें आम थी। जब से केंद्र में नरेंद्र मोदी की भाजपा सरकार बनी है तब से लेकर अब तक भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने गरीबी हटाओ का नारा दिया था मगर गरीबी नहीं मिटी, कांग्रेस ने कभी किसानों का भला नहीं किया जब से केंद्र में भाजपा की सरकार बनी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो कहा कर दिखाया, भाजपा के संकल्प पत्र में धारा 370 हटाने की बात कही मोदी ने वह कर दिखाया। उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के दर्द को समझा और सुबह उठकर शौच को जाने वाली महिलाओं के लिए घर-घर शौचालय का निर्माण करवाया, भाजपा सरकार ने किसानों के हित के लिए कार्य किए आज किसानों के खातों में किसान सम्मान निधि के तहत 6000 रुपए डलवाए जा रहे हैं। आज पूरे देश का मोदी जी पर भरोसा है मोदी जी हैं तो मुमकिन है आज मोदी जी की वजह से ही पूरे विश्व में भारत का डंका बज रहा है। मुख्यमंत्री शर्मा के मंच पर आने से पहले पंजाब के पूर्व गवर्नर वीपी सिंह ने कहा कि इस बार का चुनाव अलग ढंग का चुनाव है। यह चुनाव देश की दिशा और दशा बदल देगा। आज पूरी दुनिया में भारत को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है मोदी के कारण विश्व में भारतवासियों का मान बढा है। सभा को संबोधित करते हुए भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रदेश की सह प्रभारी विजया राहटकर ने कहा कि आज देश सनातन धर्म के साथ आगे बढ़ते हुए विकास की ओर बढ़ रहा है। महिलाओं को सम्मान मिल रहा है और युवा आत्मनिर्भर हो रहा है। सभा को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल ने कहा कि राज्य की भजन लाल सरकार ने 100 दिन में संकल्प पत्र का 45 प्रतिशत वादा निभाकर इतिहास रच दिया और केंद्र में मोदी सरकार ने सांस्कृतिक उन्नयन का कार्य किया। सनातन धर्म को पुनर्स्थापित कर प्रत्येक भारत वासियों का गौरव बढ़ाया जिस तरह नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत का संकल्प लिया है उसी प्रकार मेरा भी भीलवाड़ा विकास का संकल्प है। मेरे कार्यकाल में रेलवे, हाईवे और बिजली पानी तथा शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में भीलवाड़ा कैसे आगे बढ़ेगा इस सपने को साकार करने का संकल्प ले रहा हूं। जनसभा को पूर्व सांसद सुभाष बाहेड़िया एवं पूर्व विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी सहित कई बड़े नेताओं ने संबोधित किया। जनसभा के मंच पर विधानसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़े अशोक कोठारी और उनके साथी पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष लादू लाल तेली, पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण डाड, नगर परिषद के उपसभापति रामलाल योगी और कन्हैयालाल स्वर्णकार को भाजपा का दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया।

एक लाख से अधिक के ट्रांजेक्शन पर नजर रखें बैंकर्स जानकारी करें साझा : जिला निर्वाचन पदाधिकारी

बेतिया (हिंस)। लोकसभा निर्वाचन 2024 को स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के उदेश्य से आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी दिनेश कुमार राय की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में जिले के सभी बैंक शाखाओं के प्रबंधक, प्रतिनिधि उपास्थित थे। बैंकर्स को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि स्वच्छ एवं निष्पक्ष निर्वाचन संपन्न कराने में बैंकर्स की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। अभ्यर्थी के स्वयं के नाम से अथवा उनके अभिकर्ता के साथ संयुक्त रूप से निर्वाचन हेतु बैंक खाता खुलवाने में बैंकर्स नियमानुसार सहयोग करेंगे। इसके साथ ही समय-समय पर निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गए निर्देशों का अचूक रूप से अनुपालन करेंगे। उन्होंने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य एक लाख रुपए से अधिक की जमा एवं निकासी की निगरानी करना एवं संदेहास्पद लेनदेन की सूचना जिला प्रशासन को देना है। बैंकर्स एक लाख रुपए से अधिक ट्रांजेक्शन (विगत दो माह) पर नजर रखेंगे एवं जानकारी साझा करेंगे। आरटीजीएस के माध्यम से एक ही खाते से दूसरे खाते में एक से अधिक बार ट्रांजेक्शन से संबंधित गतिविधि पर नजर रखेंगे। अभ्यर्थी अथवा उससे संबंधित अन्य खाते से एक लाख से अधिक के ट्रांजेक्शन एवं राजनैतिक दलों के खाते से एक लाख से अधिक ट्रांजेक्शन पर नजर रखेंगे। ईएसएमएस (इलेक्शन सीजर मैनेजमेंट सिस्टम) के द्वारा क्यूआर कोड जनरेट करके ही बैंक की नगदी अन्य शाखों या एटीएम में प्रेषित कराएं ताकि जांच के दौरान राशि की पुष्टि की जा सके। नगदी मूवमेंट के समय ईएसएमएस द्वारा जेनरेट क्यूआर कोड अनिवार्य रूप से रखा जाय। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त प्रतिभा रानी, अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह, अग्रणी जिला प्रबंधक सतीश कुमार, प्रभारी पदाधिकारी, जिला बैंकिंग शाखा एस प्रतीक, अवर निर्वाचन पदाधिकारी, बेतिया यशलोक रंजन सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं बैंकर्स उपस्थित थे।

पेपर लीक के खिलाफ एतिहासिक कार्रवाई, 29 ट्रेनी सब-इंस्पेक्टर हुए गिरफ्तार : अरूण चतुर्वेदी

जयपुर (हिंस)। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर आरोप लगाते हुए कहा कि गहलोत सरकार के 2008-13 के कालखंड में विभिन्न घोटाले हुए थे। चतुर्वेदी ने कहा कि पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय रीट से लेकर एसआई भर्ती परीक्षा सहित कुल 19 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए और लाखों युवाओं के सपनों पर पानी फिर गया। गहलोत सरकार में पेपर लीक की इतनी घटनाएं होने के बावजूद पेपर माफियाओं के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। प्रदेश में भाजपा की भजनलाल सरकार बनने के बाद लगातार पेपर माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई जारी है, अभी तक 64 लोगों की गिरफ्तारी की गई है और इतिहास में पहली बार ऐसी कार्रवाई हुई है जब ट्रेनिंग करने वाले 29 सब-इंस्पेक्टरों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं भाजपा सरकार आने के बाद 11 भर्ती परीक्षाएं हुई जो कि पूरी तरह पारदर्शी ढंग से हुई। भाजपा सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरों टोलरेंस की नीति पर काम कर रही है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर गुरुवार को प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा भाजपा लगातार उस कालखंड में गहलोत सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाती रही थी। जिस प्रकार वर्ष 2012 में तत्कालीन सीएम गहलोत ने चौहान बंधुओं को लाईम स्टोन की खाने अवैधानिक ढंग से आवंटित कर एक हजार करोड़ का घोटाला किया था। उसी तरह इस बार भी उन्होने अपने रिश्तेदारों को बिना नीलामी के कीमती जमीन सस्ती दरों पर दिलाकर उपकृत किया है। जोधपुर विकास प्राधिकरण ने गहलोत के दबाव में 15 करोड़ की जमीन महज 3.67 लाख में उनके रिस्तेदारों को दे दी। इस नियम विरुद्ध बेचान के खिलाफ नगरीय विकास विभाग में जांच विचाराधीन है।

हेमामालिनी पर सुरजेवाला के बयान से गरमाई राज्य की सियासत

चंडीगढ़ (हिंस)। फिल्म अभिनेत्री एवं भाजपा की सांसद हेमा मालिनी को लेकर कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला के विवादित बयान से हरियाणा की राजनीति गरमा गई है। गुरुवार को प्रदेश सरकार के मंत्रियों ने एकजुटता के साथ सुरजेवाला को घेरा। वहीं, कांग्रेस ने सुरजेवाला के संबंध में अभी तक कोई बयान नहीं दिया है। सुरजेवाला के बयान पर भाजपा लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति संयोजक एवं राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता देश की महिलाओं का बार-बार अपमान करते हैं। सुरजेवाला को अपने बयान पर तुरंत प्रभाव से माफी मांगनी चाहिए। बराला ने कहा कि कांग्रेस नेता सारी मर्यादाओं को तार-तार कर रहे हैं। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि सुरजेवाला ने देश की महिलाओं का अपमान किया है। इस तरह के बयानों के कारण ही कांग्रेस गर्त में चली गई है। हरियाणा के पूर्व गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि सुरजेवाला का हेमा मालिनी के बारे में बयान देना कोई नई बात नहीं हैं। ये कांग्रेस का महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया ने भी कंगना रनौत के बारे में भी ऐसी ही टिप्पणी की थी। विज ने कहा कि कांग्रेस का महिलाओं के प्रति क्या विचार व दृष्टिकोण है, के बारे में पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव की पुस्तक *दी इनसाइडर* में दिया गया है। करनाल से भाजपा सांसद संजय भाटिया ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता महिलाओं के अपमान करने में कोई मौका नहीं छोड़ते। कांग्रेस व गठबंधन के संस्कारों व मानसिकता में ही महिला का अपमान रमा हुआ है। इसी का उदाहरण रणदीप सुरजेवाला ने मंच से दिया है।

बार-बार सीटें बदलकर सपा अध्यक्ष चुनाव में भाजपा की कर रहे मदद : ओमप्रकाश राजभर

लखनऊ (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के लोकसभा की कई सीटों पर अखिलेश यादव भारतीय जनता पार्टी को जिताने में मदद कर रहे हैं। बार-बार टिकट बदलने का काम करने से यह पूरी तरह से स्पष्ट हो गया है। यह बयान गुरुवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं योगी सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कही। उन्होंने एक चैनल से बातचीत के दौरान कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) मिलकर उत्तर प्रदेश की 80 की 80 सीटें जीतने का काम करेगा। एक सवाल का जवाब देते हुए मंत्री राजभर ने कहा कि मुख्तार अंसारी की मौत का चुनाव पर कोई भी असर नहीं पड़ने वाला है। एनडीए के साथ घोसी सीट पर सुभासपा उम्मीदवार की भारी मतों से जीत होगी।

सोलंकी के आरोप झूठे, भ्रामक : 25 करोड़ गरीबों को गरीबी से मुक्ति, 80 करोड़ को मुफ्त भोजन : रमन

जम्मू (हिंस)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता भरत सिंह सोलंकी के बयान कि *मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार देश के आम लोगों के लिए नहीं बल्कि कुछ अमीर लोगों के लिए काम कर रही है* को झूठा, भ्रामक और अस्पष्ट बताते हुए प्रदेश भाजपा के कार्यकारी सदस्य रमन सूरी ने गुरूवार को कहा कि सोलंकी एक अज्ञानी और कम जानकारी रखने वाले राजनेता हैं जो हताशा में ऐसे शब्द बोल रहे हैं जिनका उद्देश्य आम लोगों को गुमराह करना है। उन्होंने कहा कि उनका बयान झूठा, तुच्छ, अस्पष्ट और वास्तविकता से बहुत दूर है। यहां जारी अपने बयान में रमन सूरी ने कहा कि 50 करोड़ से अधिक जनधन खाते केवल गरीब लोगों के लिए खोले गए थे जिन्हें अब बिना किसी चोरी के सीधे उनके खातों में वित्तीय लाभ मिल रहा है। पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी ने खुले तौर पर कहा था कि गरीबों के लिए पूरा पैसा उन तक कभी नहीं पहुंचता है लेकिन प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से आज समाज के सबसे योग्य व्यक्ति को बिना किसी बिचौलियों के हस्तक्षेप के सीधे अपना हक मिल रहा है जो कि एक ऐसा घटनाक्रम है जिसे सोलंकी को अवश्य जानना चाहिए। रमन सूरी ने कांग्रेस नेता जो जम्मू-कश्मीर के प्रभारी भी हैं को बताया कि उज्ज्वला योजना के तहत गरीबों को लगभग 10.3 करोड़ रसोई गैस कनेक्शन दिए गए हैं जिससे महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। इसके विपरीत कांग्रेस अपने संसद सदस्यों (सांसदों) और मंत्रियों को उनकी इच्छा और पसंद के अनुसार गैस कनेक्शन वितरित करने के लिए अधिकृत करती थी जिससे गरीब इस लाभ से वंचित हो जाते थे। उन्होंने कहा कि गरीबों को लगभग 14 करोड़ नल जल कनेक्शन भी दिए गए हैं जो कि एक ऐसा कदम है जो कांग्रेस 75 वर्षों में भी नहीं कर सकी। बीजेपी नेता ने भरत सिंह सोलंकी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि स्वच्छ भारत कार्यक्रम के तहत करीब 12 करोड़ शौचालय भी गरीबों के लिए ही बनाए गए हैं। यह एक और क्षेत्र है जहां कांग्रेस पिछले 75 वर्षों में कुछ नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि सरकारी खजाने को लूटने में व्यस्त कांग्रेस के मंत्री हमेशा अपना खजाना भरते रहते थे। उन्होंने कहा कि भारत में 43 करोड़ लोगों को मुद्रा ऋण मिला है जिससे गरीबों का फिर से उत्थान हुआ है। रमन सूरी ने कहा कि अपने भ्रष्ट मंत्रियों के लिए प्रचार कर रही कांग्रेस को अपने अंदर झांकना चाहिए और देखना चाहिए कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किस तरह जनता के पैसे को लूटा और उसका दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा कि 11 करोड़ से अधिक किसानों को पीएम किसान योजना से लाभ हुआ है, 4 करोड़ परिवारों को पीएम आवास योजना के तहत घर मिले हैं और माता-पिता को अपनी बच्चियों की भविष्य की शिक्षा के लिए एक फंड बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए लगभग 3 करोड़ सुकन्या समृद्धि खाते खोले गए हैं। इससे एक बार फिर हमारे देश के गरीब लोगों को मदद मिली है। रमन सूरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई ऐसी योजनाओं के कारण ही भारत में लगभग 25 करोड़ गरीबों को गरीबी से बाहर निकाला गया। यह एक बड़ी उपलब्धि है न कि केवल गरीबी हटाओ जैसा बयान जो कांग्रेस अपने शासनकाल में देती थी लेकिन जमीन पर कुछ नहीं करती थी। जिन गरीबों को इन योजनाओं का लाभ मिला है वे आगामी चुनाव में स्वयं साबित कर देंगे कि उन्हें बेहतर जीवन जीने में किसने मदद की है। बीजेपी के लिए वोट मांगते हुए रमन सूरी ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान गरीब लोगों के हिस्से को हड़पने के लिए फर्जी राशन कार्ड बनाए गए थे लेकिन केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने 35 लाख फर्जी और फर्जी राशन कार्ड हटा दिए हैं। इसी तरह लगभग 35 लाख फर्जी एलपीजी कनेक्शन हटा दिए गए और यही वजह है कि सबसे योग्य माताएं, बहनें और बेटियां आज पारंपरिक जलाऊ लकड़ी का नहीं बल्कि रसोई गैस का उपयोग कर रही हैं जो उनके स्वास्थ्य को प्रभावित करती थी। रमन सूरी ने कांग्रेस को याद दिलाया कि जब से दुनिया में महामारी आई है तब से भाजपा सरकार 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन दे रही है। उन्होंने सोलंकी को बोलने से पहले सोचने और अपना होमवर्क करने के लिए कहते हुए कहा कि यह भाजपा है जो इन चुनावों में जीत हासिल करने जा रही है और इस देश के लोगों के लिए काम करने के लिए एक बार फिर सत्ता में आएगी। उन्होंने कहा कि देश और इसकी जनता कांग्रेस को दोबारा देश को लूटने की इजाजत नहीं देगी क्योंकि भाजपा गरीब लोगों को गरीबी से बाहर निकाल रही है और आने वाले वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा जो एक ऐसा लक्ष्य है जिसके बारे में कांग्रेस कभी सोच नहीं सकती।

जल्द खत्म हो सकता है विस्तारा का संकट, पायलट्स की शिकायत- बहुत ज्यादा थकान की वजह से हो रहे बीमार

नई दिल्ली ।
विस्तारा एयरलाइंस का संकट जल्द ही खत्म हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हफ्ते के अंत तक एयरलाइंस की उड़ानें भी सामान्य हो सकती हैं। विस्तारा एयरलाइंस ने ही इसके संकेत दिए हैं। विस्तारा एयरलाइंस पायलट्स की कमी से जूझ रही है और इसके चलते हाल के दिनों में बड़ी संख्या में विस्तारा एयरलाइंस की फ्लाइट्स या तो कैंसिल हुई हैं या फिर उनमें देरी हुई है। इसकी वजह से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है।

पायलट्स की इन बातों को लेकर है शिकायत - विस्तारा एयरलाइंस के पायलट्स ने थकान की शिकायत की थी और इसका सीधा असर सुरक्षा पर पड़ता है। पायलट्स का कहना है कि वह अधिकतम फ्लाइट ड्यूटी की सीमा तक पहुंच गए हैं और थकान की वजह से वे जल्दी जल्दी बीमार हो रहे हैं। विस्तारा एयरलाइंस के कई पायलट बीमार बताए जा रहे हैं। वहीं कई एयर इंडिया के साथ विस्तारा के विलय के बाद लाए जाने वाले सैलरी स्ट्रक्चर से खुश नहीं हैं और इसका विरोध कर रहे हैं। पायलट्स का कहना है कि हर कोई उड़ान से थक गया है। सभी नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों से उम्मीद कर रहे थे कि वे कुछ राहत देंगे, लेकिन फिलहाल ऐसा होता नहीं दिख रहा है। पायलट्स ने इस बात की भी शिकायत की है कि एयरलाइंस पायलट्स से ज्यादा सॉफ्टवेयर पर विश्वास कर रही है। पायलट्स थकान की शिकायत कर रहे हैं और कंपनी बोइंग अलर्टनेस मॉडल पर विश्वास कर रही है।

डीजीसीए की घटनाक्रम पर है नजर - डीजीसीए की भी इस पूरे मामले पर नजर है। यही वजह है कि डीजीसीए ने विस्तारा एयरलाइंस से बड़ी संख्या में फ्लाइट्स कैंसिल होने पर जवाब मांगा था। साथ ही डीजीसीए ने पायलट्स के विरोध को देखते हुए नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों को लागू करने पर फिलहाल रोक लगा दी है और इन पर और चर्चा करने को कहा है। नए नियम 1 जून से लागू होने थे।

न्यूज ब्रीफ

अगले दो दशकों तक कोयला ही भारत के ऊर्जा क्षेत्र की रीढ़ रहेगा, आईआईएम की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली । कोयला आने वाले दो दशकों तक भारत के ऊर्जा क्षेत्र की रीढ़ बना रहेगा। आईआईएम अहमदाबाद की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कोयले के इस्तेमाल को कम करने के लिए सही नीतियां बनाने की जरूरत होगी। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि परमाणु ऊर्जा और अक्षय ऊर्जा के बिना साल 2070 तक जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करना संभव नहीं होगा। कोयला अभी भी बना रहेगा भारत के ऊर्जा क्षेत्र का केंद्र आईआईएम अहमदाबाद ने नेट जीरो के लक्ष्य को पाने के लिए ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव और समन्वय पर अपनी रिपोर्ट तैयार की है। यह रिपोर्ट जारी की गई। इस रिपोर्ट को भारत सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने कई गणमान्य लोगों जैसे नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके सारस्वत, परमाणु ऊर्जा विभाग के सचिव डॉ. एके मोहंती और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में जारी किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि कार्बन उत्सर्जन नेट जीरो करना आसान नहीं है और इसके लिए कई रास्ते अपनाने पड़ेंगे। कोयले का इस्तेमाल अगले दो दशकों तक जारी रहेगा और यही भारत के ऊर्जा सेक्टर की रीढ़ बना रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2070 में भारत का कार्बन उत्सर्जन करीब 0.56 अरब टन कार्बन-डाई-ऑक्साइड से लेकर 1.0 अरब टन कार्बन डाई ऑक्साइड के बीच रहने की उम्मीद है।

स्मार्टफोन रियलमी 12एक्स 5जी लॉन्च, फोन की शुरुआती कीमत 11,999 रुपये रखी

नई दिल्ली । भारत में चाइनीज कंपनी रियलमी ने रियलमी 12 सीरीज़ में अपना लेटेस्ट बजट स्मार्टफोन रियलमी 12एक्स 5जी लॉन्च किया है। रियलमी ने इस फोन की शुरुआती कीमत 11,999 रुपये रखी है। ये फोन अब कंपनी के रियलमी 12 सीरीज का सबसे किफायती फोन बन गया है। ग्राहक इस फोन को ट्विलाइट पर्पल और वुडलैंड ग्रीन कलर ऑप्शन में खरीद सकते हैं। इसकी पहली सेल 5 अप्रैल को है। डिवाइस को दो साल का एंड्रॉयड अपडेट और तीन साल का सिक्योरिटी अपडेट मिलेगा। स्पेसिफिकेशंस के तौर पर रियलमी 12एक्स 5जी में 120 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.72-इंच फुल एचडी+ आईपीएस एलसीडी है रियलमी 12एक्स 5जी कंपनी के रियलमी यूआई 5.0 के साथ बॉक्स से बाहर एंड्रॉयड 14 पर काम करता है।

भारत बनाएगा अपना वाणिज्यिक क्रूड रणनीतिक भंडार, आपूर्ति संबंधी चुनौतियों से निपटने में मिलेगी सहायता

नई दिल्ली । दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक भारत क्रूड का अपना पहला वाणिज्यिक रणनीतिक भंडार बनाने की योजना बना रहा है। इस कदम से किसी भी आपात स्थिति में आपूर्ति संबंधी चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। सरकार ने देश में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तैयार करने और उसके परिचालन के लिए विशेष इकाई इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लि. (आईएसपीआरएल) का गठन किया है। इस इकाई ने कर्नाटक के पादुर में 25 लाख टन भूमिगत भंडारण बनाने के लिए बोलियां मंगाईहैं। निविदा दस्तावेज के मुताबिक, आईएसपीआरएल ने पहले चरण में तीन स्थानों पर 53.3 लाख टन का भंडारण बनाया था। ये तीन जगह आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम (13.3 लाख टन) कर्नाटक में मंगलूरू (15 लाख टन) और पादुर (25 लाख टन) हैं। दूसरे चरण के तहत, पादुर-दो में 5,514 करोड़ रुपये की लागत से वाणिज्यिक सह-रणनीतिक भूमिगत पेट्रोलियम भंडार बनाने की योजना है। इसमें जमीन के ऊपर संबंधित सुविधाएं भी शामिल है। बोलीदाताओं से कहा गया है कि वे भंडारण के निर्माण के लिए आवश्यक वित्तीय अनुदान या उस प्रीमियम/शुल्क का बताएं, जो वे प्राधिकरण को देना चाहते हैं। बोलियां जमा करने की आखिरी तारीख 22 अप्रैल है।

मजबूत मांग के कारण मार्च में सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर साढ़े 13 वर्ष के हाई पर, पीएमआई के आंकड़े जारी

नई दिल्ली ।
मजबूत मांग के कारण मार्च में देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर साढ़े 13 साल की सबसे मजबूत वृद्धि दर में से एक रही। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स फरवरी के 60.6 से बढ़कर मार्च में 61.2 पर पहुंच गया।परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की भाषा में सूचकांक का 50 से ऊपर रहना विस्तार को दर्शाता है जबकि 50 से नीचे रहना संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल द्वारा लगभग 400 सेवा क्षेत्र की कंपनियों के एक पैनल को भेजे गए प्रश्नावली के जवाबों से संकलित किया गया है।

मांग बढ़ने से बिक्री और कारोबारी गतिविधियों में तेजी आई - रिपोर्ट में कहा गया है, भारत की सेवाओं का पीएमआई फरवरी में मामूली गिरावट के बाद मार्च में बढ़ा और मजबूत मांग के कारण बिक्री और कारोबारी गतिविधियों में तेजी आई। एचएसबीसी के अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा, उत्पादन क्षमता का विस्तार करने के लिए सेवा प्रदाताओं ने अगस्त 2023 के बाद से सबसे तेज गति से हायरिंग में वृद्धि की।

सर्वेक्षण के अनुसार बिक्री में तेजी का मुख्य कारण मांग में बेहतर स्थिति, दक्षता में वृद्धि और बिक्री में सकारात्मक वृद्धि है। कंपनियों ने मार्च के दौरान नए ऑर्डर इंटेक में काफी सुधार का संकेत दिया। वृद्धि की दर जून 2010 के बाद से सबसे अच्छी देखी गई।

सितंबर 2014 में शृंखला शुरू होने के बाद से नया निर्यात कारोबार सबसे तेज दर से बढ़ा। सर्वेक्षण प्रतिभागियों ने अफ्रीका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, अमेरिका और मध्य पूर्व से लाभ की सूचना दी। सेवा कंपनियों ने संकेत दिया कि नए कारोबार की मात्रा में भारी तेजी ने उनकी क्षमताओं पर दबाव डाला। इस कारण, सेवा प्रदाताओं ने मार्च में अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती की।

प्रतिस्पर्धी दबाब की चिंताओं के बावजूद, अनुकूल रुझान बने रहने की उम्मीद - सर्वेक्षण में कहा गया है, इनपुट लागत तेज दर से बढ़ी है, इसके बावजूद सेवा प्रदाता उच्च आउटपुट मूल्य वसूलकर मार्जिन बनाए रखने में सक्षम हैं। आगे चलकर सेवा क्षेत्र की कंपनियों को मांग का रुझान अनुकूल बने रहने की उम्मीद है और विपणन प्रयासों को भी वृद्धि के अवसर

के रूप में देखा जा रहा है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि हालांकि प्रतिस्पर्धी दबाव को लेकर कुछ चिंताएं हैं।

इस बीच, एचएसबीसी इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स फरवरी के 60.6 से बढ़कर मार्च में 61.8 पर पहुंच गया। कंपोजिट पीएमआई सूचकांक तुलनीय विनिर्माण और सेवा पीएमआई सूचकांकों के भार का औसत है। जीडीपी के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारांश विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के सापेक्ष आकार को दर्शाता है। मार्च के आंकड़ों से पता चलता है कि पूरे भारत में कुल उत्पादन में तेज वृद्धि हुई है, क्योंकि माल उत्पादकों और सेवा प्रदाताओं दोनों ने वृद्धि में तेजी दर्ज की है।

आरबीआई के प्रतिबंधों से मुद्रा वायदा सौदों में आ सकती है गिरावट

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नए नियमों से पैदा हुई ऊहापोह के कारण एक्सचेंज में कारोबार होने वाले करेंसी डेरिवेटिव सौदों की मात्रा घट सकती है। नए कायदों के कारण करेंसी डेरिवेटिव में खुदरा निवेशकों और वित्तीय संस्थानों की भागीदारी बरकरार रहने पर भी संशय खड़ा हो गया है। यह डर भी जताया जा रहा है कि मुद्रा खरीदे या उसके लिए अनुबंध किए बगैर ही ली गईं पोजिशन पहले निपटानी पड़ेंगी। आरबीआई ने इस बारे में 5 जनवरी को एक सर्कुलर जारी किया था, जो 5 अप्रैल से लागू हो जाएगा। इसमें कहा गया है कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर रुपये में होने वाले करेंसी अनुबंधों के लिए मुद्रा यानी एक्सपोजर होना जरूरी है। 10 करोड़ डॉलर तक की पोजिशन के लिए ट्रेडरों को ऐसे एक्सपोजर का सबूत नहीं देना होता मगर एक्सपोजर होने की पुष्टि करना जरूरी है। मुद्रा वायदा में ज्यादातर लेनदेन खुदरा श्रेणी में होते हैं, जो ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) बाजारों में लेनदेन नहीं कर सकते थे। इन बाजारों में बैंक आम तौर पर मुद्रा होने यानी एक्सपोजर होने का सबूत मांगते थे। मुद्रा वायदा में 60 फीसदी ज्यादा लेनदेन खुदरा कारोबार से ही आते हैं और करेंसी डेरिवेटिव्स एक्सचेंज पर तरलता बनाए रखने में इनकी अहम भूमिका है। अगस्त 2008 में जब मुद्रा वायदा कारोबार शुरू हुआ था तब आरबीआई ने विदेशी विनिमय दर से जुड़े जोखिमों से बचाव के लिए डॉलर या रुपया मुद्रा वायदा में लेनदेन की अनुमति दी थी।

किआ ने सेल्टॉस के दो नए ऑटोमैटिक वेरिएंट किए पेश, ऑटोमैटिक वेरिएंट हुआ अब और भी सस्ता

नई दिल्ली ।
कार बनाने वाली कंपनी किआ ने सेल्टॉस के दो नए ऑटोमैटिक वेरिएंट को पेश कर दिया है। कंपनी का यह कदम न केवल खरीदारों के लिए ऑप्शन को बढ़ाता है। बल्कि ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में रुचि रखने वालों के लिए एंट्री पॉइंट को भी नीचे लाता है।

पहले, सीवीटी और टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स हाई एचटीके ट्रिम तक सीमित थे। अब, एचटीके प्लस ट्रिम में इन ऑप्शन्स की शुरूआत के साथ, किआ ने पेट्रोल सीवीटी के लिए प्राइस बैरियर को 1.18 लाख रुपये और डीजल-एटी वर्जन के लिए 1.28 लाख रुपये कम कर दिया है। इस रणनीतिक कदम से सेल्टोस लाइनअप में ग्राहकों की एक विस्तृत श्रृंखला को आकर्षित करने की उम्मीद है। सेल्टोस रेंज के बीच अपनी लोकप्रियता के लिए मशहूर एचटीके प्लस ट्रिम को नए फीचर्स के साथ और बेहतर बनाया गया है। खरीदार अब पैनोरमिक सनरूफ, ड्राइव और ट्रैक्शन मोड और पैडल शिफ्टर्स, एलईडी-कनेक्टेड टेल लैंप और लेदरेट-लिपटे स्टीयरिंग व्हील जैसी अतिरिक्त सुविधाओं का आनंद ले सकते हैं। किआ ने एक नया एक्सटीरियर कलर, ऑरोरा ब्लैक पर्ल भी पेश किया है। किआ एचटीके प्लस ट्रिम के साथ ही अन्य ट्रिम्स में भी अपडेट जारी किए गए हैं। हाई-एंड एचटीएक्स, एचटीएक्स प्लस , जीटी लाइन और एक्स लाइन ट्रिम्स में अब सभी चार विंडो के लिए एक ऑटो अप/डाउन फंक्शन की सुविधा है। एचटीके ट्रिम को एलईडी डीआरएलएस, कीलेस एंट्री और पुश-बटन स्टार्ट/स्टॉप सुविधाओं के साथ अपग्रेड किया गया है। इसके अलावा, बेस एचटीई ट्रिम अब ग्राहकों की अलग-अलग जरूरतों को पूरा करते हुए पांच एडिशनल कलर ऑप्शन उतारे गए हैं। 10.90 लाख रुपये से 20.35 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत के साथ, सेल्टोस अपने सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बनी हुई है, जो क्रेटा और ग्रैंड विटारा जैसे मॉडलों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर रही है। किआ सेल्टॉस एचटीके प्लस पेट्रोल-सीवीटी वेरिएंट अब 15.40 लाख रुपये में और डीजल-एटी वेरिएंट 16.90 लाख रुपये में उपलब्ध है।

ओला इलेक्ट्रिक के बिके 53 हजार से ज्यादा यूनिट्स , वाहन पंजीकरण ग्रोथ 115 प्रतिशत बढ़कर 328,785 इकाई पर पहुंचा

नई दिल्ली ।
ओला इलेक्ट्रिक कंपनी के महीने भर के अंदर में 53 हजार से ज्यादा यूनिट्स बिक चुके हैं। कंपनी के वाहनों का पंजीकरण वित्त वर्ष 2022-23 की तुलना में वित्त वर्ष 2023-24 में 115 प्रतिशत बढ़कर 328,785 इकाई पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2023 में कंपनी के 1,52,741 वाहन पंजीकृत हुए थे। कंपनी ने यह जानकारी दी। वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में 119,310 वाहन पंजीकृत हुए जो तीसरी तिमाही के 84,133 वाहनों की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है। ओला के संस्थापक और अध्यक्ष भाविश अग्रवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया, 'मार्च में 53 हजार पंजीकरण के आंकड़े को छूकर पहली बार 50 हजार को पार किया। वित्त वर्ष 2024 में ईवी उद्योग में 30 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई और मार्च में ईवी वाहनों का अनुपात नौ प्रतिशत से अधिक हो गया। एस1 एक्स (4 केडब्ल्यूएच) के लॉन्च के साथ ओला इलेक्ट्रिक ने अपने पोर्टफोलियो का विस्तार छह

प्रोडक्ट्स एस1 प्रो, एस1 एयर, एस1 एक्स+, एस1 एक्स 2 केडब्ल्यूएच, 3 केडब्ल्यूएच, 4 केडब्ल्यूएच) तक कर लिया है। इनकी कीमतें अलग- अलग हैं जो विभिन्न रेंज की आवश्यकताओं वाले ग्राहकों की जरूरतें पूरी करने में सक्षम हैं। ओला इलेक्ट्रिक के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अंशुल खंडेलवाल ने कहा, 'फैक्ट यह है कि हमने वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में लगभग 1.20 लाख रजिस्ट्रेशन रिकॉर्ड किए हैं, जो हमारे मजबूत स्कूटर पोर्टफोलियो को दर्शाता है, और हमारा लक्ष्य विकास पथ को जारी रखना और देश की इलेक्ट्रिफिकेशन जर्नी में और योगदान देना है।

जुलाई-दिसंबर में प्रीपेड कार्ड से लेनदेन 30 फीसदी घटा, डेबिट कार्ड में भी गिरावट

नई दिल्ली ।
देश की डिजिटल भुगतान प्रणाली में यूपीआई का दबदबा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसके उलट, कार्ड के प्रति लोगों का आकर्षण कम हो रहा है। खासकर डेबिट कार्ड के प्रति। हालांकि, क्रेडिट कार्ड के जरिये लेनदेन में बढ़ोतरी देखने को मिली है। वर्ल्डलाइन की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 की दूसरी छमाही यानी जुलाई-दिसंबर अवधि में देश में कुल 1.78 अरब क्रेडिट कार्ड जारी हुए। यह आंकड़ा जुलाई-दिसंबर, 2022 की तुलना में 21 फीसदी ज्यादा है। मूल्य के लिहाज से 2023 की दूसरी छमाही में क्रेडिट कार्ड के जरिये लेनदेन 11 फीसदी बढ़कर 9.39 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। इसके उलट, डेबिट कार्ड के जरिये जुलाई-दिसंबर, 2023 में लेनदेन मूल्य के

लिहाज से सालाना आधार पर 16 फीसदी घटकर 3.02 लाख करोड़ रुपये रह गया। इस अवधि में कुल 1.15 अरब डेबिट कार्ड जारी हुए, जो जुलाई-दिसंबर, 2022 के मुकाबले 34 फीसदी कम हैं। वहीं, प्रीपेड कार्ड के जरिये मूल्य के लिहाज से लेनदेन सालाना आधार पर 30 फीसदी घटकर 241 अरब रुपये रह गया। औसत टिकट साइज : नेटबैंकिंग का सबसे ज्यादा मूल्य व संख्या के लिहाज से दिसंबर, 2023 में यूपीआई लेनदेन के मामले में फोनपे, गूगल पे और पेटीएम का दबदबा रहा। संख्या के लिहाज कुल यूपीआई लेनदेन में तीनों एप की संयुक्त हिस्सेदारी 94.8 फीसदी से बढ़कर 95.4 फीसदी पहुंच गई। मूल्य के हिसाब से इन तीनों एप की कुल यूपीआई लेनदेन में संयुक्त हिस्सेदारी 93 प्रतिशत पहुंच गई। दिसंबर, 2022 में यह 92.2 फीसदी थी। कार्ड संख्या में 34 प्रतिशत गिरावट रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 की दूसरी छमाही में कुल 3.70 अरब कार्ड (क्रेडिट, डेबिट और प्रीपेड कार्ड) जारी हुए। यह आंकड़ा सालाना आधार पर 7 फीसदी कम है। इसकी प्रमुख वजह जारी डेबिट कार्ड की संख्या में बड़ी गिरावट है। जुलाई-दिसंबर, 2023 में क्रेडिट, डेबिट और प्रीपेड कार्ड के जरिये कुल 12.66 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन हुए। यह आंकड़ा सालाना आधार पर 13 फीसदी ज्यादा है। नेटबैंकिंग : 505 लाख करोड़ नेटबैंकिंग के जरिये जुलाई-दिसंबर, 2023 अवधि में 505.5 लाख करोड़ रुपये के कुल 2.25 अरब लेनदेन हुए।

फोर्ब्स की लिस्ट में आधी आबादी का जलवा

35.5 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ ये हैं भारत की सबसे अमीर महिला

नई दिल्ली ।
भारतीय महिलाएं व्यापार की दुनिया में उल्लेखनीय प्रगति कर रही हैं। इनमें से कई महिलाओं का नाम फोर्ब्स की ओर से जारी अरबपतियों की सूची में शामिल किया गया है। इस सूची में भारत से 200 अरबपतियों का नाम है। पिछले इस इस सूची में भारत से 169 अरबपतियों का नाम शामिल किया गया था। साल 2024 की सूची में भारतीय अरबपतियों की कुल संपत्ति बढ़कर 954 अरब डॉलर हो गई, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 41 फीसदी अधिक है। आइए जानते हैं फार्ब्स के अरबपतियों की 2024 की सूची में शामिल टॉप पांच भारतीय महिलाएं कौन-कौन हैं

1. सावित्री जिंदल, नेट वर्थ - 35.5 अरब डॉलर - जिंदल परिवार की मुखिया के रूप में, सावित्री जिंदल 35.5 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ फोर्ब्स की सूची में सबसे ऊपर हैं। इस

तरह वह सबसे अमीर भारतीय महिला हैं। वह स्टील, बिजली, सीमेंट और बुनियादी ढांचे के कारोबार से जुड़े समूह जिंदल समूह की अध्यक्ष हैं।

2. रेखा झुनझुनवाला, नेट वर्थ - 8.5 अरब डॉलर - भारत के वॉरेन बफेट कहे जाने वाले दिवंगत राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला को अपने पति से एक मूल्यवान स्टॉक पोर्टफोलियो विरासत में मिला है, झुनझुनवाला अपने निवेश कौशल के लिए जाने जाते हैं। फार्ब्स की लिस्ट के अनुसार वह भारत की दूसरी सबसे अमीर महिला हैं।

3. विनोद राय गुप्ता, नेट वर्थ - 5 अरब डॉलर - फोर्ब्स के अरबपतियों की सूची 2024 के अनुसार हैवेल्स इंडिया में अपनी होल्डिंग के कारण विनोद राय गुप्ता तीसरी सबसे अमीर भारतीय महिला हैं। हैवेल्स एक अग्रणी कंपनी है जो अपने इलेक्ट्रिकल और घरेलू उपकरणों के लिए जानी जाती है। गुप्ता के मार्गदर्शन में, हैवेल्स इंडिया एक प्रतिष्ठित ब्रांड के रूप में विकसित हुआ है जो लाइटिंग फिक्सचर, पंखे, रेफ्रिजरेटर और वाशिंग मशीन सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का उत्पादन करता है।

4. रेणुका जगतियानी, कुल संपत्ति- 4.8 अरब डॉलर - फोर्ब्स की लिस्ट के अनुसार चौथी सबसे अमीर भारतीय महिला रेणुका जगतियानी हैं। वह लैंडमार्क ग्रुप की चेयरपर्सन और सीईओ हैं। यह दुबई में एक बहुराष्ट्रीय उपभोक्ता समूह है, जिसकी स्थापना उनके पति मिकी जगतियानी ने की थी, उनकी मई 2023 में मृत्यु हो गई थी। लैंडमार्क ग्रुप रेणुका जगतियानी की अगुवाई में 50,000 से अधिक लोगों को रोजगार देता है।

5. स्मिता कृष्णा गोदरेज, कुल संपत्ति - 3.8 अरब डॉल - गोदरेज परिवार की स्मिता कृष्णा गोदरेज की परिवार की संपत्ति में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। फार्ब्स के अरबपतियों की सूची 2024 के अनुसार वह भारत की पांचवीं सबसे अमीर महिला हैं। गोदरेज परिवार गोदरेज समूह को नियंत्रित करता है।

रोनाल्डो ने 72 घंटे में ली दूसरी हैट्रिक, अल नासेर ने अभा पर 8-0 से दर्ज की जीत

नई दिल्ली ।
पुर्तगाली स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 72 घंटे के अंतराल में दूसरी हैट्रिक लगाकर अपने क्लब अल नासेर को सऊदी प्रो लीग में अभा पर 8-0 से बड़ी जीत दिलाई। पांच बार के बैलन डि ओर विजेता रोनाल्डो ने मुकाबले में तीन गोल किए और दो गोल करने में सहायता की। रोनाल्डो ने तीनों गोल पहले हाफ में दागे। नौ बार की सऊदी अरब चैंपियन अल नासेर के लिए इस सत्र में रोनाल्डो की यह तीसरी हैट्रिक है।

29 गोल कर सऊदी लीग में शीर्ष गोल स्कोरर हैं रोनाल्डो

उन्होंने अल ताई पर 5-1 से मिली जीत में भी हैट्रिक लगाई थी। लीग के इस सत्र में उनके कुल 29 गोल हो गए हैं। वह लीग में इस वक्त शीर्ष गोल स्कोरर हैं। उनसे पीछे लीग में शीर्ष पर चल रहे अल हिलाल के अलेक्जेंडर मित्रोविच हैं। उन्होंने 22 गोल किए हैं, लेकिन चोट के कारण वह पूरे सत्र से बाहर हो चुके हैं। क्रिस्टियानो ने माने के गोल में की मदद अल नासेर अभी भी दूसरे स्थान पर है और अल हिलाल से 12 अंक पीछे है, जबकि आठ मैच लीग में अभी खेले जाने बाकी हैं। रोनाल्डो के पहले दो गोल फ्री किक पर आए। 11वें मिनट में उन्होंने जमीनी शॉट लगाकर गोल भेदा। 10 मिनट बाद उन्होंने खिलाड़ियों की दीवार के ऊपर से बाएं छोर से किक लगाकर गोल किया। उन्होंने फिर सादियो माने के गोल में मदद की। पहला हाफ खत्म होने से तीन मिनट पहले रोनाल्डो ने अपनी हैट्रिक पूरी की। हालांकि मध्यांतर के बाद वह मैदान पर नहीं उतरे।

दूसरे हाफ में हुए तीन गोल

अलसुलाहिम ने पहले हाफ से एक मिनट पहले गोलकर अल नासेर की बढ़त 5-0 की। सुलेमान ने यह गोल भी रोनाल्डो के पास पर किया। रोनाल्डो के मैदान पर नहीं होने के बावजूद नासेर ने दूसरे हाफ में भी गोल किए। अब्दुलरहमान गरीब ने छठा गोल किया, जबकि स्थानापन्न अब्दुलअजीज अल अलाइवा ने बाकी दो गोल किए।

न्यूज ब्रीफ

क्रिकेट जगत में फैली शोक की लहर, 33 की उम्र में इस क्रिकेटर ने दुनिया को कहा अलविदा

नई दिल्ली। पापुआ न्यू गिनी की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कैया अरुआ की 33 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से पूर्वी एशिया-प्रशांत क्रिकेट जगत शोक में डूब गया है। अरुआ ने साल 2010 में पहली बार पापुआ न्यू गिनी के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। महिला फ्रेंचाइजी टी20 क्रिकेट के विकास के दौर में, अरुआ ने फाल्कन्स के लिए 2022 और 2023 में फेयरब्रेक टूर्नामेंट में भी भाग लिया था। शानदार ऑलराउंडर कैया अरुआ पहली बार 2010 में पूर्वी एशिया-प्रशांत ट्रॉफी में सानो में मेजबान जापान के खिलाफ पहली बार राष्ट्रीय टीम के लिए खेलती हुई दिखाई दीं थी। इसके बाद वह टीम के लिए एक अहम खिलाड़ी बन गईं। साल 2017 महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालीफायर के लिए उन्हें टीम में शामिल किया गया था। इससे पहले अरुआ विभिन्न पूर्वी-एशिया प्रशांत के कई मैचों में और प्रशांत खेल क्रिकेट में पापुआ न्यू गिनी का प्रतिनिधित्व कर चुकी थीं। पापुआ न्यू गिनी की संभाली थी कमान अरुआ ने 2018 टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर में आयरलैंड के खिलाफ मैच में पीएनजी की कप्तानी संभाली और उसी साल उन्हें आईसीसी महिला वैश्विक विकास टीम में नामित किया गया। अरुआ ने 2019 पूर्वी एशिया-प्रशांत टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर में स्थायी आधार पर कप्तानी संभाली, जिससे उनकी टीम को टूर्नामेंट जीतने में मदद मिली और 2019 आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप क्वालीफायर और 2021 महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालीफायर दोनों टूर्नामेंटों के लिए टीम में जगह दी गई।

हॉकी खिलाड़ी हार्दिक ने अपनी सफलता का श्रेय जुगराज को दिया, एक समय निराश होकर नीदरलैंड जा रहे थे

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय पूर्व ड्रैग

फ्लिकर जुगराज सिंह को दिया है। हार्दिक के अनुसार अगर उन्हें जुगराज नहीं रोकते तो वह साल 2017 में ही क्लब स्तर पर खेलने के लिए नीदरलैंड चले गये होते। हार्दिक के अनुसार तब उन्हें राष्ट्रीय शिविर में असफलता मिली थी और वह टीम में जगह नहीं बना पा रहे थे। ऐसे में वह निराश होकर नीदरलैंड की ओर रुख करने पर विचार कर रहे थे। हार्दिक के अनुसार ऐसे समय में उन्हें जुगराज ने एकाग्र रहकर अभ्यास करने को कहा था। हार्दिक ने कहा, ''मोहाली हॉकी अकादमी से जुड़ने के बाद मैं सब-जूनियर स्तर से सीनियर स्तर तक अच्छी गति से आगे बढ़ा पर इसके बाद आई बाधा से मेरा आत्मविश्वास कम हो गया जिससे मुझे अपना भविष्य खतरे में नजर आने लगा। तब मैंने 2017 में क्लब हॉकी खेलने के लिए नीदरलैंड जाने का फैसला किया था। मैंने देश की ओर से खेलने की उम्मीद भी छोड़ दी थी। ऐसे समय में जुगराज ने उनको सही सलाद दी जिसके कारण ही आज वह यहां तक पहुंचे हैं। साथ ही कहा कि जब आप अच्छा कर रहे होते हैं तो भी आपको अच्छे मार्गदर्शन की जरूरत होती है।

दिल्ली कैपिटल्स की धीमी ओवर गति के लिए ऋषभ पर 24 लाख रुपये जुर्माना

विशाखापत्तनम । आईपीएल के इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की धीमी गेंदबाजी के लिए उसके कप्तान ऋषभ

पंत पर जुर्माना जगाया गया है। दिल्ली ने यहां केकेआर के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले में धीमी गति से गेंदबाजी की थी। ये दूसरी बार है जब दिल्ली ने धीमी गति से गेंदबाजी की है। इसी कारण उसके कप्तान पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। अब अगर ऋषभ की टीम तीसरी बार धीमी गति से गेंदबाजी करती है तो कप्तान पर 30 लाख के जुर्माने के साथ ही एक मैच का प्रतिबंध भी लग सकता है। ऋषभ पर अकेले ही जुर्माना नहीं लगा। उनरके साथ ही बाकि खिलाड़ियों पर भी जुर्माना लगा है। केकेआर के खिलाफ मैच में डीसी को सत्र में तीसरी बार हार का सामना करना पड़ा। कप्तान ने इस मैच में अच्छा प्रदर्शन किया पर उन्हें अन्य खिलाड़ियों से सहयोग नहीं मिला। बीसीसीआई ने खेल के बाद एक बयान जारी कर कहा कि दिल्ली द्वारा धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण कप्तान पर जुर्माना लगाया गया है। सीएसके के खिलाफ मैच में भी टीम ने धीमी गति से गेंदबाजी की थी। इसलिए ये जुर्माना 24 लाख रुपये कर दिया गया है। वहीं अन्य खिलाड़ियों पर 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले हरमन ब्रिगेड जाएगी बांग्लादेश, खेलेगी पांच मैच की टी20 सीरीज

नई दिल्ली।
बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने घोषणा की कि भारतीय महिला टीम टी20 सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा करेगी। सीरीज का पहला मैच 28 अप्रैल को सिलहट में खेला जाएगा। टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले इस सीरीज को भारतीय महिला टीम प्रैक्टिस के रूप में खेलेगी। इस साल के अंत में बांग्लादेश में ही महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन किया जाएगा। भारतीय टीम के 23 अप्रैल को बांग्लादेश पहुंचने की उम्मीद है और 28 अप्रैल को पहले टी20 मैच से पहले खुद को ढालने के लिए कुछ दिन मिलेंगे। पांच में से तीन मैच सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे, जबकि दो मैच सिलहट से बाहर खेले जाएंगे।

एशिया कप और टी20 वर्ल्ड कप की होगी तैयारी - पांच मैच की सीरीज के दौरान भारत को बांग्लादेश के विकेटों की प्रकृति और परिस्थितियों से अभ्यस्त होने में मदद मिलेगी। द्विपक्षीय सीरीज से भारत को जुलाई में खेले जाने वाले एशिया कप की तैयारियों में भी मदद मिलेगी। एशिया कप के बड़े और बेहतर होने की उम्मीद है, क्योंकि इस बार टूर्नामेंट में कुल आठ टीमें हिस्सा लेंगी।

पिछले साल भारत ने किया था बांग्लादेश का दौरा - बता दें कि भारत और बांग्लादेश आखिरी बार जुलाई 2023 में आमने-सामने हुए थे, जब हरमनप्रीत कौर एंड कंपनी ने तीन टी20 मैच और इतने ही वनडे मैचों की सीरीज के लिए पड़ोसी देश का दौरा किया था। जहां भारत ने टी20 सीरीज 2-1 से अपनी नाम की थी, जबकि वनडे सीरीज 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई थी। तीसरा वनडे मैच टाई रहा था।

विवादों में रहा था तीसरा वनडे मैच - गौरतलब हो कि तीसरा वनडे मैच विवादित रहा था, जब हरमनप्रीत कौर ने अंपायर की आलोचना कर दी थी। साथ ही विकेट पर बल्ला मार दिया था। वह आउट दिए जाने पर अंपायर के फैसले से खुश नहीं थी और गुस्से में बल्ला विकेट पर दे मारा था। वहीं, पवेलियन लौटते समय भी अंपायर से बहस करती हुई दिखाई दी थीं। इसके बाद आईसीसी ने मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया था।

सूर्यकुमार यादव के मुंबई इंडियंस कैंप में शामिल होने की उम्मीद

नई दिल्ली। दाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस कैंप में शामिल होने की उम्मीद है। वह वानखेड़े स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ टीम के अगले मैच में खेल सकते हैं। बताया कि राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) द्वारा खेलने के लिए फिट घोषित किए जाने के बाद सूर्यकुमार परसों यानी 5 अप्रैल तक एमआई कैंप में शामिल हो जाएंगे। एमआई की पूरी टीम गुजरात के जामनगर में चल रहे ब्रेक के बाद जब मुंबई वापस आ जाएगी, तब 5 अप्रैल को उनके अपनी टीम के साथियों से मिलने की संभावना है। सूर्यकुमार ने आखिरी बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट दिसंबर 2023 में भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के टी20ई चरण के दौरान खेला था। मैच में फील्डिंग करते समय उनके टखने में चोट लग गई थी। उन्होंने जोहान्सबर्ग में तीसरे टी20ई में 56 गेंदों में 100 रन बनाए थे, जो इस प्रारूप में उनका चौथा शतक था, जहां भारत ने उनकी कप्तानी में श्रृंखला जीती थी। सूर्यकुमार ने 2022 और 2023 के लिए आईसीसी पुरुष टी20आई प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीता है, उन्होंने 17 जनवरी को जर्मनी के म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी की, जिसने उन्हें क्रिकेट एक्शन से बाहर कर दिया। उनकी उपलब्धता एमआई के लिए एक बड़ा बढ़ावा है, जो हार्दिक पंड्या के नेतृत्व में अब तक प्रतियोगिता में जीत से वंचित रही है।

वर्ल्ड कप क्वालीफायर तक पुरुषों के मुख्य कोच बने रहेंगे स्टिमैक

नई दिल्ली।
सीनियर भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक कुवैत और कतर के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के दूसरे दौर के क्वालीफायर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपनी भूमिका जारी रखेंगे। फीफा विश्व कप 2026 और एएफसी एशिया कप 2027 प्रारंभिक संयुक्त क्वालीफायर के तीसरे दौर में जगह बनाने की अपनी कोशिश में भारत को एक गंभीर झटका लगा, जब टीम पिछले महीने अफगानिस्तान से 1-2 से हार गई। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे द्वारा स्टिमैक के साथ चर्चा करने के लिए गठित समिति ने 2 अप्रैल को मुख्य कोच के साथ एक आभासी बैठक की। बैठक में मेनला एथेनपा, सदस्य, कार्यकारी समिति और अध्यक्ष, वित्त समिति, अनिलकुमार प्रभाकरन, सदस्य, कार्यकारी समिति और अध्यक्ष, प्रतियोगिता समिति, एम सत्यनारायण, कार्यवाहक महासचिव, एआईएफएफ उपस्थित थे। बैठक के दौरान, स्टिमैक से फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर के राउंड 3 के लिए क्वालीफाई करने में भारत के विफल होने पर इस्तीफा देने के अपने हालिया बयान को स्पष्ट करने के लिए कहा गया था। एआईएफएफ वेबसाइट पर प्रकाशित जानकारी के अनुसार, स्टिमैक ने कहा कि उनकी टिप्पणी एक सवाल के जवाब में की गई थी। कोच ने कहा, एक साल पहले, मैंने कहा था कि हम राउंड 3 के लिए क्वालीफाई करने की कोशिश करेंगे और वर्तमान में हम ग्रुप में दूसरे स्थान पर हैं और दो टीमें क्वालीफाई करती हैं। हम 6 जून 2024 को कुवैत के खिलाफ मैच के बाद इस मुद्दे पर आगे चर्चा करेंगे। 6 जून को कुवैत के खिलाफ मैच भारतीय फुटबॉल में सबसे बड़े दिनों में से एक होगा, क्योंकि एक जीत पहली बार राउंड 3 के लिए क्वालीफाई करने की हमारी संभावनाओं को काफी हद तक उवल कर देगी। स्टाफ और खिलाड़ी सभी इस ऐतिहासिक क्षण से अवगत हैं। स्टिमैक ने बैठक में कहा, हम जीतने के लिए अपनी क्षमता से सब कुछ करेंगे। एआईएफएफ समिति के सदस्यों के साथ सार्थक चर्चा हुई।

मयंक असाधारण क्षमताओं वाला गेंदबाज : विजय दाहिया

नई दिल्ली।
लखनऊ सुपरजायंट्स के नये तेज गेंदबाज मयंक यादव ने मैदान में उतरते ही अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। मयंक ने जिस प्रकार दोनो ही मैच में आईपीएल इतिहास की सबसे तेज गेंदें फेंकी हैं उससे पता चलता है कि वह आसाधारण क्षमताओं वाले गेंदबाज हैं। मयंक को लेकर पूर्व क्रिकेर विजय दाहिया ने कहा कि रणनीतिक मानकिसता उन्हें गेंदबाजों से अलग करती है।

दहिया ने कहा कि जहां तक प्रथम श्रेणी गेंदबाज होने का सवाल है तो मयंक के पास ज्यादा अनुभव नहीं है, इसके बाद भी उनके प्रदर्शन में काफी गहरायी है। इस साल की देवधर ट्रॉफी में उनकी क्षमताएं सभी ने देखी थीं। वह वहां भी 150 से अधिक की गेंदबाजी कर रहा था। मयंक के यहां तक पहुंचने की कहानी भी रोचक है। दहिया ने कहा कि मैं रणजी ट्रॉफी में यूपी टीम को कोचिंग दे रहा था और हम मोहाली में खेल रहे थे। वहीं हमारे नेट के बगल में, दिल्ली टीम अभ्यास कर रही थी इसलिए मैं वहीं खड़ा था। इस दौरान एक लड़का काफी अच्छी गेंदबाजी कर रहा था। उसका रनअप भी काफी प्रभावित करने वाला था।

इसके बाद मैंने उसे तुरंत लखनऊ बुला लिया। पिछले साल मुझे उम्मीद थी कि वह आईपीएल में धमाका कर देगा पर वह चोटिल होने के कारण नहीं खेल पाया। लखनऊ टीम कुछ अभ्यास मैच खेल रही थी और वह उन अभ्यास खेलों में घायल हो गए और उस सीज़न में नहीं खेल सके। मुझे लगता है कि उसकी मानसिकता ने मुझे सबसे अधिक प्रभावित किया। क्योंकि जब आप किसी को गेंदबाजी करते हुए देखते हैं, एक युवा खिलाड़ी को 150 से अधिक की गेंदबाजी करते हुए, तो आप बहुत सारे बाउंसर देखेंगे पर उसने अपनी शॉर्ट पिच गेंदों का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए किया। उसका लक्ष्य इससे बल्लेबाजों पर दबाव बनाना था। दहिया ने यादव की असाधारण प्रतिभा वाला खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह भविष्य का सितारा है।

इरफान पठान की तरह ही तेज गेंदबाज बनना चाहते थे सिद्धार्थ

नई दिल्ली ।
लखनऊ सुपर जायंट्स के नये स्पिनर एम सिद्धार्थ ने अपने पहले सत्र में ही जिस प्रकार विराट कोहली जैसे अनुभवी बल्लेबाज को अपना शिकार बनाया है। उससे सिद्धार्थ सभी की नजरों में आ गये हैं। घरेलू क्रिकेट में तमिलनाडू की ओर से खेलने हुए भी सिद्धार्थ का शानदार गेंदबाजी रिकार्ड रहा है। सिद्धार्थ ने अपने दूसरे ही मैच में आरसीबी के कई दिगगज बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया। सिद्धार्थ का सपना इरफान पठान की तरह तेज गेंदबाज बनना था पर उन्होंने बाद में वह लेफ्ट आर्म स्पिन गेंदबाजी में उतरे गये। उन्होंने ये बदलाव इसलिए किया क्योंकि उनकी पेस कम हो गई थी हालांकि वह गेंदबाजी को स्विंग करा रहे थे। जैसे जैसे अनुभव बढ़ता गया उन्होंने अपनी गेंदबाजी में विविधता लाना प्रारंभ कर दिया जिसे खेलना बल्लेबाजों के लिए मुश्किल हो गया। उन्होंने गेंदबाजी में विविधता के कारण ही कोहली को भी आउट किया। विराट के अलावा फाफ डुप्लेसी जैसे दिग्गज बल्लेबाज भी उनसे परेशान रहे हैं। सिद्धार्थ ने इस मैच से पहले टीम के हेड कोच जस्टिन लैंगर से विराट को आउट करने का अपना वादा भी निभाया। कोच लैंगर जानते थे कि विराट आर्म बॉल को खेलते हुए सहज नहीं रहते और इसी लिए

उन्होंने सिद्धार्थ से ऐसी ही गेंद करने को कहा। सिद्धार्थ ने आरसीबी के पांचवें ओवर की दूसरी गेंद पर कोहली को बैकवर्ड प्वॉइंट पर देवदत्त पडिक्कल के हाथों कैच कराकर आईपीएल करियर का अपना पहला विकेट लिया। लखनऊ ने उन्हें इस बार 2.4 करोड़ में नीलामी में खरीदा था और इस गेंदबाज ने अपने चयन को अब तक सही साबित किया है। सिद्धार्थ ने अपना पहला मैच पंजाब किंग्स के खिलाफ खेला था पर उस मैच में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। उन्होंने साल 2019 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में तमिलनाडु के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था. इसके बाद उन्हें कोलकाता नाइटराइडर्स ने 2020 में अपने साथ जोड़ा। केकेआर ने बिना मैच खिलाए उन्हें रिलीज कर दिया था फिर उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने शामिल किया। चोट की वजह से यूएई में खेले गए दूसरे लेग में वह नहीं खेल पाए और दिल्ली ने भी उन्हें छोड़ दिया। इसके बाद वह मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के साथ बतौर नेट बॉलर रहे थे।

एमबाप्पे के गोल से फ्रेंच कप फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन

पेरिस।
पेरिस सेंट-जर्मेन ने पार्स डेस प्रिंसेस में एक रोमांचक मुकाबले में स्टेड रेनैस पर 1-0 से जीत के साथ कूप डी फ्रांस (फ्रेंच कप) फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

पहले हाफ में पीएसजी आक्रमण में रेनैस पर हावी रही। पेरिस सेंट-जर्मेन ने कुल छह शॉट दर्ज किए जबकि मेहमान टीम ने जवाबी कार्रवाई में तीन शॉट लगाए। इन शॉट्स के साथ भी, खेल पहले 45 मिनट में अधिकांश समय स्कोर रहित रहा।

37वें मिनट में, किलियन एमबाप्पे के पास पेनल्टी किक शॉट पर स्कोरिंग खोलने का पहला मौका था, लेकिन रेनैस के गोलकीपर स्टीव मंडंडा ने पेनल्टी बचाकर खेल को स्कोर रहित बनाए रखा।

25 वर्षीय फ्रांसीसी कप्तान ने 40वें मिनट में गोल कर अपनी प्रतिष्ठा को बहाल किया जब उनका शॉट रेनैस खिलाड़ी से डिफलेक्ट होकर गोल में चला गया जिससे पीएसजी को लाभ के साथ ड्रेसिंग रूम में जाने का मौका मिला।

दूसरे हाफ में कोई गोल नहीं हुआ, लेकिन

दोनों टीमों के पास गोल करने के मौके थे। रेनैस के पास कुल छह शॉट थे क्योंकि उन्होंने बराबरी हासिल करने का प्रयास किया था, जबकि पीएसजी ने बढ़त हासिल करने पर नजर रखते हुए कुल चार शॉट लगाए। कूप डी फ्रांस फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन का मुकाबला ओलंपिक लियोनिस से होगा। अलेक्जेंड्रे लाकाज़ेट के छह मिनट के डबल और गिफ्ट ओर्बन के एक गोल ने लियोनिस को 3-0 से जीत दिलाने के साथ फाइनल में पहुंचने में मदद की।

जोफ्रा आर्चर टी20 वर्ल्ड कप में कर सकते हैं वापसी, बेन स्टोक्स ने कर दिया है मना

नई दिल्ली। पिछले कुछ समय से चोटिल होने के कारण क्रिकेट से बाहर रहे इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर गेंदबाजी करते हुए दिखें हैं। वह इस साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में वापसी करने के लिए तैयारियों में लगे हुए हैं। वहीं, वर्ल्ड कप से पहले ही बेन स्टोक्स ने टी20 वर्ल्ड कप खेलने से इनकार कर दिया है। आर्चर की काउंटी टीम ससेक्स के कोच पाल फारब्रेस ने कहा कि यह 29 वर्षीय तेज गेंदबाज इंग्लैंड के ओली रॉबिसन और वेस्टइंडीज के जेडन सील्स के साथ गेंदबाजी कर रहे हैं और योजना उन्हें टी20 वर्ल्ड कप के लिए तैयार करना है। फारब्रेस ने कहा, पिछले सप्ताह अभ्यास के दौरान पहले ओलिवर (रॉबिसन) और फिर जेडन ने गेंदबाजी की। इनके बाद जोफ्रा गेंदबाजी के लिए आए और उन्होंने असाधारण गति से गेंदबाजी की। कोच ने कही बड़ी बात उन्होंने कहा, अभी (जेम्स) कीसी (ससेक्स के गेंदबाजी कोच) की योजना बिल्कुल स्पष्ट है। वह आर्चर को टी20 वर्ल्ड कप के लिए तैयार करना चाहते हैं। मैंने जो देखा उसी के बारे में बात कर रहा हूं। वह असाधारण गति से गेंदबाजी कर रहे हैं और उतनी ही अच्छी तरह से बल्लेबाजी भी कर रहे हैं। बता दें कि टी20 वर्ल्ड कप इस साल जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। स्टोक्स नहीं खेलेंगे टी20 वर्ल्ड कप बता दें कि इंग्लैंड क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स ने ये कंफर्म किया कि वह टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए उपलब्ध नहीं हैं। स्टोक्स ने कहा क वह इस वक्त कड़ी मेहनत कर रहे है कि वह पूरी तरह से फिट हो और क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में ऑलराउंडर की भूमिका निभाने के लिए तैयार हो। इससे पहले बेन स्टोक्स ने आईपीएल 2024 खेलने से इनकार किया था।

होम टीप्स

ईकोफ्रेंडली इंटीरियर : अब कॉर्क से सजाये अपना आशियाना

बोतलों के ढक्कन के रूप में प्रयुक्त होने वाले कॉर्क ने सत्तर के दशक में इंटीरियर के क्षेत्र में अपनी पैठ बनाई थी। बाद में इसकी जगह चमक दमक वाली सनमाइका व अन्य चमकीली शीट्स ने ले ली। लोगों का रुझान अब ग्रीन इंटीरियर की तरफ हुआ है ऐसे में कॉर्क की मांग एक बार फिर से बढ़ी है। इस बार 21वीं शताब्दी के रंगों में रंग कर लौटा यह कॉर्क अब घरों से लेकर ऑफिसों तक के इंटीरियर को समृद्ध बना रहा है। इतना ही नहीं, ईकोफ्रेंडली होने के साथ-साथ यह ध्वनि प्रदूषण का प्रभाव भी कम करता है।

ट्रेंड कर रहा आकर्षित

कॉर्क बाथरूम के फर्श से लेकर पिनबोर्ड तक में प्रयुक्त किया जा रहा है। आज के दौर के ट्रेंड में लोग पिनबोर्ड पर कोलाज से दीवारें सजाते हैं। कॉर्क नए इंटीरियर ट्रेंड के रूप में उभरा है। इसपर विभिन्न प्रयोगों से इसे बहु उपयोगी बनाया गया है। घरों में लोग कॉर्क फिनिश चाहते हैं। घरों व रेस्टोरेंट्स में बार आदि के इंटीरियर में मैंने कॉर्क का प्रयोग किया है। हालांकि अभी इस पर ज्यादा काम नहीं किया है लेकिन अब इसका ट्रेंड काफी हद तक लोगों को आकर्षित कर रहा है।

दीवारों पर सजावटः इंटीरियर

डिजाइनर पूनम के मुताबिक कॉर्क लचीला व अभेद्य मैटीरियल होने के कारण दीवारों पर तापमान नियंत्रक के तौर पर भी काम करता है। ऐसे में इसके मौलिक रूप को विभिन्न डिजाइनों में दीवारों पर लगाया जा रहा है।

घरों के अलग-अलग कमरों में इसे अलग- अलग फिनिश में लगाया जा रहा है। दीवारों के अलावा फर्श की टाइलों के रूप में भी इसका प्रयोग किया जा रहा है। मैचिंग फर्नीचर के साथ कॉर्क के फर्श व दीवारें बनवाना लोग खासा पसंद कर रहे हैं। घरों में यह आवाज को अवशोषित करता है।

कॉर्क लाइटनिंग

कॉर्क को फर्श व दीवारों पर लगाने का प्रयोग किया जा रहा है। इंटीरियर डिजाइन हिना के मुताबिक इस समय लाइटों व झूमरों को लगाने के लिए कॉर्क की मांग बहुत अधिक है। यह लोगों को एक नई चीज लगती है। ऐसे में लोग कॉर्क लाइटनग को बहुत पसंद कर रहे हैं।

फर्नीचर व ताखों में कॉर्क

लोग फर्नीचर को नया व अनूठा लुक देने के लिए कॉर्क की डिजाईनग करवा रहे हैं। इंटीरियर डिजाइन गीतांजलि के मुताबिक टेबल, चेयर, अलमारी व स्टूल सेट आदि के अलावा छोटी स्टाइलिश ताख व खिड़कियों पर भी कॉर्क टच बेहद आकर्षक लगता है।

कई बीमारियों को छूमंतर करे कटहल

दुनिया में कई तरह के फल है, उनमें से सबसे बड़ा फल कटहल हैं। कटहल में विटामिन ए, विटामिन सी,पोटैशियम,कैलिशयम, आयरन और जिंक, जो हमारे शरीर को तंदरूस्त रखने का काम करते है। कटहल के सेवन से ब्लड शुगर को कंट्रोल में रहता है। साथ ही यह कब्ज से भी छुटकारा दिलाता है। अगर मोटापे से परेशान है तो कटहल के बीजों का सेवन कीजिए क्योंकि इसमें कैलोरी की मात्रा कम होती हैं।

डायटिंग में तनाव...

जब भी लोग वजन घटाने के लिए डायटिंग करते हैं तो उन्हें काफी तनाव महसूस होता है और तनाव से वजन खुद-ब-खुद बढ़ने लगता है। दरअसल, डायटिंग के वक्त कुछ किलो वजन कम करने के लिए कैलोरीज की काउंटिंग करना, फूड डायरी मेंटेन करना, लो कार्ब्स फूड खाना काफी स्ट्रेसफुल हो जाता है। एक रिसर्च में ये भी पाया गया है कि कम कैलोरी खाने से स्ट्रेस हर्मोन प्रोड्यूस होता है और स्ट्रेस वजन बढ़ाता है।

प्रतिदिन कुछ मिनट किया हुआ ध्यान तनाव कम करके खुशी की भावनाओं को बढ़ा देता है

हम लगातार हमारे शारीरिक इंद्रियों के माध्यम से जानकारी ले रहे हैं, आईटी और सोशल मीडिया लगातार श्लोक, विश्वास, समाचार और चिंतन को हमारे दिल और दिमाग में प्रसारित कर रहे हैं। जब हम ध्यान करना बंद कर देते हैं, तो सभी शोर नष्ट हो जाते हैं। इस क्षण में, अब हम एक गहरी सांस ले सकते हैं और सुन सकते हैं। हम लगातार अपनी मूर्त इंद्रियों के माध्यम से जानकारी ले रहे हैं। स्थिरता में, चुप में, सब कुछ बदल जाता है अब हम जब हम भौतिक दुनिया से दूर होकर, अपने मन की दुनिया को सुनते और सांस लेते हैं, तो हम एक गहरे स्तर पर स्वयं के साथ जुड़ना शुरू कर सकते हैं। हम ध्यान में कल्पनाशीलता और दृश्यता में ध्यान केंद्रित करते हैं। ध्यान की प्रथा एक महत्वपूर्ण चिकित्सा कला है जो जीवन में सबसे अधिक तनावपूर्ण स्थितियों में आंतरिक शांति और आंतरिक ताकत पाने के लिए उपयोगी होती है।

ध्यान से मन, शरीर और आत्मा के लाभ

शोधकर्ताओं ने ध्यान के लाभों पर एक व्यापक समीक्षा प्रकाशित की न केवल ध्यान मनाया जाता है और चिंता को दूर करने के तरीके के रूप में प्रलेखित किया जाता है, लेकिन इसका उपयोग दर्द को कम करने और अवसाद का प्रबंधन करने के लिए भी किया जा सकता है। ये लाभ सभी संभव हैं क्योंकि सहानुभूति तंत्रिका तंत्र को महत्वपूर्ण कार्यों जैसे ऑक्सीजन सेवन के रूप में गहरा साँस लेने, एक स्थिर हृदय की दर और कम रक्तचाप के लिए अधिक प्रभावी ढंग से लगाया और विनियमित किया जाता है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर वेलनेस में ध्यान देने वाले एक पंजीकृत नर्स बर्क लैनहैहान कहते हैं कि ध्यान का लाभ सिर्फ भौतिक से परे है। यह सच है, यह आपको आपके रक्तचाप को कम करने में मदद करेगी, लेकिन इतना अधिक यह आपकी रचनात्मकता, आपके अंतर्ज्ञान, आपके अंदरूनी आत्म के साथ आपके संबंध में मदद कर सकता है।

कई तरह के ध्यान से लोगों को अलग-अलग तरीकों से ठीक करने में सहायता मिलती है

बहुत से लोग, इसे स्वीकार नहीं करते हैं, बड़े निर्णयों और जीवन परिवर्तनों से निपटने के लिए पूरे जीवन में ध्यान के रूपों में लगे हुए हैं। ध्यान या प्रार्थना करने वाला ध्यान चलना दो सामान्य उदाहरण हैं जहां भौतिक दुनिया से एक धुन होती है और मन, हृदय या सांस को केंद्रित करती है। एक नियमित रूप से अभ्यास करते समय ध्यान का लाभ अधिक शक्तिशाली होता है, एकाग्रता मध्यस्थता एक सिखाती है कि वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए मन को कैसे निर्देशित और केंद्रित किया जाए। मनमुक्ति ध्यान एक नकारात्मक विचारों को ध्यान में रखकर मदद करता है जो मन में प्रवेश करते हैं ताकि उन्हें स्वस्थ तरीके से पेश किया जा सके। हार्ट-केंद्रित मध्यस्थता, छाती में शक्तिशाली ऊर्जा केंद्र को जागरूकता लाने में मदद करती है, जिससे भावनाओं और रिश्ते संबंधी समस्याओं का प्रबंधन होता है। संवेदनात्मक ध्यान, एक मंत्र को दोहराता है, चाहे वह एक शब्द, वाक्यांश या ध्वनि, चुप विचारों को और खुद को और सभी जीवित चीजों के संबंध में अधिक जागरूकता प्राप्त करने के लिए है। ये स्व-नियंत्रण तकनीक, तनाव को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने, उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमा करने और दूसरों के साथ अधिक सकारात्मक बातचीत करने में सहायता कर सकती है।

हर महिला के लिए जरूरी हैं ये कीचन टीप्स

हर महिला को घर का काम-काज करना पड़ता है। कई कामों के लिए तो घर में मेड लगी होती है लेकिन ज्यादातर घरों में रसोई का हर काम महिलाएं खुद ही करती हैं। कई बार जल्दबाजी में दूध उबल जाता है तो काफी परेशानी होती है। ऐसी ही कई तरह की छोटी-मोटी परेशानियां है जिन्हें कम करने के लिए ये किचन टिप्स आपके जरूर काम आएंगे।

- दाल या सब्जी को तड़का लगाते समय प्याज जल्दी फ्राई हो जाए। इसके लिए उसमें थोड़ी-सी चीनी मिला दें जिससे प्याज अच्छी तरह और जल्दी फ्राई होगा।
- दूध को जिस पतीले में गर्म करना हो उसके किनारों पर मक्खन लगा दें जिससे दूध उबल कर पतीली से बाहर नहीं निकलेगा।
- अक्सर भिंडी की सब्जी बनाते समय उसमें चिपचिपाहट आ जाती है। इसके लिए उसमें थोड़ा-सा नींबू का रस या अमचूर पाउडर मिला दें।
- गर्मियों में चीटियों की वजह से काफी परेशानी होती है। ऐसे में ट्यूबलाइट के पास प्याज की 1-2 गांठे लटका दें।
- पकौड़े बनाने के लिए काफी तेल का इस्तेमाल होता है। इसके लिए बेसन के घोल में 1 नींबू का रस मिला दें जिससे तेल कम लगेगा और पकौड़े भी स्वाद बनेंगे।

सौंदर्य

जैसा हो शादी का जोड़ा, उसी तरह हो आपकी आकर्षक नथ

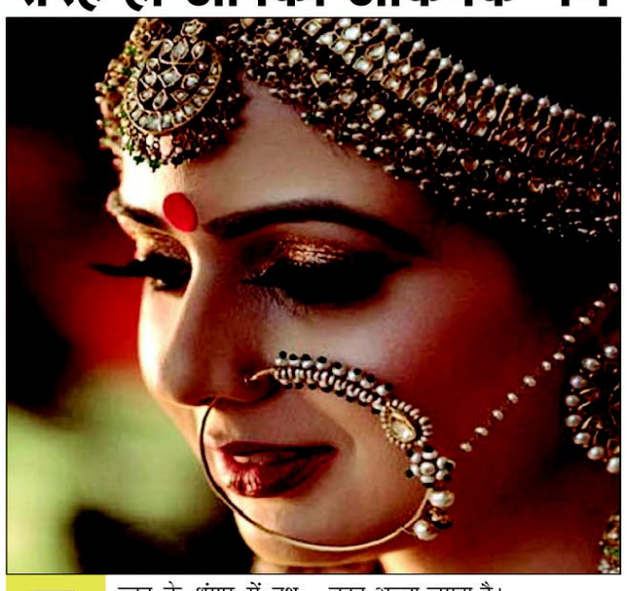

दुल्हन के श्रृंगार में नथ यानि नथनिया सबसे आकर्षक और अहम मानी जाती है। हर दुल्हन को परिवेश और समुदाय के अनुसार ही नथ पहनाई जाती है, यही नहीं इसे आन, बान और शान की निशानी माना जाता है। आजकल दुल्हनें अपनी ड्रेस और ज्वेलरी को ले कर बहुत सिलैक्टिव हो गई हैं। ऐसे में वे नथ भी पैटर्न और स्टाइल के अनुसार पहनती हैं। मांग टीका और नेकलेस के अलावा नथ भी श्रृंगार के दौरान बहुत महत्वपूर्ण होती है। नथ भी कई प्रकार की होती है।

बंगाली स्टाइल

यदि दुल्हन बंगाली है तो उसे हल्के क्रॉफ्ट वर्क वाली और चेन से जुड़ी हुई नथ पहननी चाहिए।

रिंग वाली

यदि आप बहुत सिंपल सी नथ पहनना चाहती हैं तो इसे ट्राई कर सकती हैं। यह सिंपल होने के बावजूद भी बेहद आकर्षक लगती है।

जड़ाऊ नथ

शादी के दिन बेहद खास लुक देती है। आप इसे जड़े हुए लंहगे के साथ पहन सकती हैं।

मल्टीपल चेन वाली

तीन चेन वाली नथ को पहन कर देखें, आपके चेहरे का लुक ही बदल जाएगा। यह एक ट्रेडीशनल लुक देता है और इसके साथ हैवी मांग टीका भी बहुत अच्छा लगता है।

सिर्फ एक रिंग वाली

यदि आप बहुत हैवी गेटअप में नहीं हैं तो इस तरीके की नथ को पहन सकती हैं। शादी के छोटे कार्यक्रमों में भी इसे पहना जा सकता है।

ब्रांज

राजस्थानी लुक देने के लिए आप ब्रांज नोज रिंग को पहन सकती हैं। यह प्योर गोल्ड शेड की होती है और हल्का सा डल लुक देती है। इसके साथ हैवी झुमके बहुत सुंदर लगते हैं।

मराठी स्टाइल की

कई लड़कियों को मराठी नथ बहुत सुंदर लगती है। यह सफेद रंग की होती है, जिसमें पर्ल होते हैं। आप इसे भी अपनी शादी के दिन पहन सकती हैं।

छोटी-सी हूप

बड़ी सी नथ पहनने से अच्छा है कि आप छोटी सी ही नोज रिंग पहनें। यह पहनने और कैरी करने में आसान रहती है।

घर को सजाते समय क्या आपसे भी होती हैं ये गलतियां?

घर को सजाने की चाह में कई बार रचनात्मकता अपना कमाल दिखाती है मगर कभी-कभी गलतियां भी हो जाती हैं। फ्लैट छोटा हो और फर्नीचर बड़ा, पेंडेंट लाइट्स ज्यादा ऊपर हों, रग्स का सही चुनाव न किया जाए तो घर बेमेल सा नजर आने लगता है। थोड़ी समझदारी बरतें तो इन गलतियों से बचा जा सकता है या इन्हें सुधारा जा सकता है।

परदे

डेकोरेशन का नियम कहता है कि पर्दे फ्लोर लेंथ से लगभग एक इंच कम हों। कई बार ये या तो फर्श को छूने लगते हैं या फिर कुछ ज्यादा ही छोटे हो जाते हैं। डेकोर की यह आम समस्या है।

टिप

बेहतर होगा कि पहले दरवाजे या खिड़कियों की नाप सही ढंग से लें। अगर फैब्रिक सिल्क का नहीं है तो हाइट थोड़ी ज्यादा रखें क्योंकि कई बार कॉटन फैब्रिक धोने के बाद सिकुड़ जाता है। वैसे इस समस्या से बचने के लिए इन्हें ड्राईक्लीन कराएं या फिर घर में धोने के बाद अच्छी तरह इस्तरी करें।

फोटो फ्रेम्स

कई बार फैमिली फोटो फ्रेम्स या पेंटिंग्स की हाइट इतनी ऊंची हो जाती है कि उनकी डिटेलिंग समझ नहीं आती। ग्रुप में लगे फ्रेम्स

अच्छे जरूर लगते हैं लेकिन इतने भी नहीं कि पड़े।

पूरी दीवार पर यही नजर आने लगें।

टिप

अगर घर में आर्ट गैलरी न खोलना चाहती हों तो फ्रेम्स को ज्यादा हाइट पर न लगाएं। इन्हें फर्नीचर से 10-12 इंच या फ्लोर से लगभग 5 फिट ऊपर लगाएं ताकि ये आसानी से नजर आ सकें। व्यावहारिक सुझाव यह है कि फ्रेम्स इतने ऊपर हों कि सामान्य हाइट वाला व्यक्ति भी इन्हें देख सके और लोगों को अपनी गर्दन को स्ट्रेच करके इन्हें न देखना

संतुष्ट होना पड़ता है मगर कई बार लाइटिंग की अपर्याप्त व्यवस्था घर को नीरस या उदासीन बना देती है। इसलिए सीलिंग लाइट्स के अलावा भी घर में लाइटिंग की उचित व्यवस्था करें।

टिप

थोड़ा सा मेकओवर घर को जीवंत और ऊर्जा से भरा हुआ बना सकता है। घर की लाइटिंग में फेरबदल करें। फॉल्स सीलिंग के अलावा फ्लोर लैंप्स, पेंडेंट लाइट्स, टास्क लाइटिंग और ओवरहेड लाइटिंग लगवाएं। जिन आर्ट पीसेज या पेंटिंग्स को हाइलाइट करना चाहते हैं, उनमें हाइलाइटर लगवाएं।

दीवार से सटे फर्नीचर

स्पेस मैनेजमेंट कहें या सजावट का पारंपरिक तरीका, अमूमन घरों में फर्नीचर को दीवार से सटाने का नियम चला आ रहा है। कई घरों में तो सेंटर टेबल भी सेंटर के बजाय दीवार से सटा कर रखी जाती है। इस फ्लोर प्लैन में थोड़ा सा बदलाव जरूरी है।

टिप

भले ही घर छोटा हो, अपने सारे फर्नीचर्स दीवार से सटा कर न रखें। दीवार से 2-3 इंच दूरी पर सामान रखेंगे तो न सिर्फ जगह ज्यादा खुली दिखेगी बल्कि फर्नीचर और दीवार की खूबसूरती भी निखर कर आएगी।

ड्रॉइंग रूम

अमूमन घरों में लिविंग स्पेस या ड्रॉइंग रूम के डेकोर पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। कारण यह है कि मेहमानों का स्वागत यहीं होता है। इस कारण कई बार ड्रॉइंग रूम में सारी सुंदर कलाकृतियां, देश-विदेश से खरीदी गई पेंटिंग्स या आर्ट पीसेज, कार्पेट्स, रग्स, लैंप्स, अवॉर्ड्स गिफ्ट्स सजा दिए जाते हैं। छोटे से स्पेस में इतने फोकल पॉइंट्स न तैयार करें कि नजर कहीं भी ठहर न पाए।

टिप

जरूरी नहीं कि सारे फोटो फ्रेम्स ड्रॉइंग रूम में लगा दें, सीढ़ियों के नीचे या पैसेज में भी इन्हें लगवा सकते हैं। अवॉर्ड्स को शोकेस करना चाहते हैं तो बार को डाइनिंग एरिया या कमरे के किसी दूसरे कॉर्नर पर शिफ्ट करें।

कार्बन कॉपी

सभी लोग किसी न किसी इंटीरियर थीम से प्रेरित होते हैं। दोस्तों, कलीग्स के घरों के अलावा फिल्मों-टीवी सीरियल्स और पत्रिकाओं में प्रकाशित घर भी उन्हें प्रेरित करते हैं। कई बार वे वैसी ही सजावट अपने घर में चाहते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि अपने घर को दूसरे के घरों की कार्बन कॉपी बना दें। घर में अपनी निजी पसंद, शौक, व्यक्तित्व, प्रोफेशन और स्टाइल की झलक भी मिलनी चाहिए।

टिप

किसी से प्रेरित होने से पहले सोचें कि क्या वह खास पैटर्न, फर्नीचर, फैब्रिक या वॉल कलर आपके घर के साइज, जरूरतों और उसमें रहने वालों की पसंद के अनुरूप है? घर में अपने व्यक्तित्व और रचनात्मकता की छाप होनी चाहिए। यह बात जरूर ध्यान में रखें कि घर रहने के लिए होता है। उसे इतना न सजाएं कि वह फाइव स्टार होटल में तब्दील हो जाए।

लाइटिंग

अमूमन घरों में सीलिंग या ओवरहेड लाइटिंग की व्यवस्था होती है। यूं भी फ्लैट सिस्टम में बिल्डर जितना देता है, उतने में ही

रेसिपी

वेज शामी कबाब

सामग्री

1 कप काले चने (उबले हुए), 1 प्याज (कटा हुआ), 1 चम्मच पुदीने की पत्तियां, 1 चम्मच धनिए की पत्तियां, 1 चम्मच धनिया पाऊडर, 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाऊडर, 1 हरी मिर्च (कटी हुई), 1/2 चम्मच अदरक का पेस्ट, 1/2 चम्मच गरम मसाला पाऊडर, 2 चम्मच बेसन, नमक स्वादानुसार, तेल तलने के लिए

विधि

सबसे पहले एक बाउल में उबले हुए चने, प्याज, पुदीने की पत्तियां, धनिए की पत्तियां, धनिया पाउडर, लाल मिर्च, अदरक का पेस्ट, गरम मसाला, बेसन और नमक डालकर अच्छी तरह से मैश करके मिक्चर तैयार कर लें। अब छोटे से मिक्चर को हाथ में ले और उसे कबाब का आकार दें। इसी तरह से बाकी के सारे कबाब तैयार कर लें। पैन में तेल डालकर गर्म करें। अब कबाब को तेल में डालकर फ्राई करें। फ्राई करने के बाद इन्हें प्लेट में निकाल लें। शामी वेज कबाब तैयार है। इसे चटनी के साथ सर्व करें।

सूजी ड्राय फ्रूट गुजिया

सामग्री

मैदा - 2 कप (250 ग्राम), घी - द कप (60 ग्राम), दही या दूध - 1/4 कप, **स्टफिंग के लिए:** सूजी - 3/4 कप (150 ग्राम), पाउडर चीनी - 3/4 कप, ड्राय फ्रूट्स - 1 कप (काजू, अखरोट, बादाम, किशमिश), छोटी इलायची - 7-8, घी - गुजिया तलने के लिए और सूजी भूनने के लिए

विधि

मैदा को किसी बर्तन में निकाल लीजिए, घी और दही आटे में डाल कर, अच्छी तरह मिलाइए। अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए पूरी के आटे से थोड़ा सख्त आटा गूंथ लीजिए। आटे को आधे घंटे के लिए ढककर रख दीजिए। **स्टफिंग बना लीजिए:** सभी ड्राय फ्रूट्स छोटे छोटे काट कर तैयार कर लीजिए और इलायची को छीलकर पाउडर बना लीजिए। कढ़ाई में 2 टेबल स्पून घी डालकर गरम कीजिए। घी में सूजी डालकर लगातार चलाते हुए हल्का गोल्डन ब्राउन होने तक भूनिए। सूजी के भूनने पर इसमें कटे हुए ड्राय फ्रूट्स डाल दीजिए और 1-2 मिनिट मिक्स करते हुए भून लीजिए। आटे को मसल-मसल कर मुलायम कीजिए, और आटे से छोटी छोटी 25 लोई तोड़ कर बना लीजिए, लोइयों को ढककर रखिए। सूजी के हल्का ठंडा होने पर इसमें पाउडर चीनी और इलायची का पाउडर डाल कर मिला लीजिए। एक लोई निकालिए 3-4 इंच के व्यास में पूरी बेलिए, बेली हुई पूरी थाली में रखते जाइए। अब इन्हें भर कर गुजिया तैयार कर लीजिए। एक पूरी उठाइए, पूरी को सांचे के ऊपर रखिए। एक या डेढ़ चम्मच स्टफिंग पूरी के ऊपर डालिए, किनारों पर उंगली के सहारे से पानी लगाइए। इसी तरह सारी गुजिया बेल कर भर कर बना कर तैयार कर लीजिए। **गुजिया तल लीजिए:** मीडियम गरम घी में गुजिया डालिए और हल्के ब्राउन होने तक पलट-पलट कर तल लीजिए। कढ़ाई से गुजिया, तिशु पेपर बिछी प्लेट में निकालिए। गुजिया तैयार हैं, गरमा गरमा गुजिया परोसिये और खाइए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**